15 अगस्त 2025
शुक्रवार
केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण
आपकी आवाज

एसआईआर के विरोध को लेकर बैठक, विधायक ने मतदाता सूची से नाम विलोपन पर साधा निशाना

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

भारतीय सेना ने सीमापार आतंकी ठिकाने तबाह किए : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

- 64 साल की मुर्मू ने साल 2022 में देश में सबसे कम उम्र में राष्ट्रपति बनने का रिकॉर्ड भी बनाया है

एजेंसी/नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित किया। 24 मिनट के संबोधन में उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर, कश्मीर रेल प्रोजेक्ट, विकास, लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था जैसे विषयों पर बात रखी। उन्होंने कहा- इस साल हमें आतंकवाद का दर्द झेलना पड़ा। पहलगाम हमला कायराना और अमानवीय था। इसके जवाब में ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने सीमापार आतंकियों के ठिकानों को तबाह किया। यह आत्मनिर्भर भारत मिशन की परीक्षा का भी अवसर था। राष्ट्रपति ने आगे कहा कि कश्मीर घाटी में रेल सर्विस शुरू होना बड़ी उपलब्धि है। इससे उस क्षेत्र में व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, 55 करोड़ लोगों को आयुष्मान योजना का लाभ मिला है। साथ ही कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी, हमारे लिए संविधान सर्वोपरि है। द्रौपदी मुर्मू देश की 15वीं राष्ट्रपति हैं। वे इस सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंचने वाली देश की पहली आदिवासी और दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं। 64 साल की मुर्मू ने साल 2022 में देश में सबसे कम उम्र में राष्ट्रपति बनने का रिकॉर्ड भी बनाया। पहलगाम हमला निर्दोष नागरिकों की हत्या, कायरतापूर्ण और नितांत अमानवीय थी। इसका जवाब

भारत ने फौलादी संकल्प के साथ निर्णायक तरीके से दिया। ऑपरेशन सिंदूर ने यह दिखा दिया कि जब राष्ट्र की सुरक्षा का प्रश्न सामने आता है तब हमारे सशस्त्र बल किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए पूरी तरह सक्षम सिद्ध होते हैं। रणनीतिक स्पष्टता और तकनीकी दक्षता के साथ, हमारी सेना ने सीमा पार के आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया। मेरा विश्वास है कि ऑपरेशन सिंदूर, आतंकवाद के विरुद्ध मानवता की लड़ाई में एक मिसाल के तौर पर इतिहास में दर्ज होगा। हमारी एकता ही हमारी जवाबी कार्रवाई की सबसे बड़ी विशेषता थी। आर्थिक क्षेत्र में हमारी उपलब्धियां साफ-साफ देखी जा सकती हैं। पिछले वित्त वर्ष में 6.5 प्रतिशत की सकल-घरेलू-उत्पाद-वृद्धि-दर के साथ भारत, दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्याप्त समस्याओं के बावजूद, घरेलू मांग में तेजी से वृद्धि हो रही है। मुद्रास्फीति पर नियंत्रण बना हुआ है। निर्यात बढ़ रहा है। सभी प्रमुख संकेतक अर्थव्यवस्था की मजबूत स्थिति को दर्शा रहे हैं। श्रमिक और किसान भाई-बहनों की कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ-साथ, सुविचारित सुधारों और कुशल आर्थिक प्रबंधन का भी परिणाम है।

कश्मीर में विकास पर

पिछले एक दशक में बुनियादी ढांचे में हुए विकास में यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। हमने भारतमाला परियोजना के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का विस्तार और सुदृढ़ीकरण किया है। रेलवे ने भी नवाचार को प्रोत्साहन दिया है तथा नवीनतम टेक्नोलॉजी से युक्त नए तरह की रेलगाड़ियों और डिब्बों का उपयोग किया जाने लगा है। कश्मीर घाटी में रेल-संपर्क का शुभारंभ करना, एक प्रमुख उपलब्धि है। शेष भारत के साथ घाटी का रेल-संपर्क, उस क्षेत्र में व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा देगा और नई आर्थिक संभावनाओं के द्वार खोलेगा। कश्मीर में, इंजीनियरिंग की यह असाधारण उपलब्धि, हमारे देश के लिए एक ऐतिहासिक माइल स्टोन है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट का अगला चरण है जो हमारे जीवन में अपना स्थान बना चुका है। सरकार ने देश की अकक्षमताओं को मजबूत करने के लिए इंडिया-अक मिशन शुरू किया है। इस मिशन के तहत ऐसे मॉडल विकसित किए जाएंगे जो भारत की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करेंगे। हमारी आकांक्षा है कि वर्ष 2047 तक भारत, एक ग्लोबल एआई हब बन जाए। शुभांशु शुक्ला की इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन की यात्रा ने एक पूरी पीढ़ी को ऊंचे सपने देखने की प्रेरणा दी है। यह अंतरिक्ष-यात्रा भारत के आगामी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम ह्यगगनयानह्न के लिए अत्यंत सहायक सिद्ध होगी। नए आत्मविश्वास से भरपूर हमारे युवा, खेल-जगत में अपनी पहचान बना रहे हैं।

किश्तवाड़ जिले के पद्दार में हुई घटना, मचैल माता मंदिर की यात्रा का रूट तबाह

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में बादल फटा, 40 की मौत, 100 से अधिक लोग घायल

- प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। सहायता डेस्क-नियंत्रण कक्ष नंबर से परिजनों को जरूरी सूचना मुहैया कराई जाएगी
- एपहाड़ी इलाकों में बादल फटना व भू-स्खलन बहुत आम हो गया है

एजेंसी/नई दिल्ली

जम्मू कश्मीर में बादल फटने घटना किश्तवाड़ जिले के सब डिवीजन पद्दार में हुई। इससे मचैल चंडी माता मंदिर जाने वाले लोग इसकी चपेट में आ गए। जम्मू और कश्मीर में जम्मू क्षेत्र के के मचैल गांव में स्थित दुर्गा का एक मंदिर है। इस मन्दिर को मचैल माता मन्दिर के नाम से जाना जाता है। किश्तवाड़ में बादल फटने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 40 पहुंच गई है। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस की वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी ने घटना पर शोक व्यक्त किया है। राहुल गांधी ने लिखा है कि जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में बादल फटने से आई तबाही के कारण कई लोगों की मौत और कईयों के लापता होने की खबर बेहद दुखद है। मैं प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और लापता लोगों के जल्द मिलने की आशा करता हूं। राहुल गांधी ने लिखा है कि प्रशासन से आग्रह है कि राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाएं। कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं से अनुरोध है कि प्रशासन का सहयोग और जरूरतमंदों की हरसंभव मदद करें। किश्तवाड़ के चिसोटी-पद्दार में बादल फटने की घटना के बाद प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। सहायता डेस्क-नियंत्रण कक्ष नंबर से परिजनों को जरूरी सूचना मुहैया कराई जाएगी।

श्रीनगरः किश्तवाड़ के चशोती इलाके में अचानक आई बाढ़ पर बोलते हुए जेकेएनसी प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री से कहना चाहूंगा कि वे ग्लोबल वार्मिंग के मुद्दे को बहुत गंभीरता से लें। पहाड़ी इलाकों में यह बहुत आम हो गया है। इससे निपटने के लिए कोई न कोई तरीका तो निकालना ही होगा। इसलिए मैं उनसे इस दुख की घड़ी में यह सोचने की अपील करता हूं कि इसका समाधान कैसे किया जा सकता है। जम्मू कश्मीर में बड़ी कुदरती घटना सामने आई है। गुरुवार को किश्तवाड़ जिले में एकाएक बादल फटने की घटना से मचैल माता मंदिर की यात्रा का रूट तबाह हो गया। दुर्गा माता के मंदिर जा रहे श्रद्धालु इस घटना की चपेट में आ गए।

सीएम ने कैंसल किए स्वतंत्रता दिवस के सांस्कृतिक कार्यक्रम

जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने किश्तवाड़ जिले में गुरुवार को बादल फटने से हुई जनहानि के बाद शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान एट होम चाय पार्टी और सांस्कृतिक कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि चशोती गांव में बादल फटने से 40 लोगों की मौत हो गई तथा कई अन्य अब भी मलबे में फंसे हैं। अब्दुल्ला ने कहा कि किश्तवाड़ में बादल फटने से हुई त्रासदी के मद्देनजर, मैंने शुक्रवार की शाम को एट होम चाय पार्टी रद्द करने का निर्णय किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान सुबह के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी नहीं आयोजित करने का फैसला किया है। औपचारिक कार्यक्रम – भाषण, मार्च पास्ट आदि योजना के अनुसार ही होंगे।

मतदाता सूची से हटाए गए वोटर्स का नाम हो सार्वजनिक

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में वोटर लिस्ट से हटाए गए 65 लाख नामों पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि हर नाम के आगे हटाने का कारण बताया जाए और सूची जिला, प्रखंड, पंचायत स्तर पर सार्वजनिक की जाए। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया है कि वह बिहार के ड्राफ्ट मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख वोटर्स की लिस्ट को कारण के साथ सार्वजनिक करें। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग को सख्त निर्देश दिए हैं। अदालत ने आदेश दिया है कि ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से हटाए गए 65 लाख लोगों के नामों की पूरी सूची मंगलवार तक जिला स्तर पर सार्वजनिक की जाए, और प्रत्येक नाम के आगे विलोपन का कारण भी स्पष्ट रूप से लिखा जाए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया है कि यह सूची प्रखंड और पंचायत स्तर के सरकारी कार्यालयों में भी चस्पा की जाए। साथ ही इसे सार्वजनिक किया जाए।

जेल में बंद दो लोकसभा सदस्य भी उप राष्ट्रपति चुनाव में कर सकेंगे मतदान

एजेंसी/नई दिल्ली

9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में जेल में बंद दो लोकसभा सांसद भी मतदान कर सकेंगे। बता दें कि जम्मू-कश्मीर के बारामूला से सांसद शेख अब्दुल राशिद और पंजाब के खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह भी इस चुनाव में पात्र मतदाता हैं।आगामी उपराष्ट्रपति चुनाव में लोकसभा के कम से कम दो सांसद डाक मतपत्र (पोस्टल बैलेट) के जरिए अपना वोट डालेंगे। यह चुनाव 9 सितंबर को होगा और यह पद पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के पिछले महीने अचानक इस्तीफे के बाद खाली हुआ है। नियमों के अनुसार, केवल वे सांसद जो निरोधात्मक हिरासत (प्रिवेंटिव डिटेंशन) में हैं, वे ही डाक मतपत्र से वोट दे सकते हैं। इन दोनों सांसदों में शेख अब्दुल राशिद (बरामूला)- आतंकी फंडिंग मामले में ट्रायल का सामना कर रहे हैं और तिहाड़ जेल में बंद हैं। जबकि अमृतपाल सिंह (खडूर साहिब)- राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत असम के डिब्रूगढ़ जेल में बंद हैं।जानकारी के अनुसार, चुनाव आयोग को संबंधित सरकार नाम, हिरासत का स्थान और जरूरी जानकारी भेजेगी, जिसके बाद आयोग मतपत्र भेजेगा। बाकी सभी सांसदों को 9 सितंबर को संसद भवन में बने मतदान केंद्र पर वोट देना होगा।उपराष्ट्रपति चुनाव में लोकसभा और राज्यसभा के सभी सदस्य (नामांकित सदस्य समेत) मतदान करते हैं। इस बार 781 सदस्य वोट डालने के पात्र हैं, जिनमें से एनडीए के पास कम से कम 422 सदस्यों का समर्थन है।

ठाणे सेंट्रल जेल की अधीक्षक और उनके पति को मिलेगा मेडल

देशभर में 1,090 सुरक्षाबलों को राष्ट्रपति से मिलेगा सम्मान

एजेंसी/नई दिल्ली

देशभर में 1,090 सुरक्षाबलों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया जा रहा है। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर केंद्र सरकार ने पुलिस विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित करने के लिए पदकों की घोषणा की है। इस सूची में ठाणे सेंट्रल जेल की अधीक्षक रानी भोसले और उनके पति, अतिरिक्त अधीक्षक राजाराम भोसले का नाम भी शामिल है। दोनों को राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया जाएगा। गृह मंत्रालय के बयान के अनुसार, इस साल कुल 1,090 पुलिसकर्मियों को विभिन्न श्रेणियों में पदक दिए जा रहे हैं। इनमें 233 को मेडल फॉर गैलेंट्री, 99 को प्रेसिडेंट्स मेडल फॉर डिस्टिंग्विश्ड सर्विस और 758 को मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस से नवाजा जा रहा है। रानी और राजाराम भोसले को एमएसएम श्रेणी में यह सम्मान मिला है।महाराष्ट्र के जेल विभाग से कुल आठ अधिकारियों और कर्मचारियों को इस वर्ष पुलिस पदक दिए जा रहे हैं। इनमें मुंबई सेंट्रल जेल के डिप्टी सुपरिंटेंडेंट गजानन काशीनाथ सरोड़े, मुंबई सेंट्रल जेल के सुबेदार संजय गंगाराम शिवगण, हवलदार सुधाकर ओंकार चव्हाण, बायकुला जिला जेल के कांस्टेबल राजेश माधवराव सावंत, बायकुला जिला जेल के कांस्टेबल संजय सदाशिव जाधव और कोल्हापुर सेंट्रल जेल की जेल कांस्टेबल विद्या भारत धेंबरे शामिल हैं। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सुहास वर्के ने कहा कि यह सम्मान इन सभी अधिकारियों की ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और उत्कृष्ट कार्यशैली का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि इन पदक विजेताओं की सेवा भावना ने पूरे विभाग के लिए एक नया मानक स्थापित किया है।

विधायक ने कहा मतदाता का नाम सूची से हटाना उसके संवैधानिक अधिकार का हनन

एसआईआर के विरोध को लेकर बैठक, विधायक ने मतदाता सूची से नाम विलोपन पर साधा निशाना

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 24 स्थित ठाकुर लोहार की गली में गुरुवार को एसआईआर के विरोध और भविष्य की रणनीति को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। इस बैठक की अध्यक्षता स्थानीय विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने की। बैठक में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी, जनप्रतिनिधि और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक के दौरान विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने बिहार में मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के मामले पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में 65.5 लाख मतदाताओं के नाम सूची से विलोपित कर दिए गए हैं, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि यह कदम स्पष्ट रूप से चुनाव में धांधली कर सत्ता हासिल करने की साजिश को दशार्ता है। मतदाता का नाम सूची से हटाना उसके संवैधानिक अधिकार का हनन है और हम इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे।

लड़ेंगे मतदाताओं की लड़ाई

लोगों ने प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े किए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। बैठक के अंत में विधायक ने आश्वासन दिया कि वे इस मामले की जांच के लिए उच्चस्तरीय कमेटी के गठन की मांग करेंगे और जरूरत पड़ने पर इस मुद्दे को न्यायालय तक भी ले जाएंगे। साथ ही, उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने दस्तावेज तैयार रखें और अपने-अपने वार्ड में मतदाता सूची की जांच अवश्य करें, ताकि किसी को भी अपने अधिकार से वंचित न किया जा सके। इस मौके पर कई पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिन्होंने एकजुट होकर एसआईआर और मतदाता सूची से नाम विलोपन के विरोध में आंदोलन तेज करने का संकल्प लिया। बैठक का संचालन स्थानीय नेताओं ने किया और अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभा समाप्त हुई।

कई लोगों के नाम सूची से गायब

विधायक ने कहा कि यह सिर्फ एक प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि योजनाबद्ध तरीके से किया गया षड्यंत्र है, जिसका मकसद आम जनता की आवाज को दबाना और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करना है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे इस मुद्दे को विधानसभा से लेकर सड़क तक जोरदार तरीके से उठाएंगे। विधायक ने कहा कि बिहार का हर पात्र मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके, यह सुनिश्चित करना ही उनका संकल्प है। जब तक एक-एक मतदाता को उसका अधिकार वापस नहीं मिलता, तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा। यह सिर्फ राजनीतिक लड़ाई नहीं, बल्कि लोकतंत्र और न्याय की रक्षा की लड़ाई है। बैठक में मौजूद स्थानीय लोगों ने भी अपनी समस्याएं विधायक के सामने रखीं और आरोप लगाया कि कई ऐसे परिवार हैं, जिनके सभी सदस्यों के नाम मतदाता सूची से गायब हो गए हैं, जबकि वे वर्षों से यहां निवास कर रहे हैं।

कमल नगर की नालियां बनीं रोग का घर नगर परिषद की चुप्पी से मोहल्लेवासी नाराज

- वार्ड 18 में महीनों से सफाई ठप, डेंगू-मलेरिया का खतरा बढ़ा, लोग आंदोलन की तैयारी में

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद के वार्ड 18 स्थित कमल नगर मोहल्ले में नालियों की सफाई महीनों से नहीं होने के कारण लोगों का जीना मुहाल हो गया है। पहले से ही अवरुद्ध पानी का बहाव अब पूरी तरह रुक चुका है, जिससे नालियों में जमा पानी व कचरा सड़कर काला पड़ गया है। उठती दुर्गंध से मोहल्लेवासी परेशान हैं और संक्रामक बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है।

संक्रामक बीमारी का बढ़ा खतरा

मोहल्ले के लोगों का कहना है कि नाली में जमा गंदा पानी मलेरिया, डेंगू और टाइफाइड जैसी बीमारियों का घर बन चुका है। बरसात के मौसम में मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है और अगर समय रहते सफाई नहीं हुई, तो किसी भी दिन बीमारी का विस्फोट हो सकता है। स्थानीय निवासी दशरथ राय, धीरज ठाकुर, अनिल कुमार, संतोष सिंह और नारदमुनी बताते हैं कि कई बार नगर परिषद प्रशासन को नालियों की सफाई और जल निकासी के लिए लिखित और मौखिक आग्रह किया गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

बरसात में खतरा और बढ़ा :
बरसात का मौसम गंदगी और जलजमाव की समस्या को और गंभीर बना देता है। नाली में पानी के ठहरने से न केवल मच्छरों का प्रजनन बढ़ता है, बल्कि यह भूमिगत जल को भी प्रदूषित कर सकता है। डॉक्टरों का कहना है कि ऐसी स्थिति में छोटे बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक खतरा होता है, क्योंकि उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है। मोहल्लेवासियों ने तत्काल नालियों की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था की मांग की है। वहीं, नियमित सफाई के लिए स्थायी टीम की तैनाती करने की मांग की है।

कमल नगर की यह समस्या केवल एक वार्ड की कहानी नहीं, बल्कि नगर परिषद की व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। जब वीआईपी इलाकों में यह हाल है, तो अन्य वार्डों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। मोहल्लेवासी अब इंतजार की सीमा पार कर चुके हैं और अगर जल्द समाधान नहीं हुआ, तो यह मामला जनआंदोलन का रूप ले सकता है।

वीआईपी मोहल्ला, लेकिन सुविधाएं शून्य

गौरतलब है कि कमल नगर शहर के वीआईपी मोहल्लों में गिना जाता है। यहां अधिकतर लोग सरकारी या निजी नौकरियों में कार्यरत हैं और समय पर होल्डिंग टैक्स समेत अन्य कर नगर परिषद को देते हैं। इसके बावजूद सफाई व्यवस्था के नाम पर हर महीने लाखों रुपये खर्च करने वाली डुमरांव नगर परिषद का ध्यान इस मोहल्ले की ओर नहीं है।स्थानीय निवासियों का कहना है कि नगर परिषद की यह लापरवाही केवल असुविधा नहीं, बल्कि लोगों की जान के लिए खतरा है। ह्नहम टैक्स समय पर भरते हैं, लेकिन बदले में हमें गंदगी और बीमारी मिल रही है,ह्व मोहल्लेवासी नाराजगी जताते हैं।

नगर परिषद की उदासीनता पर सवाल

कमल नगर में गंदगी की समस्या कोई नई नहीं है, लेकिन इस बार हालात ज्यादा गंभीर हैं। सफाई कर्मचारियों की तैनाती के बावजूद नियमित सफाई कार्य न होने पर लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर सफाई बजट का उपयोग कहां हो रहा है। मोहल्लेवासियों का कहना है कि यह मामला अब सिर्फ सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही और पारदर्शिता का भी है।

आंदोलन की चेतावनी

बढ़ते आक्रोश के बीच कमल नगर के लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र सफाई कार्य शुरू नहीं हुआ, तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने कहा कि नगर परिषद को लिखित ज्ञापन सौंपा जाएगा और यदि फिर भी कार्रवाई नहीं हुई, तो सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया जाएगा।

विधायक ने किया प्लस टू उच्च विद्यालय सोवां का औचक निरीक्षण

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा क्षेत्र के दौरे के दौरान स्थानीय विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने गुरूवार को प्लस टू उच्च विद्यालय सोवां का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की भौतिक स्थिति, छात्रों के लिए उपलब्ध सुविधाएं, और शिक्षक-शिक्षिकाओं की कार्यप्रणाली का बारीकी से अवलोकन किया।निरीक्षण के दौरान विधायक ने कक्षाओं, पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं और खेलकूद की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने छात्रों से बातचीत कर पढ़ाई से जुड़ी समस्याओं और सुविधाओं की स्थिति के बारे में जानकारी ली। शिक्षकों से भी संवाद कर उनकी कार्यशैली और शिक्षण पद्धति के बारे में विचार-विमर्श किया।विधायक ने कहा कि उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक विद्यालय में उच्चतम स्तर की शिक्षा उपलब्ध हो और छात्रों को एक ऐसा वातावरण मिले, जिसमें वे अपने सपनों को साकार कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा व्यवस्था में किसी तरह की कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आवश्यक सुधार के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता और शिक्षा के स्तर पर कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आईं। विधायक ने आश्वासन दिया कि जो भी कमियां पाई गई हैं, उन्हें जल्द से जल्द दूर किया जाएगा। उन्होंने शिक्षकों और छात्रों से आह्वान किया कि वे शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

डुमरांव में एक पेड़ मां के नाम बैनर तले तिरंगा यात्रा आयोजित

केटी न्यूज/डुमरांव

हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत गुरुवार को छठीया पोखरा, डुमरांव के प्रांगण से ह्यएक पेड़ मां के नामह्न बैनर तले भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में तरु मित्र उमेश गुप्ता रौनियार, ग्रीन एंबेसडर बिहार, भूगोल प्रवक्ता सुमित्रा, योग प्रशिक्षक डॉ. संजय कुमार सिंह, शिक्षक बिमलेश कुमार सिंह, भरत सोनार, मुन्ना ठाकुर, डिंपल ठाकुर, दीपक कुमार यादव, मुन्ना राय, भंवर गोस्वामी, बिहारी कमकर, संतोष कुमार समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए। यात्रा छठीया पोखरा से प्रारंभ होकर चौक रोड होते हुए पुनः छठीया पोखरा पर समाप्त हुई। इस दौरान प्रतिभागियों के हाथों में तिरंगा और देशभक्ति के नारों से वातावरण गूंजता रहा। ग्रीन

एंबेसडर उमेश गुप्ता रौनियार ने इस अवसर पर कहा कि देश के नाम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए, क्योंकि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ा उपहार होगा। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को देशभक्ति से जोड़ते हुए लोगों को पौधारोपण के लिए प्रेरित किया। वहीं, योग प्रशिक्षक डॉ. संजय कुमार सिंह ने कहा कि 15 अगस्त को हर घर पर तिरंगा लहराना है और देश की शान को बढ़ाना है। उन्होंने लोगों से इस राष्ट्रीय पर्व को उत्साह और गर्व के साथ मनाने का आह्वान किया। तिरंगा यात्रा के दौरान स्थानीय नागरिकों में देशभक्ति का जोश देखने लायक था। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान को बढ़ावा देना था, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता का संदेश भी देना था।

चौंगाई में जीविका दीदियों को मिला सिलाई प्रशिक्षण, आत्मनिर्भरता की ओर कदम

केटी न्यूज/चौंगाई

प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत जीविका प्रखंड परियोजना क्रियान्वयन इकाई के द्वारा गुरुवार को एकदिवसीय सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य जीविका दीदियों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाना है। कार्यक्रम का उद्घाटन बीपीएम संजीव कुमार ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कार्यक्रम की अध्यक्षता भी की, जबकि मंच संचालन क्षेत्रीय समन्वयक मोहम्मद याकूब ने किया। प्रशिक्षण में दीदियों को सिलाई के बुनियादी कौशल सिखाए गए, ताकि वे इसे आय के साधन के रूप में अपना सकें। बीपीएम संजीव कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि यह प्रशिक्षण न केवल दीदियों को एक नया हुनर प्रदान करेगा, बल्कि उनके आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक ठोस कदम साबित होगा।

उन्होंने बताया कि आने वाले समय में प्रशिक्षित दीदियां प्रखंड के बच्चों के लिए स्कूल यूनिफॉर्म तैयार करेंगी, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और बाजार पर निर्भरता घटेगी। सीएलएफ सविता देवी ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण ग्रामीण महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव लाते हैं। इससे महिलाएं घर बैठे आय अर्जित कर सकती हैं और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधार सकती हैं। सामुदायिक समन्वयक रंजीत कुमार ने भी प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला और दीदियों को लगातार सीखते रहने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर शांति देवी, गीत देवी सहित दर्जनों जीविका दीदियां मौजूद रहीं। सभी प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण में सक्रिय भागीदारी की और नई तकनीकों को ध्यानपूर्वक सीखा। प्रशिक्षण के अंत में प्रतिभागियों ने आशा व्यक्त की कि इस पहल से न केवल उनकी आय में वृद्धि होगी, बल्कि समाज में महिलाओं की भूमिका और मजबूत होगी। कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों और प्रशिक्षकों ने भरोसा जताया कि यह पहल दीदियों के आत्मविश्वास को बढ़ाएगी और उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता की ओर ले जाएगी।

एक नजर

नावानगर में सोनाचूर की खेती पर किसान पाठशाला कम लागत में अधिक लाभ के सिखाए गुर

नावानगर। कृषि प्रोधोगिकी अभिकरण बक्सर के अंतर्गत खरीफ फसल में सोनाचूर के खेती पर गुरुवार को नावानगर प्रखंड के रुपसागर गांव में किसान पाठशाला का आयोजन किया गया। पाठशाला में प्रशिक्षक अशोक कुमार सिंह ने किसानों को प्रशिक्षण दिया। मौके पर उप परियोजना निदेशक आत्म बक्सर एवं अनुमंडल कृषि पदाधिकारी डुमराव द्वारा उपस्थित कृषक को कम लागत में अधिक लाभ अर्जन का गुण पर टिप्स दिया। धान की खेती के साथ साथ अन्य खेती में लगने वाले रोग व्याधि से होने वाली नुकसान से बचाव का उपाय किसानों को बताया गया। उक्त फसल के संदर्भ में जीआई टैग पर भी चर्चा किया गया। उप परियोजना निदेशक आत्मा बक्सर द्वारा बताया गया कि पाठशाला में भाग ले रहे किसान भी अपने स्तर से संध्या चौपाल, चाय पर चर्चा के दौरान अन्य किसान को जानकारी देकर सोनाचूर की खेती के बारे बृहद रूप से बता सकते हैं। अनुमंडल कृषि पदाधिकारी के द्वारा भी खेती के बारे में, आत्मा योजना के बारे में समय समय पर परीभर्मण एवं प्रशिक्षण करने की जानकारी दी। पाठशाला की देखरेख सहायक तकनीकी प्रबंधक नावानागर के अंकुर राज ने की। मौके पर प्रखंड तकनिकी प्रबंधक केसठ के भी मौजूद रहे।

राजस्व महाअभियान को सफल बनाने हेतु एसडीएम ने जनप्रतिनिधियों के साथ की बैठक

नावानगर । भूमि विवाद और राजस्व संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए राज्य सरकार द्वारा शुरू किए जा रहे राजस्व महाअभियान की तैयारी को लेकर गुरुवार को स्थानीय प्रखंड के सभागार में बैठक आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता एसडीएम राकेश कुमार ने की। एसडीएम ने बताया कि यह अभियान 16 अगस्त से 20 सितंबर तक चलेगा। इसके तहत किसानों एवं आम लोगों की भूमि संबंधी समस्याओं का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से अपील की कि कोई भी पात्र किसान इस अभियान से वंचित न रहे, इसके लिए सभी पंचायत स्तर पर प्रचार-प्रसार और सहयोग सुनिश्चित किया जाए। बैठक में बीडीओ मनोज कुमार ने सभी पंचायत प्रतिनिधियों को शपथ दिलाई। शपथ में प्रतिनिधियों ने ईमानदारी, निष्ठा और पूरी सच्चाई के साथ किसानों के हित में कार्य करने, गांव-गांव जाकर उनसे संपर्क साधने और सरकार की इस पहल को सफल बनाने का संकल्प लिया। प्रमुख अंकित कुमार ने कहा कि अभियान के दौरान गांवों में व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आगे आएं। उन्होंने बताया कि राजस्व महाअभियान न केवल भूमि विवाद निपटाने में मदद करेगा, बल्कि लोगों के सरकारी रिकॉर्ड को भी अद्यतन करने का एक बड़ा अवसर है।बैठक में सभी 16 पंचायतों के मुखिया, उपमुखिया, सरपंच, पंच, प्रखंड एवं अंचल के अधिकारी-कर्मी मौजूद रहे। अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों से आपसी समन्वय के साथ अभियान को सफल बनाने की अपील की।

कार्यक्रम का संचालन मिथिलेश पासवान की देखरेख में हुआ, चयनित किसानों ने लिया भाग

जयरामपुर में किसान पाठशाला आयोजित, सोनाचूर धान के बारे में किसानों को दी गई जानकारी

केटी न्यूज/केसठ

अभिकरण आत्मा बक्सर के कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध तत्वावधान में गुरुवार को केसठ प्रखंड के रामपुर पंचायत अंतर्गत जयरामपुर गांव में सोनाचूर धान की उन्नत खेती पर आधारित पाठशाला का आयोजन किया गया। जिसका संचालन मिथिलेश पासवान की देखरेख में हुआ। कार्यक्रम में चयनित किसानों ने भाग लिया। जिनके बीच सोनाचुर धान की खेती से संबंधित नवीनतम तकनीकी एवं वैज्ञानिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बक्सर से उप परियोजना निदेशक रणधीर कुमार, सहायक निदेशक (शष्य) प्रक्षेत्र शालिग्राम सिंह, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक डॉ प्रफुल्ल कुमार, लेखपाल प्रफुल्ल कुमार, किसान सलाहकार अमरेंद्र प्रसाद, विजय कुमार, रितेश कुमार आदि मौजूद रहे। आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को प्रशिक्षित करना। ताकि उनकी पैदावार मैं बढ़ोतरी हो तथा गुणवत्ता में सुधार हो। तकनीकी सत्र में सोनाचुर धान की खेती के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। सबसे पहले मिट्टी की जांच के महत्व को समझाया गया। जिससे किसान यह तय कर सकते हैं कि उनकी भूमि में कौन से पोषक तत्वों की कमी या जरूरत है। इसके बाद बीज उपचार की विधि के बारे में जानकारी दी गई। जिससे बीज रोगों से वंचित रहे और अंकुरण प्रतिशत बढ़े। साथ ही पोषक तत्व प्रबंधन पर विशेष फोकस दिया गया। जैसे नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश की सही मात्रा एवं संतुलित उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारियां दी गई। कहा गया कि सही समय पर तथा सही मात्रा में उर्वरक का प्रयोग करने से फसल की वृद्धि अच्छी होती है और उत्पादन बढ़ने में मदद मिलता है। इस तरह से जैविक खाद और हरी खाद के प्रयोग के बारे में कहा गया। इस तरह से किसानों को संबंधित कई जानकारियां प्राप्त कराई गई। कार्यक्रम का मंच संचालन प्रखंड तकनीकी प्रबंधक डॉ प्रफुल्ल कुमार द्वारा किया गया। मौके पर हरेंद्र पांडेय, शिवजी पांडे, शिव शंकर पांडे, दीनानाथ पासवान, श्री भगवान पासवान, रमून पासवान, बरमेश्वर पांडे, अवधेश पासवान, विनोद पासवान, राजू शर्मा, राम आशीष शर्मा सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

शिक्षा जगत में माफिया मॉडल पर काम कर रहे है अजय व अरविंद

- जिला शिक्षा कार्यालय में धाक जमाने वाले अजय व अरविंद पर दर्ज हैं कई गंभीर मामले
- रंगदारी, धमकी, सरकारी कार्य में बाधा और ब्लैकमेलिंग जैसे आरोपों में घिरे आरोपित

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में शिक्षा जगत को कलंकित करने वाले तथाकथित दलाल अजय कुमार सिंह और अरविंद कुमार सिंह पर दर्ज मामलों की लंबी फेहरिस्त सामने आई है। दोनों पर रंगदारी, जान से मारने की धमकी, ब्लैकमेलिंग और सरकारी कार्य में बाधा डालने जैसे गंभीर आरोप हैं। इनके खिलाफ कई थानों में नामजद प्राथमिकी दर्ज है, जिनमें से कुछ मामलों में पुलिस गिरफ्तारी भी कर चुकी है। हालांकि, फिलहाल दोनों बेल पर है, बावजूद इनकी हरकतें कम नहीं हुई है।

जिला शिक्षा कार्यालय व सिमरी, ब्रह्मपुर, चक्की व डुमरांव के अधिकारी व शिक्षकों पर ऐनकेन प्ररकेण तरीके से दबाव बनाकर अपना काम निकलवाते है। आरोप है कि ये दोनों शिक्षा जगत में माफिया मॉडल पर काम करते हैं। पुलिस रिकार्ड में कई मामले दर्ज है। उनमें एक मामला सिमरी निवासी तिलकधारी पांडेय का भी है। उन्होंने सिमरी थाने में 20 जनवरी 2023 को आवेदन दे आरोप लगाया था कि अरविंद कुमार सिंह और अजय कुमार सिंह उन्हें ब्लैकमेल कर पैसे की मांग किए है। तिलकधारी के अनुसार 20 जनवरी की दिन 10.13 बजे और 10.16 बजे आए फोन कॉल में धमकी दी गई कि यदि पैसे नहीं दिए गए तो उन्हें जान से मार दिया जाएगा। ये कॉल क्रमशः मोबाइल नंबर 7903714945 और 8210619785 से आए थे। मामले की वजह, अरविंद कुमार सिंह द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी को दिए गए एक आवेदन को लेकर विवाद बताया जा रहा है। वादी तिलकधारी पांडेय ने पुलिस को कई दस्तावेजी साक्ष्य भी उपलब्ध कराए हैं, जिनमें अरविंद कुमार सिंह और अजय कुमार सिंह के खिलाफ पहले से दर्ज शिकायतों और मुकदमों की प्रतियां शामिल हैं। तिलकधारी पांडेय द्वारा पुलिस को जो साक्ष्य उपलब्ध कराए गए है उनमें अरविंद कुमार सिंह द्वारा विभिन्न शिक्षकों के खिलाफ जिला शिक्षा पदाधिकारी और लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी को दिए गए पत्र। कठार मध्य विद्यालय की शिक्षिका संगीता कुमारी द्वारा अजय सिंह सहित अन्य के खिलाफ की गई शिकायतें। कृष्णाब्रह्म थाने में प्राथमिकी दर्ज है।

शिक्षा विभाग के तत्कालीन क्लर्क उपेंद्र नाथ मिश्रा ने अजय कुमार सिंह के खिलाफ पुलिस अधीक्षक को दिया गया आवेदन के अलावे महिला थाना कांड सं. 53/16 (धारा 341, 342, 323, 504, 506, 509, 354, 353, 379, 34, 120बी भा.दं.वि. एवं एससी/एसटी एक्ट) की प्रतियां, जिसमें साक्ष्य के अभाव में अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया था।

ब्रम्हपुर में सुनैना के साथ मारपीट के बाद चर्चा में आये थे अजय सिंह

एक अन्य बड़े मामले में 10 मार्च 2023 को नेहरू स्मारक उच्च विद्यालय, बक्सर के कार्यालय में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना-सह-समग्र शिक्षा) मो. अशरफ के साथ घटना घटी। आरोप है कि अजय कुमार सिंह, अरविंद कुमार सिंह, तारकेश्वर सिंह और तीन अज्ञात लोग कार्यालय में घुस आए और रंगदारी में एक लाख रुपये की मांग की। विरोध करने पर उन्होंने टेबल पर रखी फाइलें फेंक दीं, सरकारी कार्य में बाधा डाली और हथियार दिखाकर जान से मारने की धमकी दी थी।इस संबंध में मो. अशरफ ने नगर थाना में आवेदन दिया, जिस पर नगर थाना कांड सं. 151/23 दिनांक 18 मार्च 2023 दर्ज किया गया। धाराएं 341, 353, 448, 379, 385, 504, 506 भा.दं.वि. के तहत मामला दर्ज हुआ। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने टीम गठित कर सीसीटीवी फुटेज खंगाला और सभी आरोपियों की पहचान की। छापेमारी के दौरान उसी दिन अरविंद कुमार सिंह को उनके घर से गिरफ्तार किया गया, इस मामले में भी दोनों जमानत पर चल रहे है।इसके अलावे वर्ष 2017 में कन्या मध्य विद्यालय ब्रह्मपुर की शिक्षिका रही सुनैना के साथ भी अजय सिंह का विवाद हुआ था, जिसमें दोनों के बीच विद्यालय परिसर में ही

मारपीट भी हुई थी। इस मामले में दोनों के एक दूसरे के खिलाफ ब्रह्मपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराया था। इसका एक फोटो भी वायरल हुआ था। हालांकि, 12 अगस्त 2017 को हुए इस विवाद के बाद किसी को इस बात की जानकारी नहीं मिल सकी कि आखिर अजय सिंह उक्त विद्यालय में क्यों गए थे तथा अजय से से उनके विवाद का क्या कारण था।

एक नजर

दो पत्नी के बीच उलझा रिश्ता, रहस्यमयी हालात में दूसरी पत्नी की मौत, पति व सास गिरफ्तार

बक्सर । सिकरौल थाना क्षेत्र के दीवान के बड़कागांव में दो पत्नियों के बीच उलझी एक वैवाहिक कहानी अब मौत और गिरफ्तारी तक पहुँच गई है। गुरुवार को गोरखपुर की रहने वाली रिया राय की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मायके वालों ने इसे हत्या बताया और पति सत्या पांडेय व सास विद्यावती देवी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, रिया की पहचान सत्या पांडेय से 2021 में सोशल मीडिया पर हुई थी। सत्या मुंबई में नौकरी करता था और वहीं दोनों के बीच प्रेम विवाह हुआ। शादी के बाद रिया को एक बच्ची भी हुई। लेकिन कुछ माह पहले रिया को पता चला कि सत्या की पहले से शादी हो चुकी है और उसकी पहली पत्नी तीन बच्चों के साथ गांव में रह रही है। जानकारी के बावजूद रिया ने पति के साथ गांव में रहने का फैसला किया। बताया जाता है कि लगभग छह-सात महीने पहले सत्या के पिता का निधन हुआ, जिसके बाद वह मुंबई से वापस गांव आ गया। इसी दौरान रिया भी मुंबई छोड़कर बक्सर आ गई और ससुराल में बस गई। गुरुवार को रिया की अचानक मौत हो गई। मायके वालों का आरोप है कि उसकी हत्या की गई, जबकि आरोपी पक्ष का कहना है कि वह पुरानी बीमारी से पीड़ित थी। घटना की सूचना तब सामने आई जब सत्या पांडेय ने सोशल मीडिया पर रिया की मौत का जिक्र किया और गांव के लोगों के साथ उसका अंतिम संस्कार करने बक्सर पहुंच गया। इसी दौरान रिया के भाई और मां बक्सर पहुंचे और सीधे नगर थाने को शिकायत दी। पुलिस ने श्मशान घाट से शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया और फिर मायके पक्ष को सौंप दिया। बयान के आधार पर पति और सास को गिरफ्तार किया गया, जबकि पहली पत्नी को भी आरोपियों की सूची में रखा गया है, हालांकि उसे अभी गिरफ्तार नहीं किया गया है। सिकरौल थानाध्यक्ष ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है, क्या यह बीमारी से हुई मौत थी या हत्या, इसकी पुष्टि सबूतों के आधार पर होगी।

अधिकारियों की अनुपस्थिति नागवार गुजरा बीस सूत्री के बैठक का बहिष्कार

कारकाट। प्रखंड मुख्यालय के सामुदायिक भवन में गुरुवार को बीस सूत्री की बैठक दो बजे आयोजित थी . बैठक में बीडीओ राहुल कुमार सिंह ,जेई, एलईओ समय से मौजूद रहे लेकिन सीओ रितेश कुमार डेढ़ घंटे बाद पहुंचे . बीस सूत्री सदस्य अजीत सिंह ने सीओ से बुढ़वल निवासी नीलेश कुमार पिता ललन कुमार के बारे में पूछा कि आर्थिक रूप से कमजोर (ईडब्ल्यूएस) का तीन डिसमिल जमीन है उसका कैसे 8 एकड़ जमीन शहर में पक्का मकान दिखाकर उसे रिजेक्ट क्यों किया गया तो इस पर सीओ ने सभी सदस्यों से कहा कि ये सब पूछने का अधिकार नहीं हो जो आपका अधिकार है वहीं पूछे . सदस्यों को राजस्व महा शिविर का बात में उलझा कर मामले को टाल दिया गया . इस पर बीस सूत्री सदस्य और भड़क गये. बैठक का बहिष्कार कर दिया गया . बीस सूत्री सदस्यों ने अनुपस्थित अधिकारियों पर कारवाई करने का प्रस्ताव दिया गया . बीस सूत्री सदस्य सुरेश गुप्ता, उपाध्यक्ष आशुतोष सिंह ने कहा कि नगर ईओ, कारकाट थानाध्यक्ष ,कच्छवां थानाध्यक्ष, बीपीआरओ ,पीओ, बीईओ, बीएओ, पीएचइडी , खाद्य आपूर्ति, पशु चिकित्सा विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित कई अधिकारी अनुपस्थि रहे . तीसरी बैठक में लगातार अनुपस्थि रहने पर बैठक का बहिष्कार कर दिया गया. जब बीपीआरओ, पीओ से जानकारी ली गई तो बताया कि जिला के बैठक में शामिल होने के कारण बैठक में शामिल नहीं हुए . मौके पर वीरेंद्र तिवारी, विनोद पासवान, जय शकंर पटेल, रामशंकर सिंह, राजेन्द्र पाल, ज्ञानती देवी, शमशेर आलम, राम नारायण चंद्रवंशी, दिनेश चंद्रवंशी थे

जर्जर तार ने छीनी दो पीढ़ियों की सांस, सिमरी के दुरासन गांव में पिता-पुत्र की करंट से मौत

- ग्रामीणों में आक्रोश, बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप; सुरक्षा मानकों की अनदेखी ने ली मेहनतकश किसान और उसके बेटे की जान

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी थाना क्षेत्र के दुरासन गांव में गुरुवार की शाम हुई दर्दनाक घटना ने पूरे गांव को गहरे शोक में डुबो दिया। खेत में काम करने गए पिता और पुत्र की मौत एक जर्जर बिजली के तार से करंट लगने के कारण हो गई। हादसा इतना अचानक और भयावह था कि देखते-देखते गांव में मातम छा गया।

मृतकों की पहचान गांव के ही 45 वर्षीय अनिल राय और उनके 18 वर्षीय बेटे अनिकेश राय के रूप में हुई। अनिल राय अपने मिलनसार स्वभाव और मेहनती किसान की छवि के लिए गांव में जाने जाते थे। वहीं, उनका बेटा अनिकेश पढ़ाई के साथ खेत में पिता का हाथ बंटाता था। गुरुवार को भी दोनों रोजाना की तरह खेत पर गए थे, लेकिन वहां छिपा हुआ खतरा उनकी प्रतीक्षा कर रहा था।

गांव में पसरा मातम

हादसे की खबर मिलते ही पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया। अनिल राय का परिवार आर्थिक रूप से खेतों पर निर्भर था, और बेटे के साथ उनकी एक ही उम्मीद थी, बेहतर भविष्य। लेकिन एक पल की लापरवाही ने दोनों पीढ़ियों को समाप्त कर दिया। महिलाएं बिलख रही थीं, बुजुर्ग आंसू पोंछते हुए बिजली विभाग को कोस रहे थे। गांव के बुजुर्ग किसान गणेश राय ने कहा कि हमने कई बार अधिकारियों से कहा कि तार बदल दे, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। अब दो लोगों की जानक चली गई, क्या अब विभाग जागेगा।

हादसे का सिलसिला

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, खेत के किनारे से एक पुराना और झुका हुआ बिजली का तार गुजर रहा था, जिसकी हालत लंबे समय से खराब थी। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार बिजली विभाग को इसकी शिकायत की गई थी, लेकिन मरम्मत नहीं हुई। गुरुवार शाम अचानक उस तार में तेज धारा प्रवाहित हो गई और वह खेत में गिरकर पानी वाली मिट्टी से संपर्क में आ गया। अनजाने में अनिल और अनिकेश उसकी चपेट में आ गए।

जैसे ही दोनों करंट से तड़पते हुए गिरे, आसपास काम कर रहे लोग चीखने-चिल्लाने लगे। ग्रामीणों ने दौड़कर उन्हें लकड़ी के डंडे से अलग किया और तत्काल जिला मुख्यालय अस्पताल पहुंचाया। लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया।

प्रशासन और पुलिस की कार्रवाई

थानाध्यक्ष ज्योति कुमारी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है और शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस ने इस मामले में आवश्यक रिपोर्ट तैयार कर ली है।

बिजली विभाग पर उठा सवाल

ग्रामीणों ने बिजली विभाग की लापरवाही को सीधा-सीधा जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि गांव में कई जगहों पर तार पुराने और खतरनाक स्थिति में लटक रहे हैं, जो कभी भी हादसे का कारण बन सकते हैं। ग्रामीणों की मांग है कि विभाग तत्काल गांव के सभी जर्जर तार बदलने की कार्रवाई करे, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदी न हो।

सबक और चेतावनी

यह हादसा सिर्फ दुरासन गांव के लिए नहीं, बल्कि उन सभी इलाकों के लिए चेतावनी है जहां बिजली के तार जर्जर हालत में हैं। सुरक्षा मानकों की अनदेखी और समय पर मरम्मत न करना, ऐसी घटनाओं को न्योता देता है। एक छोटी सी लापरवाही ने यहां एक परिवार का वजूद मिटा दिया, अब सवाल है कि कब तक ऐसी घटनाएं होती रहेंगी और जिम्मेदार सिर्फ आश्वासन देकर बच निकलेंगे।

डुमरांव विधान सभा क्षेत्र की समस्त देवतुल्य जनता को स्वतंत्रता दिवस और कृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई

विनोद राय
प्रदेश महासचिव
जदयू, बिहार प्रदेश

1947 के विभाजन के शहीदों और विस्थापित परिवारों की याद में भावपूर्ण श्रद्धांजलि, युवाओं ने एकता व भाईचारे का संकल्प लिया

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर डुमरांव में दीप प्रज्वलन, शहीदों व पीड़ितों को नमन

केटी न्यूज/डुमरांव

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर डुमरांव के शहीद स्मारक पार्क में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का आयोजन गरिमामय और भावपूर्ण माहौल में किया गया। कार्यक्रम में नगर के नागरिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, युवा कार्यकर्ता और स्थानीय नेता शामिल हुए। दीप प्रज्वलित कर 1947 के विभाजन में शहीद हुए लाखों लोगों, विस्थापित परिवारों और पीड़ा सहने वाली माताओं-बहनों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की शुरूआत मौन श्रद्धांजलि और दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद वक्ताओं ने विभाजन के ऐतिहासिक पहलुओं, उसके सामाजिक और मानवीय प्रभावों पर

विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने बताया कि 1947 का विभाजन केवल सीमाओं का बदलाव नहीं था, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन को झकझोर देने वाली त्रासदी थी। लाखों परिवारों को घर-बार छोड़कर शून्य से अपना जीवन बसाना पड़ा, जबकि हजारों महिलाओं को अपमान और अत्याचार का सामना करना पड़ा। भाजपा युवा मोर्चा के बिहार प्रदेश सह-संयोजक दीपक कुमार यादव ने कहा कि विभाजन केवल इतिहास की घटना नहीं, बल्कि लाखों परिवारों की पीड़ा और बलिदान की गाथा है। हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस स्मृति को जीवित रखें और नई पीढ़ी को इतिहास की सच्चाई से परिचित कराएं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे देश की अखंडता और भाईचारे को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और सहिष्णुता, एकता व मानवता की भावना को मजबूत करें। युवा नेता अभिषेक रंजन, संटू मित्रा और राजा यादव ने भी अपने संबोधन में विभाजन के मानवीय संकट और पुनर्वास की कठिनाइयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि लाखों लोगों को अपनी जड़ों से उखाड़कर नए सिरे से जीवन शुरू करना पड़ा, जो साहस और संघर्ष का अद्वितीय उदाहरण है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि वे शहीदों और पीड़ितों की स्मृति को अपने जीवन और कार्यों के माध्यम से जीवित रखेंगे और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रयासरत रहेंगे। वक्ताओं ने यह भी कहा कि स्मृति दिवस केवल अतीत को याद करने का अवसर नहीं है, बल्कि वर्तमान में एकता, जिम्मेदारी और मानवीय मूल्यों को अपनाने का प्रेरक क्षण है। मौके पर चुनमुन प्रसाद वर्मा, संजय सिंह, विपिन सिंह, विष्णु सोनी, अभिषेक चौरसिया, राहुल सूर्यवंशी, विकास कुमार, धीरज कुमार और रिंकू कुमार सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सेवा में परम्परा के साथ....
स्थापना:- 2007
12A No.-AAJAR215HE20221
80G No.-AAJAR215HF20221
रूद्रसागर सेवा संस्थान
निबंधन संख्या- S000748/2017-2018
खिरौली, डुमरांव (बक्सर)- 802136
मो0: 9434588106, 9576473497, 9431681383
Email: rudrasagardumraon@gmail.com
Note:- आपके द्वारा दिया गया दान इनकम टैक्स की धारा 80G के तहत छूट प्राप्त है।

देशभक्ति के जज्बे और एकता के संदेश में निकाली गई तिरंगा यात्रा: राघवेन्द्र प्रताप सिंह

बड़हरा विधायक के नेतृत्व में बबुरा से जमालपुर तक सैकड़ो मोटरसाइकिल से तिरंगा यात्रा निकाली गई।

केटी न्यूज/आरा

देशभक्ति के जज्बे और एकता के संदेश के साथ आज गुरुवार को निकाली गई तिरंगा यात्रा ने लोगों के दिलों में नया जोश भर दिया। बड़हरा विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में इस यात्रा की शुरूआत बबुरा दुर्गा मंदिर से शुरू हुई और अंबिका शरण सिंह हाई स्कूल जमालपुर में समाप्त हुई। इस यात्रा में सैकड़ों लोग हाथों में तिरंगा थामे देशभक्ति के नारों के साथ शामिल हुए। बाइक पर बैठकर सुबह से ही हाथों में तिरंगा थामे बड़ी संख्या में युवा तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। पूरे रास्ते में भारत माता की जय, वंदे मातरम और जय हिंद के नारों से माहौल गूंज उठा। इस यात्रा में बड़हरा विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह भी बाइक चलाते हुए यात्रा का नेतृत्व करते रहे। वहीं यात्रा के बाद राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि तिरंगा हमारे गर्व और एकता का प्रतीक है, और इस यात्रा का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रप्रेम की भावना को और मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि तिरंगा सिर्फ एक झंडा नहीं, बल्कि हमारे देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे देश की एकता और अखंडता बनाए रखने में अपना योगदान दें। राघवेंद्र प्रताप सिंह की अगुवाई में निकाली गई इस तिरंगा यात्रा ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि जब बात देश की शान की हो, तो हर दिल तिरंगे के रंग में रंग जाता है।

तिरंगा यात्रा में संजय कुमार सिंह,धनंजय तिवारी,शुभम पांडेय,धीरज सिंह,टुनटुन बिंद,संजय कुशवाहा, दीपक तिवारी, रंजीत गुप्ता, संतोष सिंह संटु,संदीप सिंह,मुकेश सिंह,नवीन सिंह,बबुरा मुखिया राहुल कुमार, राजापुर मुखिया अर्जुन सिंह,मनोज सिंह,हरिहर सिंह,रघुवीर सिंह,निशांत कुमार, विवेक कुमार, रौशन कुमार आदि सैकड़ो लोग शामिल थे।

जमालपुर हाई स्कूल के पास तिरंगा यात्रा पहुंचने पर स्कूल के छात्रो द्वारा फूल वर्षा कर स्वागत किया गया।

भोजपुर में भाजपा ने विभाजन विभिषिका दिवस के अवसर पर किया गया संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन

- भाजपा भोजपुर द्वारा आरा शहर मे तिरंगा यात्रा निकाली गई

केटी न्यूज/ आरा

भारतीय जनता पार्टी द्वारा 14 अगस्त को विभाजन विभिषिका दिवस के रूप मे मनाया जाता है। उक्त अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गा राज की अध्यक्षता मे जेल रोड स्थित जैन धर्मशाला सभागार मे एक संगोष्ठी कार्यक्रम किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता आरा विधायक अमरेन्द्र प्रताप सहि ने कहा कि पूरा देश 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाता है,लेकिन ठीक एक दिन पहले 14 अगस्त के मध्य रात्री को देश के साथ किया हुआ, लोग उसे भुलते जा रहे थे। भारतीय जनता पार्टी की सरकार जब केन्द्र मे आयी तब से इस दिन को हम विभाजन विभिषिका दिवस के रूप मे मनाते है। आखिर क्या परिस्थिति थी कि हमे देश को धर्म के नाम पर दो भाग करना पड़ा।आखिर इसके जिम्मेदार कौन है? क्या हम बालक खुदीराम को फाँसी पर लटके भुल गए।क्या हम लाखो देश के लिए शहीद हुए स्वतंत्रता सेनानियों को भूल गए। आज वर्तमान इतिहास से माँग रहा है जवाब।आज का दिन हमारे देश के लिए शर्म की बात है।हम इसे याद इस लिए करते है क्योकि आज का पीढी भुलता जा रहा है कि हमे आजादी किस किमत पर मिला है। अन्य वक्ताओं मे पूर्व विधायक संजय सहि टाइगर,कौशल कुमार विद्यार्थी,जिलाध्यक्ष दुर्गा राज ने कहा कि धर्म के नाम पर बंटे देश के दो टुकड़े हुए।1947 मे पाकिस्तान मे 20 प्रतिशत हिन्दु और भारत मे लगभग छह प्रतिशत मुस्लमान थे और आज पाकिस्तान मे लगभग एक प्रतिशत हिन्दु और भारत मे 14 प्रतिशत से अधिक मुस्लमान हो गए। पाकिस्तान मे हिन्दू असुरक्षित और भारत मे मुस्लमान सुरक्षित है। हमे आज के दिन को जरूर याद करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष विभु जैन और धन्यवाद ज्ञापन मंडल अध्यक्ष हैप्पी तिवारी ने किया। उक्त अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष और बुद्धिजीवी लोग शामिल थे।

आरा जेल रोड से रमना मैदान तक निकाली गई तिरंगा यात्रा

भारतीय जनता पार्टी भोजपुर द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा पैदल मार्च जेल रोड स्थित जैन धर्मशाला से सैकड़ो कार्यकताओं और आम जनता के हाँथो मे राष्ट्रीय झंडा तिरंगा के साथ शान से तिरंगा यात्रा निकला। कार्यक्रम मे शामिल जिलाध्यक्ष दुर्गा राज,आरा विधायक अमरेन्द्र प्रताप सिंह,पूर्व विधायक संजय सिंह टाईगर, वरिष्ठ नेता कौशल विद्यार्थी कार्यक्रम संयोजक सह जिला उपाध्यक्ष रामदिनेश यादव, विभु जैन, ममता सिंह, संतोष चंद्रवंशी, हरेन्द्र पांडेय,सूर्यकांत पांडेय, नरेन्द्र तिवारी, महेश पासवान, राजेन्द्र तिवारी, प्रहलाद राय,विद्यासागर पांडेय ,ज्योति कुशवाहा, धनंजय तिवारी, मधु मिश्रा, लव पांडेय, चुन्नी देवी,संजय कुमार सिंह, हैप्पी तिवारी, धीरज सिंह, श्रीभगवान सिंह, भिखारी सिंह,रौंविन कुशवाहा, अशोक सिंह, विवेक कुशवाहा, संतोष केसरी, मुन्ना सिंह, विजय सिंह आदि सैकड़ो लोगो के हाँथो मे तिरंगा के साथ यात्रा गोपाली चौक होते हुए रमना मैदान तक भारत माता की जय, वंदेमातरम, स्वतंत्रता सेनानी अमर रहे आदि नारो के साथ देशभक्ति का जज्बा लिए समाप्त हुआ।

मध्याह्न भोजन में छिपकली गिरने के मामले में प्रधानाध्यापक व शिक्षिका निलंबित

केटी न्यूज/ पीरो

प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय खननीकलां में पिछले दिनों मध्याह्न भोजन में छिपकली गिरने से बच्चों के बीमार होने के मामले में विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक व एक शिक्षिका को निलंबित करते हुए विभागीय कार्यवाही के अधीन रखा गया है. बतादें कि मध्य विद्यालय खननी कलां में एनजीओ द्वारा उपलब्ध कराए गए मध्याह्न भोजन को खाने के बाद लगभग 50 बच्चे बीमार हो गए थे.जिन्हें तत्काल अस्पताल में दाखिल कराना पड़ा था.जांच के क्रम में पाया गया कि जिस मध्याह्न भोजन को खाने के बाद बीमार हुए थे उसमें मरी हुई छिपकली गिरी थी.इस मामले में विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक गुप्तेश्वर राम व एक अन्य शिक्षिका रंभा कुमारी को दोषी मानते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है.जिला शिक्षा पदाधिकारी मानवेन्द्र कुमार राय के निर्देश पर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना रमेश पाल द्वारा निलंबन की यह कार्रवाई की गई है। एनजीओ पर कार्रवाई कबइस मामले में शिक्षा विभाग द्वारा संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापक और एक शिक्षिका के विरुद्ध की गयी करवाई को लेकर तरह तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं.जिस भोजन में छिपकीली मिली थी और जिसको खाने से स्कूली बच्चे बीमार हुए थे,इस भोजन की आपूर्ति एनजीओ द्वारा की गई थी.ऐसे में संबंधित एनजीओ के खिलाफ करवाई करने के बजाय विद्यालय के प्रधानाध्यापक और शिक्षिका को निलंबित किया जाना अधिकारियों की मंशा पर सवाल खड़ा कर रहा है।

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ बलिराम मिश्रा के नेतृत्व में चला स्वच्छता अभियान

काराकाट। काराकाट विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत अशोक चक्र विजेता गरुण कमांडो अमर शहीद ज्योति प्रकाश निराला के पैतृक गांव काराकाट प्रखंड के बदिलाडीह स्मृतिद्वार एवं प्राथमिक विद्यालय परिसर में स्थित उनके स्मृति स्थल और आसपास भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ बलिराम मिश्रा अपने टीम के साथ स्वच्छता अभियान चलाया गया । इस अवसर पर भाजपा के पदाधिकारीगण, ग्रामीणजन एवं शहीद के परिवारजन की उपस्थिति में शहीद को याद किया गया तथा उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई । उक्त अवसर पर डॉ मिश्रा ने कहा कि वीर शहीद की स्मृतियां सदैव अमर रहेंगी एवं उनका बलिदान हमारी प्रेरणा है । उसके उपरांत डॉ मिश्रा ने अमर शहीद ज्योति प्रकाश निराला के परिवारजनों से भेंटकर उनके चाचा सुरेंद्र प्रकाश सिंह एवं सुदर्शन सिंह और बिक्रमगंज प्रखंड के घुसियां कला के अमर शहीद खुर्शीद आलम की माता रुखसाना खातून सहित परिवारजनों को सम्मानित किया । इस अवसर पर भाजपा के पदाधिकारी जिला प्रवक्ता नवीन चंद्र साह,वार्ड पार्षद सुरेश माली,नवीन झा,लाल बिहारी चौधरी, सुचित यादव एवं अन्य पदाधिकारी व ग्रामीण लोग उपस्थित रहे ।

काराकाट में भाजयुमो के नेतृत्व में विशाल तिरंगा बाइक रैली,देशभक्ति के नारों से गूंजा माहौल

केटी न्यूज/ काराकाट

काराकाट प्रखंड मुख्यालय के गोड़ारी प्रांगण स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक परिसर से गुरुवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) जिलाध्यक्ष रितेश राज के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान के तहत विशाल तिरंगा बाइक रैली निकाली गई। रैली की शुरूआत संविधान निमार्ता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई । इस मौके पर सैकड़ों की संख्या में भाजपा नेता,कार्यकर्ता और युवा तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। हाथों में तिरंगा थामे, "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम" के नारों से पूरा इलाका देशभक्ति के रंग में रंग गया। तिरंगा यात्रा गोड़ारी से मुख्य मार्ग होते हुए बिक्रमगंजझडिहरी रोड,काराकाट बाजार और संत शरण पब्लिक स्कूल के सामने पहुंची,जहां स्कूली बच्चों ने भी हाथों में तिरंगा लहराकर और देशभक्ति के नारे लगाकर रैली का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद काफिला तेंदुनी चौक,संझौली और नोखा होते हुए मुख्यालय वापस लौटा,जहां रैली का समापन हुआ ।कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक राजेश्वर राज ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि तिरंगा हमारा गौरव और एकता का प्रतीक है,इसे घर-घर फहराकर हम अपनी राष्ट्रीय एकजुटता का संदेश दें। मौके पर कई गणमान्य व्यक्ति और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

चेहल्लुम व जन्माष्टमी पर शांति-व्यवस्था को 169 दंडाधिकारी व पुलिस बल की तैनाती

- चेहल्लुम और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर शांति एवं विधि व्यवस्था बनाए रखने तथा आपसी समरसता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारियों के साथ ब्रीफिंग आयोजित की गई

केटी न्यूज/आरा

जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में चेहल्लुम और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर शांति एवं विधि व्यवस्था बनाये रखने तथा आपसी समरसता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारियों के साथ ब्रीफिंग की गयी. जिला प्रशासन ने विधि व्यवस्था संधारण के लिए 169 दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की है. जिलाधिकारी ने बताया कि चेहल्लुम का पर्व 14 और 15 अगस्त को तथा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व 16 अगस्त को मनाया जायेगा. चेहल्लुम पर मुस्लिम समुदाय गम मनाता है, कुरान पाठ करता है और कुछ स्थानों पर मोहर्रम की तरह ताजिया-निशान के साथ जुलूस निकालता है. वहीं जन्माष्टमी पर हिंदू समुदाय देर रात तक मंदिरों में पूजा-अर्चना और उत्सव कार्यक्रम आयोजित करता है. मंदिरों और सड़कों पर भीड़ रहती है तथा कई स्थानों पर भगवान श्रीकृष्ण की मूर्तियां स्थापित की जाती हैं. डीएम ने निर्देश दिया कि पर्वों के दौरान असामाजिक, शरारती, सांप्रदायिक, कट्टरपंथी और अफवाह फैलाने वाले तत्वों पर कठोर कार्रवाई की जाये. सभी अनुमंडल पदाधिकारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को संवेदनशील स्थलों पर सतत गश्ती, जुलूस और विसर्जन में डीजे व लाउडस्पीकर पर सरकारी दिशा-निर्देशों का पालन, अनिवार्य वीडियोग्राफी और एस्कॉर्ट की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया. नगर आयुक्त, नगर निगम और नगर निकायों को जुलूस एवं मंदिर मार्गों की विशेष साफ-सफाई और सड़कों की मरम्मत करने के निर्देश दिये गये. कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल आरा और जगदीशपुर को बिजली तार की जांच व मरम्मत कराने का आदेश मिला. पर्व के दौरान सभी पीएचसी, अनुमंडलीय अस्पताल, रेफरल अस्पताल और सदर अस्पताल में जीवनरक्षक दवाएं, पैरामेडिकल स्टाफ, चिकित्सक और एंबुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश सैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी भोजपुर को दिया गया. विधि व्यवस्था संधारण के लिए जिला नियंत्रण कक्ष का गठन किया गया है, जिसका दूरभाष नंबर 06182-248702 है. ब्रीफिंग में सभी अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे।

एक नजर

हर घर तिरंगा" रैली का भव्य आयोजन

आरा। जिलाधिकारी भोजपुर श्री तनय सुल्तानिया के निदेशानुसार, "हर घर तिरंगा" रैली का भव्य आयोजन आज कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार; स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) एवं जिला गंगा समिति, भोजपुर के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। रैली का शुभारंभ कृषि भवन परिसर से हुआ, जो आरा रेलवे स्टेशन मार्ग, जैन कॉलेज, कतीरा मोड़ और बजाज शोरूम होते हुए खेल भवन परिसर में संपन्न हुई। पूरे मार्ग में गूंजते देशभक्ति के नारों ने वातावरण को उत्साह और ऊर्जा से भर दिया।समापन स्थल पर जिला कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के पदाधिकारी ने प्रेरणादायक संबोधन देते हुए राष्ट्रप्रेम और एकता का संदेश दिया। इस अवसर पर निदेशक, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण (ऊ्रळ्अ) भोजपुर ने कहा कि ह्लदेशभर में हर घर तिरंगा अभियान 2 अगस्त से प्रारंभ होकर 15 अगस्त तक चलेगा। सभी जिलेवासी इसमें उत्साहपूर्वक भाग लें। इसके तहत आपको अपनी सेल्फी लेकर आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड करनी होगी। यह आजादी का अमृत महोत्सव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।ह्वरैली का नेतृत्व जिला गंगा समिति के जिला योजना पदाधिकारी श्री अमित कुमार सिंह ने किया। इस आयोजन में हजारों की संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली को सफल बनाने में केमेस्ट्री बाय मिथिलेश प्रधान कोचिंग संस्थान के छात्र-छात्राओं और शिक्षक मिथिलेश प्रधान का विशेष योगदान रहा।

इस अवसर पर निदेशक, ऊ्रळ्अ भोजपुर; कृषि पदाधिकारी भोजपुर; प्रभारी पदाधिकारी, विकास शाखा; खेल पदाधिकारी भोजपुर; कला एवं सांस्कृतिक पदाधिकारी भोजपुर; जिला समन्वयक, स्वच्छता; जिला परियोजना पदाधिकारी, नमामि गंगे एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विषैले सांप के डसने से बुजुर्ग महिला की मौत

सेमरांव। चरपोखरी थाना क्षेत्र के सेमरांव गांव में स्थित आश्रम में विषैले सांप के डसने से एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गयी. घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही. जानकारी के अनुसार मृतका सिकरहटा थाना क्षेत्र के चकिया गांव निवासी चंद्रमा सिंह की 70 वर्षीया पत्नी मोतिझारी देवी है. इधर, मृतका के करीबी गणेश साह ने बताया कि आश्रम में कार्यक्रम चल रहा था. कार्यक्रम में कई लोग सहयोग करने के लिए आते हैं. उसमें मोतिझारी देवी ने खाना बनाने में सहयोग की थी. बुधवार दौरान जब वह किचन में काम कर रही थी. तभी विषैले सांप ने उन्हें डस लिया. इससे उनकी मौत हो गयी. हालांकि परिजन अपनी संतुष्टि को लेकर उन्हें सदर अस्पताल लेकर आये, जहां चिकित्सक ने देख उन्हें मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया. बताया जाता है कि मृतका को पांच पुत्र अनिल, सुनील, अरुण, पप्पू ,धर्मेंद्र एवं एक पुत्री नीलम देवी है. घटना के बाद मृतका के घर में कोहराम मच गया है. उसके परिवार के सभी सदस्यों का रो-रो कर बुरा हाल है।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार जीजा-साला को रौंदा, साले की घटनास्थलपर मौत

बिहिया। बिहिया थाना क्षेत्र के जमुआं मोड़ स्थित मॉल के समीप गुरुवार की सुबह अज्ञात वाहन ने बाइक सवार जीजा-साला को रौंद दिया. हादसे में साला की घटनास्थल पर ही की मौत हो गयी. जबकि जीजा गंभीर रूप से जख्मी हो गये. घटना के बाद परिजन द्वारा जख्मी जीजा का इलाज निजी अस्पताल में कराया जा रहा है. जानकारी के अनुसार मृतक जगदीशपुर थाना क्षेत्र के दावां गांव वार्ड नंबर सात निवासी स्व. अवधेश कुमार राम का 34 वर्षीय पुत्र सरोज कुमार है, जो एक ठेकेदार थे. बस की बॉडी के पेंटिंग का ठेका लेते थे. जबकि जख्मी उसके जीजा मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गोठहुला गांव निवासी 40 वर्षीय हरेराम कुमार है. इधर, मृतक के चाचा सुरेश कुमार ने बताया कि वह अपना घर बनवा रहा था. जिसको लेकर गुरुवार की सुबह अपने जीजा हरेराम कुमार के साथ बाइक द्वारा पाइप लाने के लिए बाजार जा रहा था. उसी दौरान जमुआं मोड़ स्थित मॉल के समीप किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी, जिसमें सरोज कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी. वहीं उसके जीजा हरेराम कुमार जख्मी हो गये. उनका इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है. बताया जाता है की मृतक अपने दो भाई व दो बहन में दूसरे स्थान पर था. उसके परिवार में मां ललिता देवी, पत्नी पूर्णिया देवी व दो पुत्री प्रियांशी एवं गुनगुन है. उसकी मां ललिता देवी, पत्नी पूर्णिया देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

शिद्दत से याद किये गये अमर शहीद कपिलदेव राम, 1942 की अगस्त क्रांति में अंग्रेजों से लोहा लेते हुए थे शहीद

रोहतास। 1942 की अगस्त क्रांति में अंग्रेजों से लोहा लेते शहीद हुए शहीद कपिलदेव राम की शहादत की 83वीं वर्षगांठ मनाया गया, जिसपर उन्हें शिद्दत से याद किया गया. शहीद कपिलदेव राम स्मारक समिति के सचिव रमेश राम की अगुवाई में बुधवार की सुबह शहीद कपिलदेव चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया. इसके बाद स्थानीय प्रबुद्धजन, पत्रकार, शहीद के परिजन और छात्रों का दल टीबी सेनेटोरियम स्थित उनके स्मारक स्थल पर पहुंचा और उन्हें श्रद्धांजलि दी. इससे पहले स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित किया गया. इसके बाद सभी लोगों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन धारण कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की. इस दौरान शहीद के परिजन शिवचरण पासवान, अशोक पासवान, अरविंद,सोनू, सौरभ, राजेंद्र गुप्ता, पत्रकार नीरज, दीपक, जितेंद्र भारती समेत अन्य लोग मौजूद रहे.

सासाराम स्टेशन पर आगामी स्वतंत्रता दिवस के मदेनजर सतर्कता चेकिंग अभियान व मॉक ड्रिल किया गया

सासाराम। आज दिनांक 14/08/2025 को आगामी स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर सासाराम रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ निरीक्षक प्रभारी सासाराम संजीव कुमार तथा जीआरपी सासाराम के थानाध्यक्ष विक्रान्त सिंह साथ स्टॉफ द्वारा मिलकर संयुक्त रूप से सासाराम स्टेशन पर चेकिंग, व अपराधिक गतिविधि की निगरानी किया गया। साथ ही यात्रियों को जागरूक किया गया कि यात्रा के दौरान कोई लावारिस वस्तु, बैग या समान को हाथ न लगाएं बल्कि इसकी सूचना आरपीएफ/जीआरपी या किसी रेल सेवक को देने का श्रम करें । यात्रियों को जागरूक किया गया कि यात्रा करने के दौरान किसी भी तरह का विस्फोटक, ज्वलनशील पदार्थ जैसे पटाखा, गैस सिलेंडर, आदि साथ लेकर यात्रा न करें एवं इस सभी के कानूनी पहलु तथा होने वालें नुकसान से अवगत कराकर जागरूक किया गया । इसके साथ साथ स्टेशन पर यात्रियों के बीच जागरूक करते हुए विस्फोटक समान आदि के संबंध में मॉक ड्रिल कर अभ्यास किया गया। इस अभियान में अवर निरीक्षक डी एस राणावत, स उ नि जितेंद्र कुमार चौधरी, स उ नि एस के मौर्या, आरक्षी सौरभ कुमार, अजीत कुमार भारती, मनोज कुमार, बिमलेश भारती, मनोज कुमार सिंह शामिल रहे।

प्रशासन ने समारोह को सुरक्षित और शांतिपूर्ण बनाने के लिए सभी तैयारियां पूरी की

बिहार के चार पंचायतों के मुखिया का हुए रवाना, स्वतंत्रता दिवस समारोह में होंगे शामिल

केटी न्युज। पटना

स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जनहित कार्यों में मिसाल कायम करने वाली बिहार की 10 पंचायतों के मुखिया इस बार दिल्ली में होने वाले स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह के विशेष अतिथि होंगे। केंद्र सरकार ने इन पंचायतों को विभिन्न मानकों पर बेहतर प्रदर्शन के आधार पर आमंत्रित किया है। बुधवार को चयनित प्रतिनिधि राजधानी दिल्ली के लिए रवाना हो गए।15 अगस्त को सभी सम्मानित अतिथि स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के लिए आरक्षित दीर्घा में बैठकर झंडोत्तोलन देखेंगे और अपने प्रधानमंत्री नरेन्द्र

मोदी जी का भाषण सुनेंगे। इस समारोह में शामिल होने के लिए सभी मुखिया एवं उनके जीवनसाथियों के लिए रक्षा मंत्रालय की ओर से एक विशेष पास जारी किया गया है। बिहार से जिन पंचायतों के मुखिया को यह आमंत्रण मिला है, उनमें समस्तीपुर जिला के मोतीपुर ग्राम पंचायत की मुखिया प्रेमा देवी, पश्चिम चंपारण जिला के सिसवनिया पंचायत के मुखिया कन्हैया प्रसाद कुशवाहा, भागलपुर जिला के राघोपुर ग्राम पंचायत के मुखिया मनोज कुमार मंडल एवं गोपालगंज जिला के करसघाट पंचायत के मुखिया ब्रजेश कुमार शामिल हैं। इनके साथ इनके जीवनसाथियों को भी इस समारोह में शामिल होने का आमंत्रण मिला है। सभी आमंत्रित अतिथि अन्य प्रदेशों से आये पंचायत प्रतिनिधियों, सरपंचों, मुखियों एवं अन्य अतिथियों के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होंगे। स्वतंत्रता दिवस समारोह में ये सभी अपने प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन को प्रत्यक्ष रूप से सुन पाएंगे। स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने के लिए सभी मुखिया अपने जीवनसाथियों के साथ दिल्ली पहुँच चुके हैं। दिल्ली में ये 13 अगस्त से 16 अगस्त तक प्रवास करेंगे। पंचायत प्रतिनिधियों के इस प्रवास के अनुभव को अधिक व्यापक एवं समृद्ध बनाने के उद्देश्य से इनके दिल्ली भ्रमण का कार्यक्रम भी रखा गया है। 14 अगस्त को सभी अतिथियों को दिन में दिल्ली के प्रमुख स्थानों का भ्रमण कराया जाएगा। इसके साथ ही भारत सरकार के जलशक्ति मंत्रालय के मंत्री सभी अतिथियों से मुलाकात करेंगे। इस दौरा मंत्री देश के विभिन्न प्रदेशों से आये पंचायत प्रतिनिधियों के साथ संवाद भी करेंगे। इन सभी पंचायत प्रतिनिधियों के लिए मंत्री की ओर से रात्रिभोज का आयोजन किया गया है। स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने वाले मुखिया के लिए बिहार के सभी जिलों से प्रविष्टियां मांगी गई थीं। इन सभी जिलों से आयी प्रविष्टियों में से अंतिम रूप से समस्तीपुर के मोतीपुर ग्राम पंचायत की मुखिया प्रेमा देवी, पश्चिम चंपारण जिला के सिसवनिया पंचायत के मुखिया कन्हैया प्रसाद कुशवाहा, भागलपुर जिला के राघोपुर ग्राम पंचायत के मुखिया मनोज कुमार मंडल एवं गोपालगंज जिला के करसघाट पंचायत के मुखिया ब्रजेश कुमार का चयन किया गया।

हाईकोर्ट ने राजद के पूर्व विधायक राजबल्लभ यादव को किया रिहा

केटी न्युज। पटना

पटना हाईकोर्ट ने बहुचर्चित नाबालिग दुष्कर्म मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। राजद के पूर्व विधायक राजबल्लभ यादव को अदालत ने सभी आरोपों से बरी कर दिया है। अदालत ने यह कहा कि अभियोजन पक्ष पीड़िता के आरोप साबित करने में विफल रहा, इसलिए आरोपी को संदेह का लाभ दिया जाता है।नवादा से राजद विधायक रहे राजबल्लभ यादव पर एक नाबालिग लड़की ने यौन शोषण का गंभीर आरोप लगाया था। आरोप लगते ही पूर्व विधायक राजबल्लभ यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। वह फरवरी 2016 से अब तक जेल में बंद थे। लगातार मामले की सुनवाई हुई और इस सुनवाई के दौरान पक्ष के वकीलों ने बहस किया। अंत में कोर्ट ने कहा कि यह पूरा प्रकरण एक राजनीतिक साजिश और झूठे आरोपों का नतीजा है। अदालत ने यह भी कहा कि उपलब्ध साक्ष्य दोष सिद्ध करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। 6 फरवरी 2016 को एक नाबालिग लड़की को जन्मदिन की पार्टी के बहाने बोलेरो गाड़ी से गिरियक स्थित एक घर ले जाया गया। वहां कथित रूप से उसे शराब पिलाने की कोशिश की गई, मना करने पर उसके साथ मारपीट और दुष्कर्म किया गया। पीड़िता ने बयान दिया था कि घटना के बाद एक महिला को उसने आरोपी से तीस हजार रुपये लेते देखा था।

सीएम नीतीश कुमार ने किया बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण, दिए राहत कार्य तेज करने के निर्देश

10 बाढ़ग्रस्त जिलों का हवाई सर्वेक्षण किया, जहां लगभग 25 लाख लोग प्रभावित

केटी न्युज। पटना

बिहार में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को 10 बाढ़ग्रस्त जिलों का हवाई सर्वेक्षण किया, जहां लगभग 25 लाख लोग प्रभावित हैं. कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं. सीएम ने उच्चस्तरीय बैठक कर राहत-बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए. बाढ़ से जो सबसे अधिक प्रभावित हैं उनमें भोजपुर, पटना, सारण, वैशाली, बेगूसराय, लखीसराय, मुंगेर, खगड़िया, भागलपुर और कटिहार जिला शामिल है.मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को वैशाली, पटना, बेगूसराय और मुंगेर जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। सर्वेक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को राहत और बचाव कार्य तेज करने, निचले इलाकों में पानी की सतत निगरानी करने और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने वैशाली के राघोपुर दियारा, पटना जिले के काला दियारा, रूपस

महाजी, रामनगर, कसहा दियारा, मोकामा, बाढ़ और फतुहा के टाल क्षेत्रों सहित बेगूसराय और मुंगेर के कई बाढ़ग्रस्त इलाकों का निरीक्षण किया। उन्होंने जल संसाधन विभाग को पूरी तरह मुस्तैद रहने, अभियंताओं और वरीय पदाधिकारियों को स्थल पर कैंप करने तथा आपदा प्रबंधन विभाग को सतत अनुश्रवण करने के निर्देश दिए ताकि प्रभावित लोगों को समय पर सहायता मिल सके।सीएम ने नाव संचालन, पॉलिथिन शीट, राहत सामग्री, दवाइयां, पशुचारा, बाढ़ आश्रय स्थल, सामुदायिक रसोई, ड्राई राशन पैकेट और जिला आपातकालीन संचालन केंद्र की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, सचिव अनुपम कुमार, सचिव कुमार रवि और आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह भी मौजूद रहे। बाढ़ प्रभावित इलाकों में किसानों की फसलें भी बर्बाद हो गई हैं. धान और मक्का की खड़ी फसल पानी में डूबने से भारी नुकसान हुआ है, जिससे किसानों के सामने आर्थिक संकट गहरा गया है. कई ग्रामीण इलाकों में सड़क संपर्क भी टूट गया है, जिससे राहत सामग्री पहुंचाने में दिक्कतें आ रही हैं. सरकार ने आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं और बाढ़ पीड़ितों को शीघ्र सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया है. फिलहाल प्रशासन का पूरा ध्यान राहत-बचाव कार्यों पर केंद्रित है, ताकि जल्द से जल्द प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान और आवश्यक सहायता मिल सके।

10 से ज्यादा जिले हुए जलमग्न

अधिकारियों ने बताया कि भोजपुर, पटना, सारण, वैशाली, बेगूसराय, लखीसराय, मुंगेर, खगड़िया, भागलपुर और कटिहार जिले बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित हैं. इन इलाकों में हजारों गांव पानी में डूबे हुए हैं, जिससे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें लगातार बचाव कार्य में लगी हैं। गंगा, कोसी, बागमती, बूढ़ी गंडक, पुनपुन और घाघरा नदियों का जलस्तर कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है. लगातार बारिश और नेपाल से छोड़े गए पानी के कारण इन नदियों में जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे निचले इलाकों में पानी घुस गया है।

सीएम ने दिए राहत शिविर बढ़ाने के आदेश

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को बाढ़ की स्थिति पर एक उच्चस्तरीय बैठक भी की थी, जिसमें अधिकारियों को राहत शिविरों की संख्या बढ़ाने, पर्याप्त भोजन और दवाइयों की आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में राहत और बचाव कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बिहार में जीविका योजना से बदली महिलाओं की जिंदगी, 57 हजार करोड़ का मिला ऋण

केटी न्युज। पटना

बिहार में नीतीश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जीविका आज महिलाओं की जिंदगी बदलने वाली बड़ी पहल बन गई है। ग्रामीण विकास विभाग की इस योजना ने गांव-गांव में महिलाओं के बीच आत्मनिर्भरता का नया माहौल बनाया है। आंकड़े बताते हैं कि अब तक 11 लाख से ज्यादा महिला स्वयं सहायता समूह गठित किए जा चुके हैं। इन समूहों से 1 करोड़ 40 लाख से अधिक गरीब परिवार जुड़े हैं। इसका मकसद साफ है गांव की महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी रूप से मजबूत बनाना ताकि वे खुद अपने पैरों पर खड़ी हो सकें। योजना के तहत 73,510 ग्राम संगठन और 1,680 संकुल स्तरीय संघ बनाए गए हैं। यहां महिलाएं न सिर्फ बचत करना सीख रही हैं, बल्कि अपने छोटे-बड़े कारोबार भी शुरू कर रही हैं। सिलाई-कढ़ाई, दुकानदारी, डेयरी, खेती और कई

तरह के काम आज इन समूहों की महिलाएं कर रही हैं। बैंकों का सहयोग भी इस योजना में अहम है। अब तक 10.63 लाख स्वयं सहायता समूहों के बचत खाते खोले गए हैं। इन खातों से जुड़कर समूहों को 57,186 करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराया गया है। इससे महिलाएं साहूकारों और बिचौलियों के चंगुल से बच रही हैं और सीधे बैंक से सस्ती दर पर लोन ले रही हैं। गांव-गांव में 6,393 बैंक सखी (बैंकर दीदी) महिलाओं को वित्तीय उत्पादों और बैंकिंग सुविधाओं के बारे में जागरूक कर रही हैं। 83.35 लाख से अधिक सदस्य बीमा सुरक्षा से भी जुड़ चुकी हैं, जिससे उन्हें किसी भी आपात स्थिति में आर्थिक सहारा मिलता है। योजना का असर सिर्फ आर्थिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है। ग्राम संगठन स्तर पर महिलाओं को नेतृत्व की ट्रेनिंग दी जा रही है। आज कई महिलाएं पंचायत स्तर पर फैसले लेने में भागीदार हैं। बिहार के गांवों में महिलाओं का यह सशक्तिकरण आने वाले समय में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा देगा।

पटना में 7 थानाध्यक्ष का तबादला, कोतवाली-बुद्धा कॉलोनी-गर्दनीबाग सहित कई थानों के बदले थानेदार

पटना। पुलिस महकमे से जुड़ी बड़ी खबर पटना से आ रही है, जहां 15 अगस्त से पहले पटना के 7 थानेदारों को हटा दिया गया है। उनकी जगह दूसरे पदाधिकारियों को तैनात किया गया है। एक साथ 7 थानाध्यक्ष बदले गये हैं। गर्दनीबाग थाना, कोतवाली थाना, बुद्धा कॉलोनी थाना, हवाई अड्डा थाना, धनरूआ थाना, चित्रगुप्तनगर थाना और बिहटा थाने में नये थानेदार की तैनाती की गयी है। पुलिस केंद्र पटना से पुलिस निरीक्षक प्रमोद कुमार को गर्दनीबाग थाने का थानाध्यक्ष बनाया गया है। वही पुलिस केंद्र पटना के पुलिस निरीक्षक जयमेजय राय को कोतवाली थाने का थानाध्यक्ष बनाया गया है। जबकि पुलिस केंद्र से ही पुलिस निरीक्षक पल्लव को बुद्धा कॉलोनी थाने का थानेदार बनाया गया है।

दरभंगा एयरपोर्ट पर यात्रियों का हंगामा नाइट लैंडिंग नहीं होने से बढ़ी परेशानी

केटी न्युज। दरभंगा

दरभंगा एयरपोर्ट पर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब मुंबई जाने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी 115 रद्द कर दी गई। रोज की तरह यात्री अपनी-अपनी फ्लाइट पकड़ने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे थे, लेकिन जब उन्हें मुंबई फ्लाइट के रद्द होने की सूचना मिली, तो यात्रियों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने एयरपोर्ट पर जमकर हंगामा किया।जानकारी के अनुसार, स्पाइसजेट की यह फ्लाइट सुबह 9:15 बजे दरभंगा पहुंचती है और करीब 30 मिनट बाद मुंबई के लिए रवाना होती है। इस बार विमानन कंपनी ने पहले फ्लाइट के विलंब से आने और दोपहर 1:30 बजे उड़ान भरने की सूचना दी। लेकिन इसके बाद लगभग 2:00 बजे यह जानकारी दी गई कि फ्लाइट रद्द कर दी गई है। इसको लेकर यात्रियों ने

कंपनी के प्रतिनिधियों से तीखी नोकझोंक की और गुस्से में जमकर खरी-खोटी सुनाई।उधर, दिल्ली से दरभंगा आने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई360 के भी रद्द होने की आशंका जताई जा रही है। कंपनी की ओर से इसे शाम 6:50 बजे दरभंगा पहुंचने की सूचना दी गई है, लेकिन चूंकि दरभंगा एयरपोर्ट पर नाइट लैंडिंग की सुविधा नहीं है, ऐसे में इस फ्लाइट के भी रद्द होने की संभावना है, जिससे यात्रियों की चिंता और बढ़ गई है।

रुई गोदाम की आड़ में चल रहा था शराब का गोरखधंधा आग लगने के बाद खुला राज

पटना। बिहार में 9 साल से पूर्ण शराबबंदी है, लेकिन शराब बेचने और पीने वाले अपने आदतों से बाज नहीं आ रहे हैं। शराब के धंधेबाज चोरी छिपे शराब ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं तो वही शराबी घर पर मंगवाकर शराब पी रहे हैं। शराब की होम डिलिवरी रूकने का नाम नहीं ले रही है। किसी सेफ जगह पर शराब रखा जाता है जिसकी जानकारी किसी को नहीं होती और वही से शराब की सप्लाई की जाती है। सहरसा जिले में रूई की गोदाम में शराब रखा जाता था। पुलिस जिसे रूई का गोदाम समझती थी असल में उस जगह पर शराब को छिपाकर रखा जाता था। जब रूई गोदाम में आग लगी तब इस बात का खुलासा हुआ। मामला सहरसा के सुलिंदाबाद रोड स्थित भारतीय नगर, वार्ड संख्या 42 का है जहां के रहने वाले साहिल सिन्हा के आवासीय परिसर से पुलिस ने करीब 14.25 लीटर विदेशी शराब बरामद किया है।

बिहार सरकार ने पटना समेत 13 नगर निकायों में ठोस कचरा प्रबंधन की बड़ी परियोजना को मंजूरी दी

कचरा बनेगा सोना, पटना में 13 शहरों का कचरा देगा बिजली

रोजाना 1600 टन कचरे की प्रोसेसिंग

रामचक बैरिया में लगने वाले संयंत्र में प्रतिदिन 1600 टन कचरे की प्रोसेसिंग होगी। इससे 15 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा, जो राजधानी की जरूरतों को पूरा करेगा। यह संयंत्र प्रतिदिन 100 टन बायो-मिथेनेशन करेगा, जिससे बायोगैस तैयार होगी और घरों तक पहुंचाई जाएगी। साथ ही खेतों के लिए जैविक खाद भी बनाई जाएगी। सरकार का कहना है कि यह परियोजना न केवल पटना और आसपास के इलाकों को साफ-सुथरा बनाएगी, बल्कि कचरे से आय का नया स्रोत भी खोलेगी।

केटी न्युज। पटना

राजधानी पटना की गंदगी और दुर्गंध से जल्द ही छुटकारा मिलने वाला है। बिहार सरकार ने पटना समेत आसपास के 13 नगर निकायों में ठोस कचरा प्रबंधन की बड़ी परियोजना को मंजूरी दे दी है। यह प्रोजेक्ट लोक-निजी भागीदारी (PPP) मोड में 514.59 करोड़ रुपये की लागत से लागू होगा। कैबिनेट के फैसले के अनुसार, पटना, दानापुर, फतुहा, खगौल, फुलवारीशरीफ, संपतचक, मनेर, मसौढ़ी, बिहटा, बख्तियारपुर, नौबतपुर, पुनपुन और खुसरूपुर का कचरा एकत्र कर रामचक बैरिया में वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित किया जाएगा। केंद्र सरकार ने पहली बार किसी राज्य को सामाजिक आधारभूत परियोजना के तहत ठोस कचरा प्रबंधन के लिए वीएबिलिटी गैप फंडिंग (VGF) देने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत बिहार को 154.38 करोड़ रुपये का अनुदान मिलेगा। यदि 30 प्रतिशत से अधिक VGF की आवश्यकता होगी, तो अतिरिक्त राशि राज्य सरकार अपने रिंगफेंस खाते से देगी।

सुभाषितम्

पूरा जीवन एक अनुभव है आप जितने प्रयोग करते है, उतना ही इसे बेहतर बनाते है। -राल्फ वाल्डो एमर्सन

चुनाव आयोग छीन रहा है, मतदान का अधिकार

भारत का लोकतंत्र अपने गर्वित स्वरूप में तभी संपूर्ण होगा है। जब 18 वर्ष से ऊपर के सभी नागरिक को मतदान का अधिकार सुरक्षित हो। बिहार में चल रहा, विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ) अभियान इस अधिकार पर गहरी चोट कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट में पेश होकर योगेंद्र यादव ने जिस तरह तथ्यों और तर्कों के साथ मतदाता के इस अधिकार पर हो रहे खतरे को उजागर किया है, उसने न केवल अदालत बल्कि पूरे देश को चौंका दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें धन्यवाद देते हुए माना उनकी दलील तथ्यात्मक और गंभीर हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि 8 करोड़ मतदाताओं तक पहुँचने के बाद भी एक भी नया नाम चुनाव आयोग ने मतदाता सूची में क्यों नहीं जोड़ा। यह ह्लजीरो एडिशनह्व और ह्लमैसिव डिलीशनह्व का मामला है। 65 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। जिनमें 31 लाख महिलाएं शामिल की गई हैं। महिलाएं कम पलायन करती हैं, पुरुषों की तुलना में अधिक समय तक जीवित रहती हैं। ऐसी स्थिति में इसे वास्तविक कटौती कैसे माना जा सकता है। यह किन कारणों से कैसे संभव हुई ? इसका जवाब चुनाव आयोग को देना चाहिए। मतदाता सूची में बीएलओ द्वारा नॉट रिकमंड नामक नई कैटेगरी बिना स्पष्ट मानदंड के बनाई गई है, जिसके आधार पर नाम काटे गए हैं । और तो और, जिंदा लोगों को मृत सूची में डालकर उनका मतदान का अधिकार खत्म कर दिया गया है। उनके नाम भी चुनाव आयोग उजागर नहीं कर रहा है। यह त्रुटियां नहीं, बल्कि प्रक्रिया में गहरी खामियों, साजिस और संभावित पूर्वाग्रह की ओर इशारा है। योगेंद्र यादव ने सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए चेतावनी देते हुए कहा, वयस्क आबादी में मतदाता अनुपात 97% से गिरकर 88% पर आ गया है। सघन पुनरीक्षण के नाम पर 1 करोड़ मतदाताओं के नाम काटने की दिशा में चुनाव आयोग आगे बढ़ रहा है। जिस तरह से 19वीं सदी के अमेरिका मैं हुआ था उसी तरह से अब भारत में सार्वभौमिक मताधिकार को खत्म करने का सबसे बड़ा उदाहरण बनने जा रहा है। चुनाव आयोग, की संवैधानिक जिम्मेदारी में उसे नागरिक के मताधिकार का संरक्षक माना गया है। 6 माह से अधिक कोई भी नागरिक किसी भी राज्य में रह रहा हो। संविधान के अनुसार उसे मताधिकार सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी केंद्रीय चुनाव आयोग की है। वर्तमान चुनाव आयोग नागरिक को अपनी नागरिकता साबित करने पर मजबूर कर रहा है। फॉर्म भरने और प्रमाण पत्र पेश करने के नाम पर गरीब और साधारण मतदाता का मताधिकार छीनने की कोशिश कर रहा है। यह आश्चर्यचकित करने वाली कार्यवाही है। यह केवल एक राज्य का मामला नहीं है। चुनाव आयोग की इस कार्रवाई से लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर किया जा रहा है। अगर मतदाता सूची से इस बड़े पैमाने पर नाम काटे जाते रहे। तो यह न केवल चुनावी निष्पक्षता को खत्म करेगा। बल्कि नागरिकों के मन में यह डर बैठा देगा, उनका मत देने का अधिकार कभी भी छीना जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में चुनाव आयोग द्वारा सघन पुनरीक्षण की जो प्रक्रिया शुरू की गई है। इसकी तुरंत समीक्षा होनी चाहिए। चुनाव आयोग द्वारा जिस तरह से बिहार में मतदाता सूची से लोगों के नाम हटाए गये। चुनाव आयोग को नागरिकता तय करने का अधिकार नहीं है भारत सरकार ने अभी तक नागरिक रजिस्टर तैयार नहीं किया है। भारत सरकार जब आधार लेकर आई थी तब दावा किया गया था इससे नागरिकों की पहचान सुनिश्चित होगी। आंखों की पुतलियां चेहरा और हाथ की रेखाएं यह सुनिश्चित करेंगी, कि वह भारत के नागरिक हैं। उसमें सभी आधुनिक तकनीकी पक्ष का ध्यान रखा गया था अब यह कहा जा रहा है, डुप्लीकेट आधार कार्ड हैं। तो यह तकनीकी और सरकार की नाकामी है। भारत में नकली बनाना सबसे आसान काम है।

चिंतन-मनन

निष्ठा और सत्य

निष्ठा अविभाजित मन, अविभाजित चेतना का स्वभाव है। ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने का प्रयत्न मत करो। आत्मा में तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने का प्रयत्न मत करो। जिसमें भी तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने की कोशिश न करो। बच्चे को मां में विश्वास है। बच्चा मां को जानने का प्रयत्न नहीं करता, उसे केवल मां में विश्वास है। जब तुममें निष्ठा है, जानने की क्या आवश्यकता है? यदि तुम प्रेम को जानने का विषय बनाते हो, प्रेम लुप्त हो जाता है। ईश्वर, प्रेम, आत्मा और निद्रा समझ के परे हैं। यदि तुम केवल विश्लेषण करते हो, संशय उत्पन्न होता है और निष्ठा खत्म होती है। जिसमें तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने की या विश्लेषण करने की चेष्टा न करो। विश्लेषण दूरी पैदा करता है, संश्लेषण (संकलन) जोड़ता है। निष्ठा संकलन है, जानना विभाजन। निष्ठा और विश्वास में फर्क है, विश्वास हल्का होता है, निष्ठा ठोस, अधिक सबल। हमारे विश्वास बदल सकते हैं मगर निष्ठा अटल होती है। निष्ठा के बिना चेतना नहीं। यह दिये की लौ के समान है। निष्ठा है चेतना की शान्त, स्थायी प्रकृति। निष्ठा चेतना का स्वभाव है। सत्य वह है जो बदलता नहीं। अपने जीवन को देखो और पहचानो कि वह सब जो बदल रहा है, सत्य नहीं। इस दृष्टि से देखने पर तुम पाओगे कि तुम केवल असत्य से घिरे हुए हो। असत्य को पहचानने पर तुम उससे मुक्त होते हो। जब तक तुम असत्य को पहचानोगे नहीं, उससे मुक्त नहीं हो सकते। स्वयं के जीवन के अनुभव तुम्हें तुम्हारे असत्यों की पहचान कराते हैं। जैसे-जैसे जीवन में परिपक्वता आती है, तुम पाते हो कि सभी कुछ असत्य है- घटनाएं, परिस्थितियां, लोग, भावनाएं, विचार, मत-धारणाएं, तुम्हारा शरीर-सभी असत्य है। और तभी सच्चे अर्थ में सत्संग (सत्य का संग) होता है। मां के लिए बच्चा तब तक असत्य नहीं है जब तक बालिग नहीं हो जाता। बच्चे के लिए मिठास असत्य नहीं और किशोर के लिए सैक्स असत्य नहीं। ज्ञान यदि शब्दों तक सीमित है, तो वह असत्य है।

अंग्रेजों ने भारत की अंतरिम सरकार को दिए थे 300 करोड़

- सनत जैन

भारत को स्वतंत्र करते समय (15 अगस्त 1947) को अंग्रेज सरकार ने भारत की अंतरिम सरकार को रिजर्व बैंक में जमा 300 करोड रुपए सौंपे थे। इसी पैसे से भारत ने अपना नया सफर शुरू किया था। नगदी और संपत्ति का बंटवारा भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 और भारत-पाकिस्तान विभाजन की प्रक्रिया के तहत अंग्रेजों द्वारा किया गया था। इस बंटवारे में भारत और पाकिस्तान के बीच संपत्ति और वित्तीय संसाधनों का विभाजन हुआ। स्वतंत्रता के समय, भारत और पाकिस्तान के बीच नगदी और अन्य वित्तीय संपत्तियों का बंटवारा रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की देख-रेख में हुआ। अंग्रेज सरकार ने भारत को कोई नगदी या संपत्ति सीधे तौर पर नहीं सौंपी थी।

ब्रिटिश-भारत की मौजूदा वित्तीय संपत्तियों का विभाजन भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ था। स्वतंत्रता के समय ब्रिटिश-भारत के पास रिजर्व बैंक में लगभग 400 करोड़ रुपये का नगद भंडार था। यह राशि भारत और पाकिस्तान के बीच विभाजन परिषद द्वारा तय किये गये अनुपात के आधार पर बांटी गई। भारत को इस राशि का 75 प्रतिशत लगभग 300 करोड़ रुपये और पाकिस्तान को 25 प्रतिशत लगभग 100 करोड़ रुपये प्राप्त हुये। यह अनुपात जनसंख्या और अन्य आर्थिक आधार पर अंग्रेजों द्वारा बनाए गए कमीशन द्वारा निर्धारित किया गया था। इसके अलावा ब्रिटिश सरकार ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारत से बड़े पैमाने पर वित्तीय और सामरिक सहायता के लिए कर्ज लिया था। जिसके बदले भारत के रिजर्व बैंक को ब्रिटेन से स्टर्लिंग बैलेंस के रूप में जमा राशि वापस लेना थी। स्वतंत्रता के समय 15 अगस्त 1947 को यह राशि लगभग 1,600 करोड़ रुपये थी। इस राशि को ब्रिटेन से चरणबद्ध तरीके से रिजर्व बैंक को दिया गया। भारत और पाकिस्तान के बीच इसका बंटवारा हुआ, भारत को इसका 75 फीसदी हिस्सा मिला। जो लगभग 1200 करोड रुपए था। यह समय-समय पर भारत सरकार को मिला है।

ब्रिटिश सरकार ने भारत को कोई भौतिक संपत्ति जैसे इमारतें, सैन्य उपकरण, आदि नहीं सौंपी थी। ब्रिटिश सरकार ने भारत की मौजूदा संपत्तियों जैसे सरकारी भवन, रेलवे, सैन्य उपकरण, और अन्य बुनियादी ढांचे का बंटवारा भारत और पाकिस्तान के बीच किया। सैन्य उपकरणों का विभाजन भी 75/25 के अनुपात में किया गया था।

रेलवे, डाकघर, और अन्य सरकारी संपत्तियों का बंटवारा क्षेत्रीय आधार पर किया गया था। जो संपत्तियां पाकिस्तान के क्षेत्र में थीं, वह पाकिस्तान को दी गईं, और शेष संपत्ति भारत के हिस्से में आई। स्वतंत्रता के समय ब्रिटिश शासन की कुछ प्रतीकात्मक संपत्तियां, जैसे सेक्रेटरी ऑफ स्टेट की सील इत्यादि थी वह अंग्रेज अपने साथ लेकर चले गए थे। अंतरिम सरकार की भूमिका, 2 सितंबर 1946 को जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में गठित अंतरिम सरकार को स्वतंत्रता से पहले ही प्रशासनिक और वित्तीय जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। अंतरिम सरकार ने स्वतंत्रता के बाद व्यवस्था को सुचारू करने के लिए कई कदम उठाए। स्वतंत्रता के पश्चात विभाजन परिषद का गठन, संपत्ति बंटवारे की प्रक्रिया को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी भारत की अंतरिम सरकार को मिली। स्वतंत्रता के समय भारत की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर थी। ब्रिटिश शासन ने भारत की अर्थव्यवस्था को अपने हितों के लिए उपयोग किया था। स्वतंत्रता के बाद भारत को कई आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। स्वतंत्रता के पश्चात भारत में दंगे शुरू हो गए। रियासतों के विलय मे कई समस्याएं खड़ी हो गईं। विभाजन के पश्चात पाकिस्तान से भारत को चुनौतियां मिलने लगी। इन सभी चुनौतियों से निपटते हुए भारत को मुद्रास्फीति, खाद्य संकट, और शरणार्थी समस्या भी विरासत में मिली।

स्वतंत्रता के पश्चात भारत सरकार ने इन सभी चुनौतियों का सामना करते हुए किसी तरह से अपने आप को आर्थिक, सामाजिक और सामरिक रूप से सुदृढ़ करने का प्रयास किया। इस प्रयास में अंतरिम सरकार के मुखिया, 1950 में संविधान बन जाने, तथा 1952 में पहले चुनाव के बाद जो सरकार प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में बनी उसने अगले कई दशकों का मेप लेकर विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हुए भारत को एक नई दिशा दी। जिसकी सराहना ब्रिटेन के साथ-साथ दुनिया के सभी देशों ने की। भारत के पंचशील के सिद्धांत और एक नई अर्थव्यवस्था का स्वरूप जिसमें ना पूंजीवाद था और ना ही साम्यवाद था समाजवाद के रूप में मिश्रित अर्थव्यवस्था को लेकर जो प्रयोग पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में 1952 के बाद भारत सरकार द्वारा किया गया वह काफी सफल साबित हुआ जिसने भारत की साख दुनिया के देशों में बढ़ाने का काम किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की एक नई पहचान बनी भारत ने जिन चुनौतियों के बीच सामाजिक एवं आर्थिक विकास के मार्ग को चुना उसके कारण भारत सारी दुनिया के देशों में एक विशिष्ट स्थान बनाने में सफल रहा। अंग्रेज स्वतंत्रता के रूप में बंजर जमीन के रूप में भारत को देकर गए थे। भारत की सरकारों ने लगभग दो दशक में ही भारत को बेहतर विकासशील राष्ट्र के रूप में स्थापित किया 1962 के चीन युद्ध, 1965 का पाकिस्तान युद्ध, 1971 का पाकिस्तान का युद्ध जैसी चुनौतियों का सामना करते हुए 1980 में भारत ने अपने आप को खाद्यान्य क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना कर सारी दुनिया को चौंका दिया था।

78 वर्षों में कितने बदले लोकतंत्र के हालात?

- योगेश कुमार गोयल

प्रत्येक भारतवासी के लिए 15 अगस्त का दिन गौरव का दिन है क्योंकि इसी दिन भारत को अंग्रेजों की दासता से मुक्ति मिली थी। हालांकि स्वतंत्रता दिवस को लेकर आज भी देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में वही जज्बा और उत्साह समाहित है लेकिन जब हर वर्ष स्वतंत्रता के प्रतीक तिरंगे के नीचे खड़े होकर बहुत सारे ऐसे जनप्रतिनिधियों को देश की रक्षा व प्रगति का संकल्प लेते देखते हैं, जो वर्षभर सरेआम लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाते देखे जाते हैं तो मन में यही सवाल उठता है कि आखिर ऐसी संकल्प अदायगी से देश को हासिल क्या होता है? देश को आजाद हुए सात दशक से अधिक हो चुके हैं लेकिन आजादी के इन 78 वर्षों में लोकतंत्र के पवित्र स्थल संसद और विधानसभाओं के हालात किस कदर बदले हैं, वह किसी से छिपा नहीं है, जहां अभद्रता की सीमा पार करते जनप्रतिनिधि गाली-गलौच, उठापटक से लेकर कुर्ता-फाड़ राजनीति तक उतर आते हैं। विधानसभाओं की तो क्या बात करें, जब संसद की कार्यवाही ही कभी विपक्ष और कभी स्वयं सत्ता पक्ष द्वारा ही कई-कई दिनों तक लगातार नहीं चलने दी जाए तो राष्ट्र के लिए इससे ज्यादा चिंतनीय स्थिति और क्या हो सकती है? संसद में होने वाले ऐसे हंगामों के कारण प्रति मिनट आम आदमी के करीब ढ़ाई लाख रुपये बर्बाद होते हैं यानी हर एक घंटे में करीब डेढ़ करोड़ रुपये खर्च होते हैं। अब चूंकि संसद की कार्यवाही प्रतिदिन 6 घंटे चलनी होती है, ऐसे में संसद के दोनों सदनों में दोनों पक्षों के विरोध, हो-हल्ले और शोर के कारण जनता के खून-पसीने की कमाई के प्रतिदिन करीब 9 करोड़ रुपये से अधिक बर्बाद हो जाते हैं। गंभीर चिंतन का विषय है कि वर्षों की गुलामी के बाद मिली आजादी को आज हम जिस रूप में संजोकर रख पाए हैं, वह 78 वर्षों में ही कितना विकृत हो चुका है। आजादी के दीवानों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि जिस देश को आजाद कराने के लिए वे इतनी कुर्बानियां दे रहे हैं, वहां कुछ दशकों में ही आजादी की तस्वीर ऐसी हो जाएगी। हालांकि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश ने विकास के मार्ग पर तेजी से कदम बढ़ाए और विकास के अनेक सोपान तय किए हैं। तकनीकी कौशल हासिल करते हुए देश अंतरिक्ष तक जा पहुंचा है और चांद पर भी तिरंगा लहरा दिया है। लेकिन महिलाओं से दुर्व्यवहार की लगातार बढ़ती घटनाएं और समाज में अपराधों की बढ़ती सीमा को देख बुजुर्ग तो अब कहने लगे हैं कि गुलामी के दिन तो आज की आजादी से कहीं बेहतर थे, जहां अपराधों को लेकर मन में भय तो व्याप्त रहता था किन्तु कड़े कानून बना दिए जाने के बावजूद अपराधियों के मन में अब किसी तरह का भय नहीं दिखता। सैयां भये कोतवाल तो डर काहे का कहावत हर कहीं चरितार्थ हो चली है। देश के कोने-कोने से सामने आते अबोध बच्चियों और महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों के बढ़ते मामले आजादी की बेहद शर्मनाक तस्वीर पेश कर रहे हैं। कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ जिस तरह की दरिंदगी की गई है, ऐसे मामलों को देखते हुए और क्या कहा जाए? देश में महंगाई सुरसा की तरह बढ़ रही है, आतंकवाद की घटनाएं पग पसार रही हैं, आरक्षण की आग रह-रहकर देश को जलाती रहती है। इस तरह के हालात निश्चित तौर पर देश के विकास के मार्ग में बाधक बनते हैं। हर कोई सत्ता के इर्द-गिर्द राजनीतिक रोटियां सेंकता नजर आ रहा है, कोई सत्ता बचाने में लगा है तो कोई गिराने में। संसद और विधानसभाओं में हंगामे आए दिन की बात हो गई है। आजादी के बाद सामाजिक और आर्थिक पहलू पर देश में कमजोर तबके का स्तर सुधारने की नीयत से लागू आरक्षण के राजनीतिक रूप ने देश को आज उस चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां समूचा देश रह-रहकर जातीय संघर्ष के बीच उलझता दिखाई देता है। स्वार्थपूर्ण राजनीति ने माहौल को इस कदर विकृत कर दिया है, जहां से निकल पाना संभव ही नहीं दिखता। राजस्थान हो या उत्तर प्रदेश, हरियाणा हो या गुजरात अथवा महाराष्ट्र, आरक्षण के नाम पर उठते विध्वंसक आन्दोलनों की आग में से जब-तब बुरी तरह झुलसते रहे हैं और हर कोई इस तरह के परिवेश का राजनीतिक लाभ लेने की कवायद में जुटा नजर आता है। आजादी के बाद के इन करीब साढ़े सात दशकों में भ्रष्टाचार और अपराध इस कदर बढ़ गए हैं कि आम आदमी का जीना दूभर हो गया है। बगैर लेन-देन के प्रायः कोई कार्य सम्पन्न नहीं होता। बड़े नेता की तो कौन कहे, छुटभैया नेताओं की भी चांदी हो चली है। आजादी के बाद लोकतंत्र के इस बदलते स्वरूप ने आजादी की मूल भावना को बुरी तरह तहस-नहस कर डाला है। यह आजादी का एक शर्मनाक पहलू ही है कि गिने-चुने मामलों को छोड़कर हत्या, भ्रष्टाचार, बलात्कार जैसे संगीन अपराधों से विभूषित जनप्रतिनिधि अक्सर सम्मानित जिंदगी जीते रहते हैं। देश के ये बदले हालात आजादी के कौनसे स्वरूप को उजागर कर रहे हैं, विचारणीय है। ऐसे बदरंग हालातों में यह सवाल रह-रहकर सिर उठाने लगता है कि आखिर कैसी है ये आजादी? आखिर आजादी का अर्थ क्या है? इस प्रश्न का उत्तर तब तक नहीं दिया जा सकता, जब तक कि यह न जान लिया जाए कि स्वतंत्र होना आखिर कहते किसे हैं? देश को? व्यक्ति को? समाज को? यह जानना भी जरूरी है कि क्या कुछ बुनियादी मानवाधिकारों से वंचित व्यक्ति, समाज या देश को स्वतंत्र कहा जा सकता है? क्या भोजन, कपड़ा और रहने की व्यवस्था, बीमारी से बचाव, भय-आतंक, शोषण व असुरक्षा से छुटकारा, साक्षर एवं शिक्षित होने के पर्याप्त अवसर मिलना और अन्य ऐसी ही कई बातें मानव के बुनियादी अधिकार नहीं हैं? क्या शोषण और उत्पीड़न से मुक्ति के संघर्ष को मानव का बुनियादी अधिकार नहीं माना जाना चाहिए? लोकतंत्र के हाशिये पर खड़ी देश की जनता को इस दिशा में फिर से मंथन करना आवश्यक हो गया है कि वह किस तरह की आजादी की पक्षधर है? आज की आजादी, जहां तन के साथ-साथ मन भी आजाद है, सब कुछ करने के लिए, चाहे वह वतन के लिए अहितकारी ही क्यों न हो, या उस तरह की आजादी, जहां वतन के लिए अहितकारी हर कदम पर बंदिश हो।

राष्ट्रवाद और आजादी

- संजय गोस्वामी

मौलिक तौर पर भारतीय राष्ट्रवाद का उदय विदेशी शासन के विरूद्ध हुआ। अंग्रेजों ने भारत पर अपना आधिपत्य अपने हितों की बढ़ोत्तरी के लिए स्थापित किया था, न कि भारतीयों की उन्नति के लिए। अतएव दोनों पक्षों के बीच संघर्ष अवश्यंभावी ही था। अंग्रेजी शासन भारत के आर्थिक पिछड़ेपन का मुख्य कारण बन गया था। भारत का हर सामाजिक वर्ग किसी न किसी ढंग से इस हुकूमत के अधीन पीड़ित हो रहा था। किसान भूराजस्व का भागीदार सह नहीं सकते थे और न ही जमींदारों और सूदखोरों के अत्याचार को, जिन्हें अंग्रेजी प्रशासन सुरक्षा प्रदान कर रहा था। भारतीय कारीगर भी प्रसन्न नहीं थे क्योंकि इस नवीन शासन ने जबरदस्ती उनकी औद्योगिक कलाओं का विनाश कर डाला था। औद्योगिक श्रमिक भी असंतुष्ट थे, क्योंकि ब्रिटिश सरकार पूंजीपतियों का ही पक्ष लेती थी। मध्यम वर्ग एवं बुद्धिजीवियों ने भी ब्रिटिश शासन के बुरे परिणामों को तीव्र रूप से महसूस किया।दादा भाई नौरोजी एवं राणाडे जैसे मध्यम वर्गीय बुद्धिजीवियों ने यह स्पष्ट कर दिया था कि ब्रिटिश शासन भारतीय आर्थिक विकास के प्रतिकूल है। भारतीय पूंजीपतियों में भी यह विश्वास जगा था कि भविष्य में उन्हें ब्रिटिश साम्राज्य का विरोध करना पड़ेगा, वरन उनका स्वतंत्र विकास नहीं हो सकता है। इन तथ्यों के अतिरिक्त अंग्रेजों का घमंडी व्यवहार प्रत्येक स्वाभिमानी भारतीय को जागरूक बना दिया था। अतएव 19वीं शताब्दी के अंत तक भारत में एक शक्तिशाली साम्राज्य विरोधी आंदोलन प्रारंभ हुआ। यह एक राष्ट्रीय आंदोलन था, क्योंकि इसमें भारत के भिन्न-भिन्न वर्ग अपने आपसी द्वेष को भूलकर एक हो गए और ब्रिटिश राज्य का विरोध करने लगे। एक प्रकार से देखा जाए तो अंग्रेजों ने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन अनजाने में ही प्रारंभ करा दिया। यद्यपि अंग्रेज रेल डाक एवं समस्त प्रशासन का विकास अपने हित में किए थे। संचार एवं यातायात की इन सुविधाओं से भारतीय एक दूसरे के निकट आ सके और आंदोलन को इससे गति मिली।पश्चिमी विचारधारा एवं शिक्षा के फलस्वरूप अनेक भारतीयों ने राजनीति का आधुनिक दृष्टिकोण अपनाया और इस योग्य भी हो सके कि ब्रिटिश शासन की शोषण करने वाली प्रकृति को पहचाने। इस शिक्षा के कारण ही भारत में अनेक नेता पैदा हुए, जिन्होंने राष्ट्रीय आंदोलन का नेतृत्व किया। भारतीय राष्ट्रवाद के विकास में समाचार पत्रों का भी योगदान कम नहीं है, विशेषकर देशभक्त के संदेश को प्रचार करने में। उस समय कुछ प्रमुख राष्ट्रवादी समाचार पत्र ह्यदि हिन्दुह्ल, ह्यअमृत बाजार पत्रिकाह्ल, ह्यदि इंडियन मिररह्ल इत्यादि थे। इसी प्रकार राष्ट्रीय चेतना राष्ट्रवादी साहित्य से भी उत्तेजित हुई। बंकिम चन्द्र चटर्जी, रविन्द्रनाथ टैगोर, भारतेन्तु हरिशचन्द्र, विष्णु शास्त्री ह्यचिपलंकारह्ल इत्यादि के साहित्य रचनाओं का राष्ट्रवादी चेतना के विकास में अत्यधिक योगदान है।यद्यपि अंग्रेजों ने यह जताना चाहा था कि भारतीयों में राष्ट्रीय स्वशासन चलाने की योग्यता नहीं है। कुछ भारतीयों (नेताओं) और लेखकों ने यह विश्वास लगाया कि भारतीय परम्परा एवं संस्कृति प्राचीन समय से ही बड़ी विकसित रही है और अंग्रेजों को यहाँ कुछ सिखाने की आवश्यकता नहीं है। उसी समय राष्ट्रवादी इतिहासकारों ने अशोक चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य, अकबर इत्यादि की उपलब्धियों एवं अशोक चन्द्रगुप्त को बेमिसाल बताया।

आज का राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में आपको कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में मन थोड़ा परेशान रह सकता है।

वृषभ आज कारोबार को लेकर आपको कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन आज उच्च अधिकारियों के सहयोग और समर्थन से कोई बहुमूल्य वस्तु या संपत्ति प्राप्त हो सकती है।

कर्क आज भाग्य का भी पूर्ण सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में मेहनत का फल प्राप्त होगा।

सिंह आज अप्रत्याशित लाभ प्राप्त होने की संभावना है और जीवन में तरक्की के नए मार्ग खुलेंगे।

कन्या आपका दिन अच्छा रहने वाला है और कार्यस्थल पर विरोधियों की रणनीतियां भी फेल हो जाएंगी।

तुला आपके बातचीत करने का तरीका प्रभावशाली रहेगी, जिससे विशेष सम्मान की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक आज दिन शुभ रहेगा और आपको धन लाभ के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

धनु आपको सोच-समझकर फैसले लेने होंगे। आर्थिक मामलों में भी सावधान रहने की जरूरत है।

मकर आज दिन अनुकूल रहने वाला है और आपको लाभ कमाने के अवसर मिल सकते हैं।

कुंभ बजट बनाकर धन खर्च करना होगा, अन्यथा पैसों की तंगी का सामना भी करना पड़ सकता है।

मीन आपको किसी दूर या पास की यात्रा पर जाना पड़ सकता है। यह फलदायक भी साबित हो सकती है।

विशेष

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का अमेरिका पर हमला

अमेरिका और भारत के बीच में जो शतरंज का खेल चल रहा है। उसमें अब मोहरा बनकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सामने आए हैं।उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, कुछ लोग अपने आप को दुनिया का बास समझते हैं। उन्हें भारत की तरक्की बर्दाश्त नहीं हो रही है। भारत के ऊपर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। जबरदस्ती व्यापार संधि करना चाहते हैं। वह भी ट्रंप का नाम सीधे लेने से बच रहे थे। टैरिफ के माध्यम से ही उन्होंने ट्रम्प पर हमला किया, इतना करने के लिए भी दम चाहिए होती है। वह राजनाथ सिंह ने दिखा दी है।

सारी दुनिया में भारत के चुनाव आयोग की ख्याति

भारत का केंद्रीय चुनाव आयोग सारी दुनिया में चर्चित हो गया है। राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग द्वारा की गई मतदाता सूची में गड़बड़ियों को उजागर किया। सारी गड़बड़ी चुनाव आयोग की मतदाता सूची में थी चुनाव आयोग राहुल गांधी से ही सबूत मांग रहा था। जब सबूत दे दिए तो सब शपथ पत्र मांग रहा है। 300 सांसदों ने संसद से निर्वाचन आयोग जाने का मार्च निकाला। दिल्ली पुलिस ने सांसदों को हिरासत में ले लिया।सारी दुनिया में चुनाव आयोग की जो ख्याति हो रही है।वह बिना पैसे के हो रही है। यह अलग बात है ,चुनाव आयोग की छवि को धब्बा लगा है। ख्याति तो ख्याति है ,चाहे अच्छी हो या बुरी। वह भी जब फ्री में मिले तो क्या बुरा है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1744: प्रसिया नरेश फ्रेडेरिक द्वितीय के हमले के बाद दूसरो सिलेशियन युद्ध शुरू हुआ था. 1769: नेपोलियन बोनापार्ट का जन्म. 1771: स्काटिश उपन्यासकार वाल्टर स्काट का जन्म. 1834: ब्रिटिश संसद ने दक्षिण अफ्रीका अधिनियम पारित किया. 1854: ईस्ट इंडिया रेलवे ने कलकत्ता से हुगली तक पहली बार रेलगाड़ी चलाई. 1906: चीन और ब्रिटेन के बीच तिब्बत के बारे में समझौता हुआ था. 1947 :भारत स्वतंत्र हुआ और परमवीर चक्र, महावीर चक्र और वीर चक्र सम्मान वीर सैनिकों के लिए शुरू किए गए. 1961: पूर्वी जर्मनी ने बर्लिन की दीवार का निर्माण कार्य शुरू किया. 1972: डाक विभाग ने पिन कोड व्यवस्था लागू की थी. 1982: टेलीविजन से राष्ट्रव्यापी रंगीन प्रसारण शुरू हुआ. 1999: नेपाल में बाढ़ तथा भूस्खलन से कम से कम 112 लोगों की मृत्यु.

दैनिक पंचांग

15 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2025 वर्ष का 227 वा दिन दिशाशूल पश्चिम ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण)
पक्ष कृष्ण **तिथि** सप्तमी 23.50 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 07.36 बजे को समाप्त। **योग** गण्ड 10.17 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 12.59 बजे तदनन्तर बव 23.50 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 21.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 14° 02'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872437
जूलियन दिन 2460902.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446 **महीना** सफर **तारीख** 20 **विशेष** शीतला सातम, जन्माष्टमी, आद्याकाली जयंती, स्वतंत्रता दिवस।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	05.48 बजे से
चंद्र	मेष में	कन्या	08.00 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.11 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.25 ब.से
गुरू	मिथुन में	धनु	14.41 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	16.46 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.33 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.06 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	21.36 बजे से
		वृष	23.16 बजे से
		मिथुन	01.14 बजे से
		कर्क	03.28 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23	बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51	बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10	बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38	बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

रांची में दर्दनाक सड़क हादसा, ऑटो पर धन से लदा ट्रक पलटने से एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

अनगड़ा, एजेंसी। रांची के अनगड़ा थाना क्षेत्र के रांची-मुरी मार्ग पर स्थित चमघटी के पास बुधवार रात हुई भीषण सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। इस दुर्घटना में रांची के मौलाना आजाद कालोनी, कांटाटोली में रहने वाले टेंपो चालक 30 वर्षीय गयासुद्दीन, उनकी पत्नी, पुत्र और मां की जान चली गई। यह परिवार मूल रूप से पुरुलिया के झालदा का रहनेवाला था। घटना के वक्त गयासुद्दीन अपने परिवार के सदस्यों के साथ ऑटो से झालदा से ही आ रहा था। बुधवार शाम अनगड़ा के चमघटी के पास एक धान लदा ट्रक ऑटो को धक्का मारते हुए ऑटो के ऊपर पलट गया।इससे ऑटो के सभी यात्री ट्रक के नीचे दब गए और मौके पर ही ऑटो चालक समेत सभी चारों सवारियों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। इस दुर्घटना में ऑटो पूरी तरह से पिचक गया।सूचना पाकर मौके पर पहुंचे अनगड़ा थाना प्रभारी हीरालाल साह, राजाडेरा के पूर्व मुखिया मोतीराम मुंडा, समाजसेवी उमेश महतो आदि ने घायल को इलाज के लिए सीएचसी अनगड़ा भेजा। गंभीर स्थिति देखते हुए डॉक्टरों ने यहां से बेहतर इलाज के लिए रिम्स भेज दिया। बताया जाता है कि गयासुद्दीन मौलाना आजाद कालोनी के जाने-माने परिवार से थे। उनका झालदा व रांची दोनों जगहों पर मकान है। दोनों जगहों पर परिवार के लोगों का समय-समय पर आना-जाना लगा रहता है। गयासुद्दीन के परिवार में अब उसका एक बेटा और दो बेटियां बची हैं। परिवार का मुखिया और कमाने वाला गयासुद्दीन ही था। परिवार में एक भाई भी है।

देवघर कोरियाशा बाइपास पर हुआ हादसा, तेज रफ्तार ट्रक मिट्टी के मकान में घुसा, बाल-बाल बचे घरवाले, चालक हुआ फरार

देवघर, एजेंसी। देवघर कोरियाशा बाइपास पर गुरुवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक अचानक बेकाबू होकर सड़क किनारे बने मिट्टी के मकान में जा घुसा। इस हादसे में मकान मालिक खोसो तुरी घायल हो गए। उनके पैर में गंभीर चोट आई है। घटना के समय घर के अंदर बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग मौजूद थे, लेकिन सौभाग्य से सभी लोग बड़ी दुर्घटना से बच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक की रफ्तार इतनी अधिक थी कि टकराते ही मिट्टी का बना पूरा मकान ढह गया। मलबे के बीच से परिवार के सदस्यों को ग्रामीणों ने सुरक्षित बाहर निकाला। हादसे के तुरंत बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। हादसे की खबर फैलते ही आसपास के गांवों से लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। बड़ी संख्या में ग्रामीणों के एकत्र होने से देवघर-गिरिडीह मुख्य सड़क पर यातायात बाधित हो गया। कई वाहन लंबे समय तक जाम में फंसे रहे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को हटाया और यातायात बहाल करने का प्रयास शुरू किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाइपास पर भारी वाहनों की रफ्तार अक्सर बहुत तेज रहती है। हादसे के समय भी ट्रक असंतुलित होकर मकान में जा घुसा। ग्रामीणों ने बताया कि इस मार्ग पर बार-बार ऐसी घटनाएं हो रही हैं, लेकिन गति नियंत्रण के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। ट्रक को सड़क से हटाने के लिए क्रेन मंगाई गई। पुलिस ने बताया कि फरार ड्राइवर की पहचान कर उसे जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

मिहिजाम के राजबाड़ीजंगल में लकड़बग्घे का खौफ :बछड़े को बनाया शिकार

जामताड़ा, एजेंसी। जामताड़ा जिले के मिहिजाम थाना क्षेत्र के राजबाड़ी कचरा पट्टी के जंगल में एक लकड़बग्घे की मौजूदगी ने स्थानीय लोगों में भय का माहौल बना दिया है। तीन दिन पहले इस जंगली जानवर ने एक गाय के बछड़े को अपना शिकार बना लिया था, जिसके बाद ग्रामीणों की चिंता और बढ़ गई। हमले की जानकारी ग्रामीणों ने न केवल आपस में साझा की, बल्कि वॉट्सऐप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए भी फैलाकर सभी को सतर्क रहने को कहा। घटना को गंभीरता से लेते हुए मिहिजाम थाना प्रभारी विवेकानंद दूबे ने जामताड़ा वन विभाग से तुरंत कार्रवाई का अनुरोध किया। बुधवार की रात वन विभाग की टीम पुलिस के साथ घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने स्थानीय लोगों से बातचीत कर घटना की जानकारी जुटाई और उन्हें सावधान रहने की सलाह दी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक लकड़बग्घा पकड़ा नहीं जाता या जंगल में वापस नहीं लौट जाता, तब तक लोगों को विशेष सतर्कता बरतनी होगी। वन क्षेत्र पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार ने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे रात में जंगल के आसपास या सुनसान रास्तों पर न निकलें। उन्होंने कहा कि लकड़बग्घा आमतौर पर रात में सक्रिय रहता है, जिससे खतरा बढ़ जाता है। जरूरत पड़ने पर बाहर निकलें और कोशिश करें कि समूह में ही जाएं। वन विभाग की टीम लगातार इस क्षेत्र में पेट्रोलिंग कर रही है। पुलिस और वन विभाग मिलकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि लकड़बग्घा दोबारा किसी जानवर या इंसान पर हमला न कर सके। टीम उसकी गतिविधियों पर नजर रख रही है और सुरक्षित तरीके से पकड़ने या भगाने की रणनीति बना रही है।

नाइट शिफ्ट के लिए तैयार टाटा स्टील, महिलाओं की काउंसलिंग शुरू

जमशेदपुर, एजेंसी। टाटा स्टील, देश की सबसे पुरानी इस्पात निर्माता कंपनी, ने झारखंड में महिला कर्मचारियों के लिए नाइट शिफ्ट शुरू करने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। यह कदम झारखंड कारखाना अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन के बाद संभव होगा, जिसके लिए राष्ट्रपति भवन से अगस्त 2025 तक अनुमोदन की उम्मीद है। यह पहल कार्यस्थल पर लैंगिक समावेशिता को बढ़ावा देगी और झारखंड को उन राज्यों की सूची में शामिल करेगी, जहां महिलाएं नाइट शिफ्ट में काम कर सकती हैं।

झारखंड के श्रम विभाग ने कारखाना अधिनियम में संशोधन के लिए पहले एक प्रस्ताव राष्ट्रपति को भेजा था, जिसे खारिज कर दिया गया। राष्ट्रपति कार्यालय ने निर्देश दिया कि महिला कर्मचारी केवल स्वेच्छा से नाइट शिफ्ट में काम कर सकती हैं, बशर्ते उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो। इसके बाद नया प्रस्ताव भेजा गया, जिसमें महिलाओं को उनकी सहमति और सुरक्षा उपायों के साथ नाइट शिफ्ट की अनुमति दी जाएगी। सूत्रों के अनुसार, अगस्त 2025 में मंजूरी मिलने की संभावना है। इस बदलाव से टाटा स्टील सहित झारखंड की अन्य प्रमुख कंपनियां भी प्रभावित होंगी।

टाटा स्टील का मानव संसाधन विभाग हॉट स्ट्रिप मिल और जमशेदपुर के अन्य प्लांटों में कार्यरत महिला कर्मचारियों की काउंसलिंग कर रहा है। काउंसलिंग में स्वेच्छा से सहमति, नाइट शिफ्ट के लाभ, और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी जा रही है। कंपनी ने नाइट शिफ्ट में काम करने वाली महिलाओं की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी लेने का वादा किया है, जिसमें सुरक्षित परिवहन, सीसीटीवी निगरानी, और कार्यस्थल पर महिला सुपरवाइजर की

मौजूदगी शामिल है। वर्तमान में हॉट स्ट्रिप मिल में 75 और पूरे जमशेदपुर प्लांट में 2,000 से अधिक महिला कर्मचारी कार्यरत हैं। नियमावली में बदलाव के बाद यह व्यवस्था माइंस, कोलियरी, मार्केटिंग, और सेल्स डिवीजनों तक विस्तारित होगी।

यह कदम झारखंड में लैंगिक समानता की दिशा में महत्वपूर्ण है। टाटा स्टील की पहल से महिलाओं को समान कार्य अवसर मिलेंगे, जिससे उनकी आर्थिक स्वतंत्रता और आत्मविश्वास बढ़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि नाइट शिफ्ट में महिलाओं की भागीदारी से उत्पादकता और कार्यस्थल पर विविधता को बढ़ावा मिलेगा। टाटा स्टील ने पहले भी महिला कर्मचारियों के लिए टेक्नीशियन प्रशिक्षण और नेतृत्व विकास जैसे प्रगतिशील कार्यक्रम लागू किए हैं, जिन्होंने महिलाओं को तकनीकी और प्रबंधकीय भूमिकाओं में सशक्त बनाया है।

भारत में कई राज्यों ने कारखाना अधिनियम, 1948 और दुकान एवं स्थापना अधिनियम में संशोधन कर महिलाओं को नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति दी है, बशर्ते उनकी सहमति और सुरक्षा सुनिश्चित हो।

इन राज्यों में नाइट शिफ्ट की अनुमति सख्त शर्तों के साथ दी गई है, जैसे सुरक्षित परिवहन, सीसीटीवी, महिला सुपरवाइजर, और यौन उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम का अनुपालन। पश्चिम बंगाल जैसे कुछ राज्यों में अभी भी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में नाइट शिफ्ट पर प्रतिबंध है। झारखंड के प्रस्तावित संशोधन के मंजूर होने पर यह सूची में शामिल हो जाएगा।

पलामू में रिटायर्ड दरोगा के बेटे किया सुसाइड, सुसाइड नोट में लिखा- पत्नी को संपत्ति में हिस्सा मत देना

पलामू, एजेंसी। पलामू के सदर थाना क्षेत्र के सिंगरा गांव में रिटायर्ड दरोगा 30 वर्षीय बेटे सुशांत पासवान ने फांसी लगाकर जान दे दी। सुशांत ने सुसाइड नोट में अपनी पत्नी जया देवी पर अवैध संबंधों का आरोप लगाया है। साथ ही लिखा कि उसकी मृत्यु के बाद जमीन-जायदाद में हिस्सा पत्नी को नहीं, बल्कि बच्चों को दिया जाए। घटना के समय सुशांत अपने बेटे के साथ घर आया। उसकी मां कुछ देर के लिए बाहर गई थी, जबकि पिता दरवाजे पर सफाई कर रहे थे। सुशांत अचानक अपने कमरे में गया और फांसी लगा ली। करीब 15 मिनट बाद जब मां लौटीं तो बेटे को फंदे पर लटका देखा। तुरंत उतारकर बचाने की कोशिश की गई, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

जानकारी के मुताबिक, 7 जुलाई को भी पति-पत्नी के बीच झगड़ा हुआ था। इसका जिक्र सुशांत ने अपनी डायरी में किया था। पत्नी ने तब आगे गलती न करने का वादा भी लिखा था। कुछ समय पहले अवैध संबंधों के आरोप लगने पर पत्नी घर से भाग गई थी और छत से कूदने जैसी हरकत भी की थी। सुशांत मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के बारालोटा में पत्नी और दो बच्चों के साथ रहता था। घटना से दो दिनों पहले वह अपने सिंगरा गांव आया था। परिवार और रिश्तेदारों के अनुसार, वह पिछले कुछ दिनों से मानसिक तनाव में था। सुशांत ने अपने पिता के नाम लिखे सुसाइड नोट में लिखा, ÷पापा हमें माफ कर दीजिएगा। मेरा इस परिवार के साथ इतना दिन तक चलना तकदीर में लिखा था। मेरे चलते आप लोगों की बदनामी हुई। अब मैं जिंदगी नहीं जी सकता।÷ उसने आगे लिखा कि उसके परिवार की ऐसी स्थिति के लिए सूरज कुमार पासवान, पिता ब्रिजबिहारी पासवान है। उसकी मां का नाम उषा देवी है। वह पेशे से शिक्षिका है। नोट में उसने यह भी लिखा कि पुलिस और अदालत में मामला दर्ज कराया जाए और बच्चों के हक की रक्षा हो।

प्रदेश के पांच दलों पर मंडराया मान्यता रद होने का खतरा, चुनाव आयोग ने भेजा नोटिस

रांची, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने झारखंड के पांच राजनीतिक दलों को नोटिस जारी किया है। इनमें हजारीबाग के आपका हमारा पार्टी, गिरिडीह के बहुजन सदन मोर्चा, पूर्वी सिंहभूम के झारखंड दिशोम पार्टी, रांची के हम किसान पार्टी एवं झारखंड जनाधिकार पार्टी सम्मिलित हैं।

इनके द्वारा पिछले छह वर्षों से लोकसभा/विधानसभा के आम चुनाव/उप चुनाव में भाग नहीं लिया गया है। राजनीतिक दलों के पंजीकरण के लिए दिशानिर्देशों में उल्लेख है कि यदि कोई दल लगातार छह वर्षों तक चुनाव नहीं लड़ता है, तो उस दल को पंजीकृत दलों की सूची से हटा दिया जाएगा।

इसके अलावा, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के अनुसार, दलों को उनके पंजीकरण के समय नाम, पता, पदाधिकारी आदि जैसे विवरण देने होते हैं और किसी भी बदलाव को बिना किसी देरी के आयोग को सूचित करना होता है। उक्त दलों को राजनीतिक दलों की सूची से हटाने के क्रम में आयोग से प्राप्त निर्देश के आलोक में अध्यक्ष/महासचिव को पार्टी के तरफ से शपथ पत्र सहित लिखित पक्ष मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय, रांची को भेजने के लिए 22 अगस्त तक देने के निर्देश इन दलों को दिए गए हैं। साथ ही 29 अगस्त को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड द्वारा पूर्वाह्न 11.00 बजे सुनवाई के लिए तिथि एवं समय निर्धारित की गई है। इस आशय की सूचना राजनीतिक दलों को आयोग द्वारा उनके पंजीकृत पते पर भी भेजी गई है। साथ ही इसकी जानकारी समाचार पत्रों में आम सूचना के माध्यम से एवं विभाग के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी प्रसारित की गई है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा उक्त राजनीतिक दलों के प्राधिकृत प्रतिनिधियों से इस संबंध में ससमय वांछित कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है।

24 घंटे के अंदर सुधारें व्यवस्था, वर्ना होगी कार्रवाई : नगर आयुक्त

धनबाद, एजेंसी। नगर निगम की संवेदक कंपनी रेमकी और सफाई कर्मियों के बीच वेतन कटौती को लेकर विवाद जारी है। इस वजह से निगम क्षेत्र में संपूर्ण रूप से सफाई शुरू नहीं हुई। इसी बीच नगर आयुक्त रविराज शर्मा ने एजेंसी को 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी है कि यदि 24 घंटे में व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो एजेंसी का अनुबंध रद्द कर दिया जायेगा। इधर चार दिनों से सफाई कर्मी, ड्राइवर और सहायक कार्य का बहिष्कार कर रहे हैं। कतरास अंचल के आउटसोर्सिंग एजेंसी रेमकी के कर्मियों ने रणधीर वर्मा चौक पर प्रदर्शन किया। इससे पहले, नौ जुलाई से ही सफाई कर्मियों ने आंदोलन की राह पकड़ ली थी, जब जुलाई माह के वेतन से 500 से 2000 रुपये तक की कटौती की गयी थी।

विवाद के बावजूद नगर निगम ने कुछ इलाकों में सफाई कार्य शुरू करने

की कोशिश की है। धनबाद के बाद झरिया अंचल में डोर-टू-डोर कचरा उठाव मंगलवार से शुरू हो गया है। वहीं कतरास अंचल में भी निगम कर्मियों ने कुछ क्षेत्रों में काम शुरू किया, लेकिन यह प्रयास बेहद सीमित रहा। बड़ी संख्या में क्षेत्र अब भी कचरे से अटे पड़े हैं।

रेमकी की ओर से सफाई कर्मियों को आश्वासन दिया गया है कि काटे गए वेतन की भरपाई 10 दिनों के भीतर कर दी जायेगी, लेकिन सफाई कर्मियों का संगठन इसे मानने को तैयार नहीं है। उनका कहना है कि जब तक बकाया वेतन का भुगतान नहीं होता, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

मंगलवार को कतरास अंचल से आये बड़ी संख्या में सफाई कर्मियों ने जनता श्रमिक संघ के बैनर तले रणधीर वर्मा चौक पर विरोध प्रदर्शन किया। धरना के बाद संघ के नेताओं ने एसडीओ, उपायुक्त, नगर निगम प्रशासक और एसएसपी को ज्ञापन सौंपा। अधिकारियों ने रैमकी कंपनी से समन्वय कर समाधान का आश्वासन दिया। प्रदर्शन में संघ के प्रदीप कुमार सिन्हा, केडी पांडेय, शैलेन्द्र सिंह उर्फ छोटू आदि थे।

नगर निगम प्रशासक रविराज शर्मा ने कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था बाधित होना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने एजेंसी को 24 घंटे के भीतर सभी अंचलों में काम बहाल करने का आदेश दिया है। साथ ही चेतावनी दी कि आदेश का पालन न करने पर एजेंसी का अनुबंध रद्द कर दूसरी एजेंसी को जिम्मेदारी दी जायेगी।

पहले पत्नी को मारा, फिर ट्रेन से कट कर दी जान, वॉट्सऐप पर लिखा- पत्नी का है अवैध संबंध

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर के परसुडीह इलाके में गुरुवार को एक दर्दनाक घटना ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया। पोटका सीएससी में नर्स के पद पर कार्यरत 34 वर्षीय शिल्पी मुखर्जी की उसके पति साहब मुखर्जी ने गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद साहब मुखर्जी ने सुंदरनगर थाना क्षेत्र के नंदूप के पास ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जान दे दी।

घटना से पहले साहब मुखर्जी ने अपने मोबाइल के वॉट्सऐप स्टेटस और एक सुसाइड नोट के जरिए पत्नी पर किसी अन्य व्यक्ति के साथ प्रेम प्रसंग होने का आरोप लगाया। स्टेटस में उन्होंने स्पष्ट रूप से लिखा कि उन्होंने पत्नी की हत्या कर दी है। अब खुद भी जिंदगी खत्म करने जा रहे हैं।

परसुडीह थाना प्रभारी अविनाश कुमार के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि साहब मुखर्जी ने पहले पत्नी का गला घोंटा और फिर चाकू व हमाल दस्ते (एक प्रकार का धारदार औजार) से हमला किया। पुलिस का मानना है कि यह वारदात घरेलू विवाद और शक की वजह से हुई।

मृतका के भाई अमित कुमार ने बताया कि शिल्पी की शादी चार साल पहले साहब मुखर्जी से हुई थी। घटना की जानकारी शिल्पी की सास ने मेरी मां को दी कि दामाद साहेब का एक्सीडेंट हो गया है। बाद में बाद में सच्चाई सामने आई कि पहले बहन की हत्या हुई और फिर जीजा ने आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परसुडीह पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। वहीं, सुंदरनगर पुलिस ने रेलवे ट्रैक से साहब मुखर्जी का शव बरामद किया। दोनों घटनाओं की जांच समानांतर रूप से जारी है।

आरोपों की सच्चाई जांचने में जुटी पुलिस

इधर, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि साहब मुखर्जी द्वारा लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है। फिलहाल, प्रारंभिक साक्ष्यों और परिजनों के बयान के आधार पर यह मामला घरेलू विवाद से जुड़ा हुआ माना जा रहा है।

कोडरमा में निकाली गई तिरंगा यात्रा, अन्नपूर्णा देवी बोलीं- आज देशभक्ति की बयार बह रही है

कोडरमा, एजेंसी। हर चेहरे पर गर्व, हर कदम पर देशभक्ति और हर आवाज में भारत के लिए सम्मान के साथ कोडरमा के झुमरीतिलैया में एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, विधायक डॉ नीरा यादव समेत जिले के कई लोग और व्यवसायी वर्ग के लोग शामिल हुए।

इस दौरान अन्नपूर्णा देवी ने शहीद स्मारकों पर माल्यार्पण भी किया। तिरंगा यात्रा की शुरुआत शहर के सुभाष चौक से हुई, जो झंडा चौक होते हुए महाराणा प्रताप चौक पहुंची। तिरंगा यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में भारत माता की जय, वंदे मातरम के नारों से जोश और गर्व का माहौल बना रहा। तिरंगा यात्रा में स्कूली बच्चे भी तिरंगा लिए हुए शामिल हुए।

तिरंगा यात्रा से पूर्व मंगलवार को जिले के सभी शहीद स्मारकों पर स्वच्छता अभियान चलाते हुए महापुरुषों की प्रतिमाओं की साफ सफाई की गई। पीएम मोदी के आह्वान पर हर घर तिरंगा अभियान को लेकर हर तरफ उत्साह दिख रहा है और लोग देशभक्ति के जोश से ओत-प्रोत नजर आ रहे हैं।

खूंटी के तोरपा और कर्रा प्रखंड क्षेत्र में आयोजित तिरंगा यात्रा और हर घर तिरंगा अभियान में पूर्व सीएम सह पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा शामिल हुए। तिरंगा यात्रा और हर घर तिरंगा अभियान में देशभक्ति के नारे लगाए गए और देश की आजादी में शहीद हुए स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया गया।

तिरंगा यात्रा का उद्देश्य आजादी के महान पर्व को जन-जन तक पहुंचाना है। तिरंगा यात्रा में शामिल स्थानीय लोगों और भाजपा कार्यकर्ताओं का जोश देखते ही बन रहा था। खूंटी के कई इलाकों में स्कूली विद्यार्थियों और अर्द्धसैनिक बल के जवानों ने भी बाइक में तिरंगा लगाकर भारत माता की जय, वीर शहीद अमर रहे के नारे लगाते नजर आए।

हाईकोर्ट ने रैयतों का घर हटाने या तोड़ने पर लगाई रोक

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट में बुधवार को हजारीबाग स्थित एनटीपीसी के पंकरी-बरवाडीह कोल परियोजना मामले में सुनवाई हुई। जस्टिस राजेश कुमार की अदालत ने रैयतों के लिए कट ऑफ डेट निर्धारण और घरों को पुराने कानून से मुआवजा देकर घर से बेघर करने के मामले में सरकार और एनटीपीसी को हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। साथ ही अदालत ने अगली सुनवाई तक रैयतों के आवास पर किसी तरह की कार्रवाई करने पर रोक लगा दी है। रैयतों की ओर से अधिवक्ता श्रेष्ठ गौतम और हिमांशु हर्ष ने पक्ष रखते हुए कहा कि एनटीपीसी ने सीबी एक्ट और भूमि अधिग्रहण अधिनियम 1894 के प्रावधानों के तहत जमीन का अधिग्रहण किया है, लेकिन जमीन अधिग्रहण के लिए निर्धारित शर्तों का पालन नहीं किया गया है। रैयतों की जमीन और घर पर पुराने नियम के तहत ही कब्जा किया जा रहा है। रैयतों को जबरन बेघर किया जा रहा है। रैयतों को नोटिस देकर घर खाली करने के लिए कहा जा रहा है। इसलिए वर्तमान में चल रही कीमत के अनुसार सामाजिक सर्वे करके मुआवजा तय किया जाना चाहिए। अदालत ने प्रार्थी का पक्ष सुनने के बाद जिला प्रशासन और एनटीपीसी को रैयतों के किसी भी घर को अगली सुनवाई तक हटाने या तोड़ने पर रोक लगा दी है। रांची7न्यायायुक्त अनिल कुमार मिश्रा नंबर-1 की अदालत में बुधवार को हिंदूवादी नेता भैरव सिंह की जमानत याचिका पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और अद्यतन केस डायरी देखने के बाद उसकी ओर से दाखिल जमानत याचिका खारिज कर दी।

देवघर से तीन साल में चार लाख से अधिक यात्रियों ने भरी उड़ान

देवघर, एजेंसी। देवघर एयरपोर्ट तीन साल का हो गया है। साल दर साल फ्लाइट और यात्रियों की संख्या बढती जा रही है। वर्ष 2024 से 2025 जुलाई तक दिल्ली, बेंगलोर, मुंबई और कोलकाता के लिए 1.36 लाख यात्रियों ने देवघर से सफर किया। गुवाहाटी और हैदराबाद के लिए भी उड़ान शुरू करने की तैयारी है।

देवघर हवाई अड्डे ने अपने तीन साल के सफर में एक शानदार उपलब्धि हासिल की है। 12 जुलाई 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका उद्घाटन किया था। झारखंड के इस एयरपोर्ट ने न केवल यात्रियों की संख्या बल्कि राजस्व में भी लगातार वृद्धि दर्ज की है। शुरुआत में दो फ्लाइट्स से शुरू हुआ यह सफर आज चार बड़े शहरों तक पहुंच गया है, जिसने लाखों लोगों की यात्रा को आसान बनाया है।

आंकड़ों के अनुसार, 2022 से 2024 के दो सालों में कुल 2,92,779 यात्रियों ने देवघर से हवाई यात्रा की। पहले साल लगभग 1.13 लाख यात्रियों ने आना-जाना किया, जबकि दूसरे साल यह संख्या बढ़कर 1.79 लाख हो गई। तीसरे साल में, यह आंकड़ा और भी प्रभावशाली

रहा। अकेले 2024-25 के दौरान, 1.36 लाख से अधिक यात्रियों ने दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई और कोलकाता जैसे शहरों के लिए एकतरफा यात्रा की। अगर आने और जाने वाले यात्रियों को भी मिलाया जाए, तो यह संख्या 2.72 लाख से अधिक हो जाती है, जो एयरपोर्ट की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है।

यात्रियों की बढ़ती संख्या का सीधा असर एयरपोर्ट के राजस्व पर भी पड़ा है। टिकट बिक्री से करीब 77.50 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। इस सफलता से उत्साहित होकर, दिल्ली के लिए दूसरी फ्लाइट भी शुरू की गई है। जल्द ही गुवाहाटी और हैदराबाद जैसे शहरों के लिए भी उड़ानें शुरू होनी है। जिससे देवघर की कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। एयरपोर्ट पर दिन और रात दोनों समय सेवाएं उपलब्ध होने से यात्रियों को और भी अधिक सहूलियत मिल रही है।

देवघर एयरपोर्ट ने न केवल देवघर के लोगों को, बल्कि संथाल परगना के छह जिलों के साथ-साथ धनबाद, गिरिडीह, भागलपुर, बांका और जमुई जैसे पड़ोसी क्षेत्रों के निवासियों को भी हवाई यात्रा का बेहतर विकल्प दिया है। अब इन क्षेत्रों के लोगों को बड़े शहरों तक पहुंचने के लिए कम समय लगता है, जिससे उनका समय और पैसा दोनों बचता है। यह आंकड़ा यह साबित करता है कि हवाई सेवा की संख्या बढ़ने पर यात्रियों की संख्या भी स्वाभाविक रूप से बढ़ेगी, जिससे देवघर एयरपोर्ट का भविष्य काफी उज्ज्वल नजर आता है। यह एयरपोर्ट अब सिर्फ यात्रा का साधन नहीं, बल्कि इस क्षेत्र की प्रगति का प्रतीक बन गया है, जो आने वाले समय में और भी नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तैयार है।

78वां या 79वां इस साल होगा कौन सा स्वतंत्रता दिवस

आजादी के 78 साल पूरे होने पर आज भी कई लोगों को इस बात का कंफ्यूजन है कि हम इस साल 78वां या 79वां कौन सा स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं. आइए इस स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हम इसी कंफ्यूजन को दूर करते हैं.

15 अगस्त 1947 को हमने ब्रिटिश सरकार के 200 सालों के राज के बाद आजादी हासिल की थी. हमारे देश के नायकों के त्याग, तपस्या और बलिदान का नतीजा था की हमने अपनी शर्तों पर अपने देश में रहने लगे. इसी दिन को याद कर हर साल पूरे देश में हर्ष उल्लास रहता है. इसके लिए तैयारियों पहले से होने लगती है. पिछले साल ही हमने आजादी का अमृत महोत्सव मनाया अब अपने 100 साल से सफर के लिए आगे बढ़ गए हैं. लेकिन, आजादी के इतने सालों बाद कई लोगों ने इस बात का कंफ्यूजन रहता है कि इस साल 78वां या 79वां कौन सा स्वतंत्रता दिवस मनाया जा रहा है.

15 अगस्त 1947 की आधी रात को भारत को अंग्रेजों से आजादी मिली. हमें ब्रिटिश राज से आजाद होने में 200 साल से अधिक का समय लगा. इस दौरान हमारे नायक अलग-अलग तरीकों और समय पर लड़ते रहे. इसकी का परिणाम था कि 15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ और पहले प्रधानमंत्री के रूप में पंडित जवाहर लाल नेहरू ने लाल किले पर हमारा प्यारा तिरंगा फहराया. इसके बाद से स्वतंत्रता दिवस पर हर साल दिल्ली के लाल किले पर राष्ट्रीय तिरंगा झंडा फहराते की परंपरा चल पड़ी.

78वां या 79वां स्वतंत्रता दिवस

आजाद भारत का इस साल 79वां स्वतंत्रता दिवस होगा. आप अब भी कंफ्यूज हैं तो आइए समझते हैं इसके पीछे की गणित. चूंकि पहली बार 15 अगस्त सन 1947 को देश के आजाद होने पर झंडा फहराया गया था. तकनीकी रूप से ये दिन देश का पहला स्वतंत्रता दिवस था. इसके बाद 15 अगस्त 1948 को भारत का दूसरा स्वतंत्रता दिवस और आजादी की पहली वर्षगांठ थी. इस हिसाब से 15 अगस्त 2025 को आजादी की 78वीं वर्षगांठ और 79वां स्वतंत्रता दिवस होगा. यानी अब हम आजादी के 78 साल पूरे कर अपने 100 साल के सफर के लिए आगे बढ़ गए हैं.

खास होने वाला है स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता दिवस आजादी का त्यौहार हमारी स्वतंत्रता का प्रतीक है. यह दिन में एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में हासिल उपलब्धियों के जश्न मनाने का मौका है. इस साल भी समूचा भारत आजादी का जश्न मनाने के लिए तैयार है, सबकुछ न्यौछावर करने की सौगंध खाने को भी तत्पर हैं. इस साल हम आजादी के अमृत महोत्सव से एक साल आगे बढ़ गए हैं. इस बीच देश ने काफी कुछ हासिल किया है. इस कारण भारत का ये राष्ट्रीय त्यौहार और भी खास होने वाला है.

लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां जोरों पर

देश की राजधानी दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां जोरों पर हैं। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर लाल किले की सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले पर झंडारोहण के लिए विशेष मंच तैयार किया जा रहा है। इस मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को संबोधित करेंगे और राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। तैयारियों के तहत लाल किले को सजाया जा रहा है और सुरक्षा व्यवस्था सख्त की गई है। स्वतंत्रता दिवस पर देशभर से लोग लाल किले पहुंचेंगे और झंडारोहण समारोह में भाग लेंगे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी

स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए व्यापक तैयारियां की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं, लाल किले के आस-पास सुरक्षा घेरा मजबूत किया जा रहा है। इसके अलावा लाल किले को रोशनी से सजाया जा रहा है और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी की जा रही है। देशभर से लोग स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले पहुंचेंगे। 15 अगस्त 1947 को भारत को ब्रिटिश हुकूमत से आजादी मिलने के बाद हर साल 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस ऐतिहासिक दिन को मनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस दिन स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया जाता है और आजादी का जश्न मनाया जाता है। स्वतंत्रता दिवस के दिन देशभर में झंडारोहण, परेड, और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

भारत भाग्य विधाता!

स्वतंत्रता दिवस ऐसा दिन है जब हम अपने महान् राष्ट्रीय नेताओं और स्वतंत्रता सेनानियों को अपनी श्रद्धांजलि देते हैं जिन्होंने विदेशी नियंत्रण से भारत को आज़ाद कराने के लिए अनेक बलिदान दिए और अपने जीवन न्यौछावर कर दिए। 15 अगस्त 1947 को भारत के निवासियों ने लाखों कुर्बानियां देकर ब्रिटिश शासन से स्वतन्त्रता प्राप्त की थी। यह राष्ट्रीय पर्व भारत के गौरव का प्रतीक है। प्रत्येक वर्ष 15 अगस्त को सरकारी बिल्डिंगों पर तिरंगा झण्डा फहराया जाता है तथा रौशनी की जाती है। प्रधानमंत्री प्रातः 7 बजे लाल क़िले पर झण्डा लहराते हैं और अपने देशवासियों को अपने देश की नीति पर भाषण देते हैं। हज़ारों लोग उनका भाषण सुनने के लिए लाल क़िले पर जाते हैं।

सन 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महायज्ञ का प्रारम्भ महर्षि दयानन्द सरस्वती ने प्रारम्भ किया और अपने प्राणों को भारत माता पर मंगल पांडे ने न्यौछावर किया और देखते ही देखते यह चिंगारी एक महासंग्राम में बदल गयी जिसमें झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे, नाना साहेब, सरफ़रोशी की तमन्ना लिए रामप्रसाद बिस्मिल, अशफ़ाक, चंद्रशेखर आज़ाद, भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव आदि देश के लिए शहीद हो गए। तिलक ने स्वराज्य हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है का सिंहनाद किया और सुभाष चंद्र बोस ने कहा - तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा।

अहिंसा और असहयोग लेकर महात्मा गाँधी और गुलामी की जंज़ीरों को तोड़ने के लिए लौह पुरुष सरदार पटेल जैसे महापुरुषों ने कमर कस ली। 90 वर्षों के लम्बे संघर्ष के बाद 15 अगस्त 1947 को भारत को स्वतंत्रता का वरदान मिला। भारत की आज़ादी का संग्राम बल से नहीं वरन् सत्य और अहिंसा के सिद्धांत के आधार पर विजित किया गया। इतिहास में स्वतंत्रता के संघर्ष का एक अनोखा और अनूठा अभियान था जिसे विश्व भर में प्रशंसा मिली।

स्वतंत्रता दिवस का इतिहास

मई 1857 में दिल्ली के कुछ समाचार पत्रों में यह भविष्यवाणी छपी कि प्लासी के युद्ध के पश्चात् 23 जून 1757 ई. को भारत में जो अंग्रेज़ी राज्य स्थापित हुआ था वह 23 जून 1857 ई. तक समाप्त हो जाएगा। यह भविष्यवाणी सारे देश में फैल गई और लोगों में स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए जोश की लहर दौड़ गई। इसके अतिरिक्त 1856 ई. में लार्ड कैनिंग ने सामान्य भर्ती क़ानून पास किया। जिसके अनुसार भारतीय सैनिकों को यह लिखकर देना होता था कि सरकार जहाँ कहीं भी उन्हें युद्ध करने के लिए भेजेगी वह वहीं पर चले जाएँगे। इससे भारतीय सैनिकों में असाधारण असन्तोष फैल गया। कम्पनी की सेना में उस समय तीन लाख सैनिक थे, जिनमें से केवल पाँच हज़ार ही यूरोपियन थे। बाकी सब अर्थात् यूरोपियन सैनिकों से 6 गुना भारतीय सैनिक थे।

सिपाही क्रांति 1857

जब देश में चारों ओर असन्तोष का वातावरण था, तो अंग्रेज़ी सरकार ने सैनिकों को पुरानी बन्दूकों के स्थान पर नई राइफलें देने का निश्चय किया। इन राइफलों के कारतूस में सूअर तथा गाय की चर्बी प्रयुक्त की जाती थी और सैनिकों को राइफलों में गोली भरने के

The Hindustan Times

INDIA INDEPENDENT : BRITISH RULE ENDS

CONSTITUENT ASSEMBLY TAKES OVER

MOUNTBATTEN'S APPOINTMENT AS GOVERNOR-GENERAL ENDORSED

COLOURFUL CEREMONY MARKS BIRTH OF NATION

Governors Sworn In As Free India Is Born

NEW STAR RISES IN THE EAST

लिए इन कारतूसों के सिरे को अपने दाँतों से काटना पड़ता था। इससे हिन्दू और मुसलमान सैनिक भड़क उठे। उन्होंने ऐसा महसूस किया कि अंग्रेज़ सरकार उनके धर्म को नष्ट करना चाहती है। इसलिए जब मेरठ के सैनिकों में ये कारतूस बाँटे गए तो 85 सैनिकों ने उनका प्रयोग करने से इन्कार कर दिया। इस पर उन्हें कठोर दण्ड देकर बन्दीगृह में डाल दिया गया। सरकार के इस व्यवहार पर भारतीय सैनिकों ने 10 मई, 1857 के दिन हर-हर महादेव, मारो फिरंगी को, का नारा लगाते हुए विद्रोह कर दिया।

स्वतंत्रता की राह

20वीं शताब्दी में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और अन्य राजनीतिक संगठनों ने महात्मा गाँधी के नेतृत्व में एक देशव्यापी आंदोलन चलाया। महात्मा गांधी ने हिंसापूर्ण संघर्ष के विपरीत सविनय अवज्ञा अहिंसा आंदोलन को सशक्त समर्थन दिया। उनके द्वारा विरोध प्रदर्शन के लिए मार्च, प्रार्थना सभाएं, विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार और भारतीय वस्तुओं को प्रोत्साहन देना आदि अचूक हथियार थे। इन रास्तों को भारतीय जनता ने समर्थन दिया और स्थानीय अभियान राष्ट्रीय आंदोलन में बदल गए। इनमें से कुछ मुख्य आयोजन - असहयोग आंदोलन, दांडी मार्च, नागरिक अवज्ञा अभियान और भारत छोड़ो आंदोलन थे। शीघ्र ही यह स्पष्ट हो गया कि भारत अब उपनिवेशवादी शक्तियों के नियंत्रण में नहीं रहेगा और ब्रिटिश शासकों ने भारतीय नेताओं की मांग को मान लिया। यह निर्णय लिया गया कि यह अधिकार भारत को सौंप दिया जाए और 15 अगस्त 1947 को भारत को यह अधिकार सौंप दिया गया।

स्वतंत्रता की पूर्व संध्या

राष्ट्रपति द्वारा स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम संदेश प्रसारित किया जाता है। इसके बाद अगले दिन लाल क़िले से तिरंगा झण्डा फहराया जाता है। राज्य स्तर पर विशेष स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिसमें झण्डा फहराने के आयोजन, मार्च पास्ट और सांस्कृतिक आयोजन शामिल हैं। इन आयोजनों को राज्यों की राजधानियों में आयोजित किया जाता है और मुख्यमंत्री इन कार्यक्रमों की अध्यक्षता करते हैं। छोटे पैमानों पर शैक्षिक संस्थानों, आवास संघों, सांस्कृतिक केन्द्रों और राजनीतिक संगठनों द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

स्वतंत्रता दिवस का प्रतीक पतंग

स्वतंत्रता दिवस के दिन लाल क़िले पर तिरंगा झण्डा लहराया जाता है

स्वतंत्र भारत की घोषणा

15 अगस्त 1947 स्वतंत्रता दिवस पर जवाहरलाल नेहरू, लॉर्ड माउन्ट बैटन और एडविना 14 अगस्त 1947 को रात को 11.00 बजे संघटक सभा द्वारा भारत की स्वतंत्रता को मनाने की एक बैठक आरंभ हुई, जिसमें अधिकार प्रदान किए जा रहे थे। जैसे ही घड़ी में रात के 12.00 बजे भारत को आज़ादी मिल गई और भारत एक स्वतंत्र देश बन गया। तत्कालीन स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपना प्रसिद्ध भाषण नियति के साथ भेंट दिया।

जैसे ही मध्य रात्रि हुई, और जब दुनिया सो रही थी, भारत जाग रहा होगा और अपनी आज़ादी की ओर बढ़ेगा। एक ऐसा पल आता है जो इतिहास में दुर्लभ है, जब हम पुराने युग से नए युग की ओर जाते हैं. . . क्या हम इस अवसर का लाभ उठाने के लिए पर्याप्त बहादुर और बुद्धिमान हैं और हम भविष्य की चुनौती को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं

- पंडित जवाहरलाल नेहरू

इसके बाद तिरंगा झण्डा फहराया गया और लाल क़िले की प्राचीर से राष्ट्रीय गान गाया गया।

स्वतंत्रता दिवस पर घर पर ही फहरा रहे हैं तिरंगा, भूलकर भी न करें ये गलतियां

भारत अपना 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए तैयार है. पिछले साल की तरह इस साल भी भारत सरकार ने लोगों से हर घर तिरंगा अभियान में हिस्सा लेने की अपील की है. हर घर तिरंगा अभियान के तहत पीएम मोदी ने सभी से अपने घर की छत, बालकनी पर तिरंग फहराने की अपील की है. साथ ही इसकी फोटो शेयर करनी की भी अपील की है. यदि आप भी हर घर तिरंगा अभियान में हिस्सा ले रहे हैं तो कुछ बातों को ध्यान में रखना बेहद जरूरी है.

राष्ट्रीय सम्मान अधिनियम, 1971 की धारा 3.23 राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शन के दुरुपयोग के बारे में बताती है. घर पर तिरंगा फहराने के लिए कुछ खास नियम होते हैं. इसे सबसे पहला होता है तिरंगा का साइज. झंडे का आकार आयताकार होना चाहिए. वहीं, इसकी लंबाई चौड़ाई का अनुपात 3.2 होना चाहिए. अशोक चक्र में 24 तीलियां होनी चाहिए. नियमों के बदलने के बाद आप इसे 24 घंटे और 365 दिनों तक बिना रोकटोक लगा सकते हैं.

घर पर यदि तिरंगा फहरा रहे हैं तो फटा और मैला तिरंगा न फहराएं. यदि किसी कारण आपका तिरंगा फट जाता है तो उसे एकांत में जाकर नष्ट कर दें. इसके अलावा तिरंगे के ऊपर कुछ भी लिखा नहीं होना चाहिए. साथ ही इस पर कुछ भी छपा नहीं होना चाहिए. यदि आपके घर पर तिरंगे के अलावा कोई अन्य ध्वज भी फहराया हुआ है तो ध्यान रखें कि वह तिरंगे से ऊंचा न रखा जाए. साथ ही ये तिरंगे के बराबर भी न हो. सबसे अहम बात स्वतंत्रता दिवस के बाद अपनी छत या बालकनी से तिरंगे को उतार दें और तह करके रख दें. याद रखें कि किसी भी स्थित में झंडा जमीन से नहीं छूना चाहिए. झंडे के किसी भी हिस्से को यदि जलाया जाता है या उसे नुकसान पहुंचाया जाता है तो इसके लिए तीन साल की जेल की सजा का प्रावधान है.

उमड़ पड़ा था जनसैलाब

इतिहास के झरोखों से देखें तो दिल्ली की सड़कों पर तब लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था और वे एक-दूसरे को बधाई दे रहे थे। लोग सड़कों, पार्कों और चौराहों पर गीत गा रहे थे और अधिकतर लोग तिरंगे को हाथ में लेकर संसद की तरफ बढ़ रहे थे। कहा जाता है कि यह एक ऐसा सैलाब था जिसका जोश सातवें आसमान पर था और यह दृश्य वाकई में अद्भुत था, जिसकी कोई कल्पना भी कोई नही कर सकता था। युवा पूरी रात घूमते रहे। इसी तरह की खबरें तब देश के अन्य हिस्सों से भी आ रहीं थीं।

इंद्रधनुष का नज़र आना

इतिहास के पन्नों पर नजर डालें तो तब देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 16 अगस्त की सुबह-सुबह साढ़े आठ बजे लाल क़िले की प्राचीर पर ध्वजारोहण किया। इतिहासकारों की मानें तो उस समय पंडित नेहरू ने सुभाषचंद्र बोस के चलो दिल्ली के नारे और लाल क़िले से आजादी का झंडा फहराए जाने के सपने का जिक्र किया था। कोलकाता के रहने वाले शेखर चक्रवर्ती ने अपने संस्मरणों फ्लैग्स एंड स्टैम्प्स में लिखा है- 15 अगस्त, 1947 के दिन वायसराइल लॉज (अब राष्ट्रपति भवन) में जब नई सरकार को शपथ दिलाई जा रही थी, तो लॉज के सेंट्रल डोम पर सुबह साढ़े दस बजे आजाद भारत का राष्ट्रीय ध्वज पहली बार फहराया गया था। इस दौरान आसमान में इंद्रधनुष दिखाई दिया, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। इंद्रधनुष की इस घटना का जिक्र लॉर्ड माउंट बेटन ने भी अपनी रिपोर्ट में किया था, जिसमें उन्होंने इंद्रधनुष के रहस्यमयी तरीके से अचानक दिखने का जिक्र करते हुए इसे चमत्कार से कम नहीं कहा था। 15 अगस्त, 1947 को जब संसद के सामने तिरंगा फहराया गया तो ऐसा लगा कि आसमान भी प्रफुल्लित हो उठा है और उसी समय बारिश की हल्की बौछारें होने लगीं और कुछ देर बाद इंद्रधनुष निकल आया। इन सबके अलावा एक घटना का अक्सर जिक्र होता है जिसके अनुसार, जब पंडित नेहरू लाल क़िले की प्राचीर से झंडा फहरा रहे थे तो उस समय साफ नीले आसमान में एक इंद्रधनुष नजर आया है। इस इंद्रधनुष को देखकर वहां उपस्थित हर शख्स हैरान रह गया था।

देशभक्ति का प्रदर्शन

भारत एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत वाला देश है और यह दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहाँ के नागरिक देश को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने की वचनबद्धता रखते हैं जहां तक इसके संस्थापकों ने इसे पहुंचाने की कल्पना की। जैसे ही आसमान में तिरंगा लहराता है, प्रत्येक नागरिक देश की शान को बढ़ाने के लिए कठिन परिश्रम करने का वचन देता है और भारत को एक ऐसा राष्ट्र बनाने का लक्ष्य पूरा करने का प्रण लेता है जो मानवीय मूल्यों के लिए सदैव अटल है।

तिरंगे के साथ ही दिखने लगा इंद्रधनुष

15 अगस्त, 1947 को यूं तो देश आजाद हो गया था, लेकिन 15 अगस्त को जब पहली बार तिरंगा फहराया गया तो उस समय अचानक से आसमान में इंद्रधनुष नजर आया, जिसे देखकर सब लोग हैरान रह गए थे। आजादी के बाद से ही हर वर्ष स्वतंत्रता दिवस का मुख्य कार्यक्रम दिल्ली के लाल क़िले पर आयोजित किया जाता है। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम 16 अगस्त, 1947 से चला आ रहा है, जब लाल क़िले की प्राचीर से तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने ध्वजारोहण किया था। तब पूरा देश जश्न के माहौल में डूबा हुआ था और हर जगह लोग एक-दूसरे को बधाई दे रहे थे।

भारत के निर्यात पर संकट... अब नहीं मिल रहे ऑर्डर

बिटकॉइन ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

सोना-चांदी छोड़कर क्रिप्टो की ओर भागे निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी। बिटकॉइन रॉकेट की तरह आसमान छू रहा है। यह 124,000 डॉलर के नए रिकॉर्ड शिखर पर पहुंच गया। यह उछाल अमेरिकी शेयर बाजारों के साथ हुआ, जहां निवेशकों ने जोखिम भरी संपत्तियों में पैसा लगाया। ब्लूमबर्ग के मुताबिक पिछला रिकॉर्ड (14 जुलाई का 123,205 डॉलर) टूट गया और गुरुवार सुबह सिंगापुर में बिटकॉइन 124,000 डॉलर पर कारोबार कर रहा था।

शेयर बाजार भी चमका

यह क्रिप्टो उछाल ठीक उसी समय हुआ, जब अमेरिका का प्रमुख सूचकांक स×क500 लगातार दूसरे दिन रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा। गर्मियों से चली आ रही यह रैली अब क्रिप्टो तक फैल गई है।

उछाल के 3 बड़े कारण

- **कानूनी माहौल साफ :** डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने क्रिप्टो के लिए अनुकूल नीतियां बनाईं।
- **कंपनियों की दिलचस्पी :** माइकल सेलर जैसे नेताओं की कंपनियां बिटकॉइन खरीद रही हैं। अब छोटी क्रिप्टो करेंसी, जैसे ईथर भी इस लहर में शामिल हो गई हैं।
- **ब्याज दरों की उम्मीद :** अमेरिकी मुद्रास्फीति आंकड़े सामान्य रहे, जिससे लगता है कि सितंबर में ब्याज दरें घटेंगी। इससे निवेशक सोना-चांदी छोड़कर क्रिप्टो की ओर भागे।

एचडीएफसी बैंक ने भी न्यूनतम बैलेंस सीमा बढ़ाई

नया बचत खाता खोलने पर रखने होंगे 25000 रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीआईसीआई बैंक के बाद अब एचडीएफसी बैंक ने भी बचत खाते में न्यूनतम बैलेंस रखने की सीमा बढ़ा दी है। यह नियम एक अगस्त, 2025 के बाद खाता खुलवाने वाले सभी ग्राहकों पर लागू होगा। इसके तहत, अब नया बचत खाता खोलने पर ग्राहक को मासिक न्यूनतम बैलेंस

25,000 रुपये बनाए रखना होगा। खाते में रकम इससे कम होने पर जुर्माना लगेगा। पहले न्यूनतम बैलेंस सीमा 10,000 रुपये थी। यह नया नियम सभी बड़े मेट्रो और अर्बन शहरों में लागू किया गया है। हालांकि, पुराने खातों पर इसका असर नहीं होगा। इससे पहले आईसीआईसीआई बैंक ने न्यूनतम बैलेंस सीमा 10,000 से बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दी थी। विरोध के बाद बैंक ने सीमा घटाकर अब 15,000 रुपये कर दी है।

नए बाजारों की तलाश शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय उत्पादों पर अमेरिका के भारी भरकम 50 फीसदी टैरिफ ने देश के कई प्रमुख निर्यात उद्योगों के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। इसका असर न सिर्फ भारत के 55 फीसदी निर्यात पर पड़ेगा, बल्कि राज्यों के सामने भी नई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। हालांकि, टैरिफ का असर सभी क्षेत्रों में एक समान नहीं है, लेकिन कहीं पुराने सौदों पर संकट है, तो कहीं भविष्य के ऑर्डर ठप होने की आशंका बढ़ गई है। प्रमुख निर्यात उद्योग अब वैकल्पिक बाजारों की तलाश में जुट गए हैं, ताकि टैरिफ से होने वाले संभावित नुकसान की भरपाई हो सके।

हरियाणा के जिलों का हाल

भारत 127 देशों को करीब 60 लाख टन बासमती चावल निर्यात करता है। इसमें से करीब 2.70 लाख टन यानी चार फीसदी बासमती चावल अमेरिका जाता है। बासमती चावल उत्पादन और निर्यात के मामले में देश का करीब 40 फीसदी हिस्सा हरियाणा में तरावड़ी (करनाल) से जाता है। भारत पर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ ने बासमती चावल निर्यातकों की चिंता जरूर बढ़ा दी है, लेकिन बड़े नुकसान की आशंका नहीं है। ऑल इंडिया राइस एक्सपोर्ट एसोसिएशन के प्रधान सतीश गोयल का कहना है कि करनाल में दावत, श्रीजगदंबा, डबल चाबी, एरोमा, वीर, ग्लैक्सी, महारानी, दोनार और डीडी इंटरनेशनल जैसे बड़े ब्रांड हैं।

सिंगापुर के जरिये अमेरिका में होगा व्यापार

हरियाणा चैंबर ऑफ कॉमर्स पानीपत चैप्टर के प्रधान विनोद धमीजा ने बताया, तुर्किये अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई चुनौती है। सिंगापुर के जरिये ही अमेरिका में व्यापार की गुंजाइश है। यूके से द्विपक्षीय समझौते से कुछ लाभ मिल सकता है। अफ्रीकी देशों में व्यापार बढ़ाया जाएगा। ब्राजील में भी अच्छा बाजार है।

पानीपत: टेक्सटाइल उद्योग के 500 करोड़ के ऑर्डर पर संकट

पानीपत उत्तर भारत का बड़ा टैक्सटाइल हब है, जहां से हर साल करीब 20,000 करोड़ रुपये का निर्यात होता है। इसमें से 10,000 करोड़ रुपये तक का व्यापार अकेले अमेरिकी बाजार से जुड़ा है। निर्यातकों का कहना है कि अमेरिका के टैरिफ बढ़ाने से 500 करोड़ रुपये के पुराने ऑर्डर पर संकट आ गया है। नए ऑर्डर नहीं मिल रहे हैं। कुछ कंपनियां पहले ही अन्य देशों में संभावनाएं तलाश रही हैं।

2.50 लाख रोजगार पर संकट

पानीपत में 35,000 टेक्सटाइल इकाइयां हैं। इनमें 500 एक्सपोर्ट हाउस हैं। इनसे करीब 2.5 लाख लोगों को रोजगार मिला है। नए ऑर्डर नहीं मिलने पर इनकी आजीविका पर असर पड़ेगा।

रोहतक-नट-बोल्ट उद्योग की बिगड़ी चाल, 70 प्रतिशत हिस्से पर असर

रोहतक का नट-बोल्ट उद्योग सालाना 5,000 करोड़ का कारोबार करता है। इसमें 70 फीसदी निर्यात अमेरिका को होता है। उद्यमियों का कहना है कि 7 अगस्त से नया टैरिफ लागू होता है तो न सिर्फ आपूर्ति प्रभावित होगी, बल्कि कारोबार मुश्किल हो जाएगा। चिंता की बात है कि कुछ कंपनियों को दो महीने से अमेरिका से कोई ऑर्डर नहीं मिला है। बड़ी कंपनियां पुराने ऑर्डर को पूरा करने में जुटी हैं। भविष्य के लिए जो ऑर्डर मिले हैं, उनकी आपूर्ति पर टैरिफ का असर दिखेगा। अतिरिक्त टैरिफ से जिले की औद्योगिक इकाइयों के लिए दुनिया के बड़े बाजारों में माल बेचना मुश्किल हो जाएगा, क्योंकि उत्पाद 25 फीसदी तक महंगा हो जाएगा। इसका असर कंपनी पर सीधा न

- **सरकार का भरोसा...खोज लिए जाएंगे नए बाजार-** वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से ऑल इंडिया राइस एक्सपोर्ट एसोसिएशन ने तीन अगस्त को मुलाकात की थी। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि नुकसान की भरपाई के लिए नए बाजार खोजे जाएंगे।

लंबी छुट्टियों में घूमने की तैयारी

होटलों के किराये में 8 प्रतिशत तक उछाल; अग्रिम बुकिंग में तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस पर लंबी छुट्टी के कारण देशभर के पर्यटक विभिन्न स्थानों की यात्रा करने की तैयारी कर रहे हैं। यात्रा में लोगों की बढ़ती दिलचस्पी के कारण होटलों के किराये में 8 फीसदी तक बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। रॉयल ऑर्किड होटल्स (आरओएचएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक चंदर के बालजी ने कहा, 14 से 17 अगस्त तक विस्तारित सप्ताहांत (वीकेंड) में लोग घूमने की योजना बना रहे हैं। बुकिंग भी आ रही है, लेकिन इसकी रफ्तार अभी पूरी तरह से नहीं बढ़ी है। उम्मीद है कि अंतिम समय में बुकिंग तेजी से बढ़ेगी, जो घरेलू बाजार में लंबे सप्ताहांत के लिए काफी सामान्य बात है। उन्होंने आगे कहा, पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में होटलों के किराये में करीब 1,280 रुपये की बढ़ोतरी देखी जा रही है। अनुमान है कि इस बार औसत कमरा किराया (एआरआर) करीब 6,450 रुपये रहेगा, जो खुदरा सेगमेंट में पिछले साल के 6,000 रुपये की तुलना में सात से आठ फीसदी अधिक है।

40 प्रतिशत तक बढ़ी बुकिंग

इंडियन होटल्स कंपनी लि. (आईएचसीएल) के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ पुनीत चटवाल ने कहा, स्वतंत्रता दिवस पर लंबी छुट्टी को लेकर लोगों में उत्साह है। इसका असर बाजार पर भी देखने को मिल रहा है। वहीं, होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचएआई) के चेयरमैन केबी काचरू ने कहा, कई होटलों में पहले से ही अग्रिम बुकिंग में बढ़ोतरी देखी जा रही है। कुछ होटलों में बुकिंग में पिछले साल की तुलना में 40 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है।

बुधवार को सबसे ज्यादा रही मांग

मेकमाईट्रिप के सह-संस्थापक एवं सीईओ राजेश मागो ने कहा, पिछले कुछ वर्षों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लोग अधिक यात्रा करने लगे हैं। स्वतंत्रता दिवस शुक्रवार को होने के कारण यात्रा की मांग दो दिन पहले बुधवार (13 अगस्त) को चरम पर पहुंच गई।

5000 करोड़ का सालाना कारोबार करता है नट-बोल्ट उद्योग

मुंबई। जसमेर लाठर, एमडी, एरो फास्टनर्स के एमडी जसमेर लाठर ने बताया, हम अमेरिका, यूके और यूरोप में नट-बोल्ट की आपूर्ति करते हैं। टैरिफ के कारण यहां से करीब 50 करोड़ रुपये के ही ऑर्डर बुक हुए हैं।

पंजाब में भी अमेरिका से मोहभंग, भाने लगे रूस समेत ठंडे देश- ट्रंप की टैरिफ नीतियों से आहत निर्यातक अब अन्य देशों से संपर्क साध रहे हैं। रेडिमेड कपड़ों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद लुधियाना के वुलेन गारमेंट्स कारोबारियों का अमेरिका से मोहभंग हो गया है। वे अब रूस समेत अन्य ठंडे देशों के खरीदारों के साथ सीधे संपर्क में हैं। उनका तर्क है कि आने वाले वक्त में नए बाजारों में अपनी पकड़ मजबूत करने अमेरिका से होने वाले नुकसान की भरपाई हो सकेगी। लेकिन, इसमें सरकार का सहयोग भी जरूरी है।

इन देशों के बाजारों को खंगाल रहे कारोबारी- कारोबारियों का कहना है, ऑस्ट्रेलिया और यूके समेत कई देशों में भारतीय उत्पादों की अच्छी मांग है।

भ्रामक विज्ञापनों पर नकेल

- **अब खाद्य सामग्रियों की गहन जांच कराएगी सरकार, हितधारक परामर्श में एफएसएसएआई की भी अपील**

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने दिल्ली में खाद्य लेबलिंग, विज्ञापन और दावों पर उच्चस्तरीय राष्ट्रीय हितधारक परामर्श का आयोजन किया। उपभोक्ता मामलों के विभाग की सचिव निधि खरे ने भ्रामक विज्ञापनों को समाप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने निर्माताओं से आग्रह किया कि वे लेबलिंग को केवल विपणन उपकरण के बजाय विश्वास का कारक मानें। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, परामर्श का उद्देश्य नियमों की समीक्षा, कार्यान्वयन की चुनौतियों का समाधान करना और उपभोक्ता संरक्षण, जन स्वास्थ्य और उद्योग नवाचार को बढ़ावा देने के लिए भारत के मानकों को वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप बनाना था।

हमें खाद्य उत्पादों की अधिक बारीकी से करनी होगी जांच: स्वास्थ्य सचिव

स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने खाद्य क्षेत्र में लेबलिंग और विज्ञापन में नैतिक और सत्यनिष्ठ प्रथाओं के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, आज चीजें तेजी से बदल रही हैं। अब हम पूरी दुनिया के संपर्क में हैं। इसका मतलब है कि हमें खाद्य उत्पादों की अधिक बारीकी से जांच करनी होगी।

झूठे स्वास्थ्य और पोषण संबंधी दावों के खिलाफ दी चेतावनी- प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने विज्ञापनों में वैज्ञानिक दावों के बाहरी सत्यापन की जरूरत पर जोर दिया। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव प्रभात ने झूठे स्वास्थ्य और पोषण संबंधी दावों के खिलाफ चेतावनी दी और बताया कि इनसे जनता का विश्वास कम हो सकता है और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंच सकता है।

हितधारक परामर्श में 700 प्रतिनिधियों ने लिया भाग

इस हितधारक परामर्श में केंद्र और राज्य सरकारों, वैज्ञानिक विशेषज्ञों, खाद्य व्यवसायों, उद्योग संघों, उपभोक्ता संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों के लगभग 700 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

भारत में इनकम संकट पर दिग्गज की चेतावनी

अफ्रीका और पाकिस्तान से भी बदतर...

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई स्थित फाइनेंशियल प्लानर डी मुथुकृष्णन के अनुसार, भारत का आर्थिक विभाजन जितना दिखता है, उससे कहीं अधिक गहरा है। निचले 90 प्रतिशत लोगों की कमाई राष्ट्रीय आय का सिर्फ 43 प्रतिशत है और वे राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के आधे से भी कम पर गुजारा कर रहे हैं। एक्स पर एक पोस्ट में, मुथुकृष्णन ने भारत के आर्थिक ताने-बाने में गहरी संरचनात्मक असमानता को उजागर किया। जहां राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2,700 डॉलर है, वहीं, टॉप 10 प्रतिशत कमाने वालों को हटा देने पर यह आंकड़ा निचले 90 प्रतिशत लोगों के लिए गिरकर सिर्फ 1,300 डॉलर रह जाता है। उन्होंने लिखा, यह सब-सहारा अफ्रीका और पाकिस्तान से भी बदतर है। अगर आप टॉप 15 करोड़ लोगों में शामिल नहीं हैं, बल्कि बाकी 1.3 अरब लोगों का हिस्सा हैं, तो हर दिन सचमुच नरक है।

क्या है डिटेल

मुथुकृष्णन ने भारत के अपेक्षाकृत बड़े अमीर वर्ग द्वारा पैदा की गई समृद्धि के भ्रम की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि 15 करोड़ उच्च आय वालों के साथ, देश वास्तविकता से कहीं अधिक समृद्ध प्रतीत होता है। लेकिन शेष 1 अरब लोगों के लिए, वास्तविकता

भयावह है। सिंधु घाटी रिपोर्ट का हवाला देते हुए, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि लगभग एक अरब भारतीयों की पर्चेजिंग पावर बिल्कुल शून्य है, वे केवल बुनियादी जरूरतों पर ही खर्च करते हैं और ज्यादातर सरकारी मदद पर गुज़ारा करते हैं।

रिलायंस इंफ्रा बनाम अरावली पावर

526 करोड़ का अवार्ड अनिल अंबानी की कंपनी के पक्ष में

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने अरावली पावर कंपनी के खिलाफ 526 करोड़ रुपये का मध्यस्थता फैसला जीता है। यह अनुकूल परिणाम मध्यस्थ न्यायाधिकरण के उस फैसले के

परिणामस्वरूप आया है, जिसमें उनके अनुबंध की समाप्ति को अमान्य माना गया था। अरावली पावर द्वारा किया गया अनुबंध अवैध था

कंपनी ने बुधवार को बताया कि तीन सदस्यीय मध्यस्थ न्यायाधिकरण ने बहुमत से यह माना है कि अरावली पावर द्वारा किया अनुबंध समाप्त करना अवैध था। गलत तरीके से अनुबंध समाप्त करने के कारण हुए नुकसान और लागत के लिए कंपनी के दावों को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया।

दूसरे मामले में हुई अरावली पावर की जीत

1 जुलाई को, दिल्ली उच्च न्यायालय ने अरावली पावर कंपनी से रिलायंस इंफ्रा की याचिका पर जवाब मांगा। इसमें पिछले साल दिसंबर में अनिल अंबानी की कंपनी के खिलाफ जीते गए 600 करोड़ रुपये के मध्यस्थता फैसले को लागू करने की मांग की गई थी। अरावली पावर ने अनुबंध के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए 2018 में रिलायंस इंफ्रा को टर्मिनेशन नोटिस जारी किया था और आर्बिट्रेशन का सहारा लिया था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त तीन सदस्यीय आर्बिट्रल ट्रिब्यूनल ने बहुमत से अपने फैसले में 419 करोड़ रुपये की मूल राशि, 5 करोड़ रुपये की लागत, 149 करोड़ रुपये का ब्याज और वास्तविक भुगतान की तारीख तक मूल राशि पर भविष्य का ब्याज देने का आदेश दिया था।

इंफोसिस खरीद रही ऑस्ट्रेलिया की वर्सेंट में 75 प्रतिशत हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय आईटी कंपनी इंफोसिस ने बुधवार को घोषणा की कि वह ऑस्ट्रेलिया की टेलस्ट्रा ग्रुप की पूरी तरह से स्वामित्व वाली कंपनी वर्सेंट ग्रुप में 75 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी। इसके लिए इंफोसिस लगभग 233.3 मिलियन ऑस्ट्रेलियन डॉलर (करीब 153 मिलियन अमेरिकी डॉलर) देगी। इस बिजनेस अपडेट का असर आज इंफोसिस के शेयरों पर देखने को मिल सकता है। आज इस आईटी कंपनी के शेयर फोकस में रहेंगे। रॉयटर्स के मुताबिक वर्सेंट ग्रुप ऑस्ट्रेलिया में वित्त, ऊर्जा, सार्वजनिक सेवाएं, सरकार और शिक्षा जैसे क्षेत्रों की संस्थाओं को क्लाउड सेवाएं प्रदान करता है। इंफोसिस ने कहा कि यह सौदा उसकी ऑस्ट्रेलिया में मौजूदगी को मजबूत करेगा।

वॉल स्ट्रीट में उछला शेयर- यह खबर सुनते ही अमेरिका में लिस्टेड इंफोसिस के शेयरों में उछाल आया और वे 1.6 प्रतिशत बढ़कर 16.33 डॉलर पर पहुंच गए। हालांकि, यह सौदा पूरा होने में समय लगेगा। इसे वित्तीय वर्ष 2026 की दूसरी छमाही तक पूरा किया जाना है, बशर्ते ऑस्ट्रेलिया की विदेशी निवेश समीक्षा बोर्ड और प्रतिस्पर्धा आयोग की मंजूरी मिल जाए।

शेयर प्राइस ट्रेंड

बुधवार को इंफोसिस के शेयर 0.16 पर्सेंट की तेजी के साथ 1426.40 रुपये पर बंद हुए थे। पिछले एक साल में यह स्टॉक 21 फीसद से अधिक टूट चुका है।

आईटी कंपनी के कामगारों को मिली स्वतंत्रता दिवस की सौगात

नई दिल्ली, एजेंसी। इंफोमेशन टेक्नोलॉजी सेक्टर की अमेरिकी मल्टीनेशनल कंपनी कॉग्निजेंट की तरफ से एक बड़ी घोषणा हुई है। आईटी कंपनी ने कहा है कि उसके लगभग 80 प्रतिशत कर्मचारियों को वेतन में इसी साल वृद्धि होगी। यह वेतन वृद्धि 1 नवंबर, 2025 से लागू होगी।

कहां से आई खबर

मशहूर आईटी कंपनी ने अपनी दूसरी तिमाही की अर्निंग की घोषणा के दौरान यह जानकारी दी है। कंपनी ने बताया है कि वह साल 2025 की दूसरी छमाही में अधिकांश कर्मचारियों के लिए योग्यता-आधारित वेतन वृद्धि की योजना बना रही है। कॉग्निजेंट के एक प्रवक्ता ने गुरुवार को कहा, यह वेतन वृद्धि सीनियर

एसोसिएट स्तर तक के कामगारों को दी जाएगी। वेतन वृद्धि की राशि व्यक्तिगत प्रदर्शन और देश के आधार पर अलग-अलग होगी।

मतलब कि अलग अलग देश में काम करने वालों के वेतन का पैमाना अलग अलग होगा।

कंपनी के अनुसार, इसके करीब 80 प्रतिशत योग्य कर्मचारियों को 1 नवंबर, 2025 से वेतन में वृद्धि का लाभ मिलेगा। जाहिर है कि भारत में, लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों के वेतन में अच्छी वृद्धि होगी।

बोनस भी दिया था

कॉग्निजेंट ने इसी साल की शुरुआत में, अपने ज्यादातर एसोसिएट्स को को पिछले तीन सालों में सबसे ज्यादा बोनस दिया था। इस बार भी कंपनी ने कहा है कि जो कर्मचारी सबसे अच्छा काम करते हैं, उन्हें सबसे ज्यादा फायदा होगा।

आईएसएल 2025

आईएसएल विवाद में AIFF ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। आईएसएल क्लबों ने एक पत्र में कहा कि अगर एआईएफएफ उनके अनुरोध पर कार्रवाई नहीं करता है तो उनके पास स्वतंत्र रूप से न्यायिक सहायता लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। राष्ट्रीय महासंघ ने अब जवाब दिया है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बुधवार को खेल की सर्वोच्च संस्था और आईएसएल क्लबों के कानूनी सलाहकारों से शीर्ष स्तरीय लीग के आगामी सत्र को लेकर अनिश्चितता के बीच टीमों की चिंताओं पर 'चर्चा' करने का अनुरोध किया। पिछले सप्ताह 11 इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लबों

ने एआईएफएफ से आग्रह किया था कि वह आईएसएल के भविष्य को लेकर अनिश्चितता से उत्पन्न भारतीय फुटबॉल की 'वर्तमान स्थिति' को तत्काल उच्चतम न्यायालय के ध्यान में लाए जिसके समक्ष राष्ट्रीय महासंघ के संविधान से संबंधित एक मामला लंबित है। आईएसएल क्लबों ने एक पत्र में कहा कि अगर एआईएफएफ उनके अनुरोध पर कार्रवाई नहीं करता है तो उनके पास स्वतंत्र रूप से न्यायिक सहायता लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। राष्ट्रीय महासंघ ने अब जवाब दिया है। एआईएफएफ ने ट्वीट किया, एआईएफएफ को शुक्रवार आठ अगस्त 2025 की शाम को 11 इंडियन सुपर लीग क्लबों से एक पत्र मिला जिसमें सामूहिक रूप से उच्चतम न्यायालय को आईएसएल से जुड़ी मौजूदा अनिश्चितता से अवगत कराने का अनुरोध किया गया था।

बासित अली की पाकिस्तान को चेतावनी, बोले, इतना मारेंगे कि सोचा भी नहीं होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम को वेस्टइंडीज दौरे में मिली शर्मनाक हार के बाद टीम की आलोचना तेज हो गई है. पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर बासित अली ने तो यहां तक कह दिया कि अगर भारत एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने का फैसला करता है, तो टीम को ऐसी हार मिलेगी जिसके बारे में कभी सोचा भी नहीं होगा.पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज की शुरुआत अच्छी की थी और पहला मैच जीतकर 1-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन इसके बाद टीम का प्रदर्शन पूरी तरह से बिखर गया. दूसरे वनडे में हार के बाद तीसरे मैच में तो हालत और भी खराब रही. इस मुकाबले में पाकिस्तान की बल्लेबाजी ताश के पत्तो की तरह बिखरी नजर आई. पहले तीन ओवरों में ही साइम अयूब, अब्दुल्ला शफीक और कप्तान मोहम्मद रिजवान बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए. इसके बाद गिरते विकेटों का सिलसिला थम नहीं सका और पूरी टीम 30 ओवर के भीतर सिर्फ 92 रन पर ढेर हो गई. कैरेबियन तेज गेंदबाज जेडन सील्स ने आठ ओवर में 18 रन देकर 6 विकेट लिए. उनकी शानदार गेंदबाजी के चलते पाकिस्तान 202 रन से हार गया और सीरीज 1-2 से वेस्टइंडीज के नाम हो गई. पाकिस्तान के इस प्रदर्शन पर बासित अली ने 'द गेम प्लान' यूट्यूब चैनल पर कहा, मैं चाहता हूं कि भारत एशिया कप में भी पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इंकार कर दे, जैसे वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के फाइनल में किया था.

विश्व कप पर नजरें, ग्लेन मैक्सवेल गेंदबाजी में कर रहे सुधार

केर्न्स, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के करिश्माई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल अगले साल भारतीय उपमहाद्वीप में होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए पावरप्ले के ओवरों में अधिक प्रभाव छोड़ने के लिए अपने स्पिन गेंदबाजी कौशल को निखार रहे हैं। टी20 विश्व कप 2026 में भारत और श्रीलंका में आयोजित किया जाएगा और अगर मैक्सवेल फिट रहते हैं तो उनका ऑस्ट्रेलिया की टीम में जगह बनाना तय है। वह नियमित रूप से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलते रहे हैं और भारतीय उपमहाद्वीप की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। मैक्सवेल ने अपनी गेंदबाजी क्षमता के बावजूद 2022 के टी20 विश्व कप और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही घरेलू श्रृंखला के बीच सबसे छोटे प्रारूप में पावर प्ले में कुल मिलाकर 5 ओवर फेंके हैं। लेकिन इस 36 वर्षीय खिलाड़ी का मानना है कि वह टी20 विश्व कप के दौरान पावरप्ले ओवरों में उपयोगी साबित हो सकते हैं, क्योंकि नई गेंद उपमहाद्वीप के विकेटों पर बेहतर पकड़ बनाती है।

वीनस विलियम्स को यूएस ओपन में मिला वाइल्ड कार्ड

यूएस ओपन

दो साल बाद करेंगी वापसी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ के अनुसार, 1981 में रेनी रिचर्ड्स के 47 साल की उम्र के बाद वीनस इस टूर्नामेंट के एकल मुकाबलों में हिस्सा लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होंगी।वीनस विलियम्स दो साल के अंतराल के बाद यूएस ओपन के साथ ग्रैंडस्लैम टेनिस में वापसी करेंगी। उन्हें बुधवार को वर्ष के आखिरी ग्रैंडस्लैम में 45 साल की उम्र में एकल मुकाबलों में हिस्सा लेने के लिए वाइल्ड-कार्ड मिला है। अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ के अनुसार, 1981 में रेनी रिचर्ड्स के 47 साल की उम्र के बाद यह अमेरिकी खिलाड़ी इस टूर्नामेंट के एकल मुकाबलों में हिस्सा लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होंगी। विलियम्स को अगले हफ्ते होने वाले मिश्रित युगल मुकाबले के लिए अमेरिकी टेनिस संघ द्वारा पहले ही वाइल्ड कार्ड मिल गया था। एकल मुकाबले 24 अगस्त से न्यूयॉर्क में शुरू होंगे। वीनस सात बड़े एकल खिताब जीतने वाली खिलाड़ी हैं जिसमें 2000 और 2001 में यूएस ओपन जीतना शामिल है।

पीएसजी ने यूईएफए सुपर कप जीता, फाइनल में पेनल्टी शूटआउट में टॉटेनहैम को हराया

पेरिस, एजेंसी। पीएसजी ने इस साल चैंपियंस लीग, लीग 1 और कूप डी फ्रांस का तिहरा खिताब जीता था। उसने जनवरी में ट्रॉफी डेस चैंपियंस भी जीता था। चैंपियंस लीग के चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने अपना स्वप्निल अभियान जारी रखते हुए बुधवार को पेनल्टी शूटआउट में टॉटेनहैम को हराकर यूईएफए सुपर कप जीत लिया। यह फ्रांस के इस फुटबॉल क्लब की इस साल में पांचवी ट्रॉफी है। नूनो मेंडेस ने शूटआउट में निर्णायक स्पॉट किक को गोल में बदलकर पीएसजी की शानदार वापसी को अंजाम तक पहुंचा। पीएसजी की जीत एक समय असंभव लग रही थी क्योंकि चैंपियंस लीग और यूरोपा लीग के विजेताओं के बीच खेले गए इस वार्षिक मैच में टॉटेनहैम निर्धारित समय के 85वें मिनट तक 2-0 से आगे चल रहा था। ली कांग-इन ने चिचले कोने में जोरदार शॉट लगाकर पीएसजी के लिए पहला गोल किया जबकि उनके साथी खिलाड़ी गोंकालो रामोस ने इंजरी टाइम के चौथे मिनट में बराबरी का गोल दागकर उडीन के स्टेडियो फ्रीउली में खेले गए इस रोमांचक मैच में स्कोर 2-2 कर दिया।

अश्विन ने सीएसके पर किया बड़ा दावा..

बेबी डिविलियर्स को आईपीएल में अंडर द टेबल पैसा दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इंडियन प्रीमियर लीग के अंडर द टेबल सौदों का पर्दाफाश किया है. दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अश्विन ने (चेन्नई सुपर किंग्स) को लेकर नया दावा किया है. इसमें उन्होंने कहा डेवाल्ड ब्रेविस को अंडर द टेबल भुगतान किया. डेवाल्ड को क्रिकेट जगत में बेबी डिविलियर्स के नाम से जाना जाता है. ब्रेविस सीएसके में चोटिल तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह की जगह साइन किए गए थे. अश्विन ने दावा किया कि वह टीम में सीएसके में 2.2 करोड़ रुपये में आए थे. अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि कई टीमें ब्रेविस को रिप्लेसमेंट के तौर पर लेना चाहती थीं, लेकिन अब बातचीत के बाद सीएसके ने उसके एजेंट्स को 'यादा पैसे देकर उसे साइन कर लिया था. अश्विन ने तर्क दिया कि ब्रेविस जैसे खिलाड़ी जानते हैं कि नीलामी में उन्हें बेस प्राइस से 'यादा पैसा मिलेगा, इसलिए उनके पास सौदेबाजी करने की क्षमता होती है. अश्विन ने अपने यूट्यूब वीडियो में कहा- मैं आपको ब्रेविस के बारे में कुछ बताता हूं. कुछ टीमें उनसे बात कर रही थीं, लेकिन 'यादा दाम के कारण पीछे हट गईं. जब उन्हें रिप्लेसमेंट के तौर पर लेना था, तो बेस प्राइस पर साइन होना था. लेकिन होता ये है कि आप एजेंट से बात करते हैं और खिलाड़ी कहता है, अगर मुझे थोड़ एक्सट्रा पैसे दोगे तो मैं आ जाऊंगा.

अश्विन ने बताया ब्रेविस ने कैसे किया काम

उन्होंने आगे कहा- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि खिलाड़ी को पता होता है कि अगर उसे अगले सीजन में रिलीज किया गया, तो नीलामी में अ'छा पैसा मिलेगा. इसलिए उसका कहना था, अभी अ'छा पैसा दो, नहीं तो मैं अगले साल 'यादा में चला जाऊंगा. सीएसके ने उसे पैसा देने के लिए हामी भर दी, इसलिए वो आया.

क्या डेवाल्ड ब्रेविस को एक्स्ट्रा पैसा देना ठीक या गलत?

इंडियन प्रीमियर लीग में एक मजबूत नीलामी सिस्टम है, जिसमें टीमों को तय बजट दिया जाता है ताकि वे अपनी स्क्वॉड बना सकें. टीमों के बीच बैलेंस बनाए रखने के लिए एक न्यूनतम खिलाड़ियों की संख्या पूरी करनी होती है. लेकिन अंडर-द-टेब डील्स का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि यह तय बजट (जो इस समय 120 करोड़ रुपये है) का पूरा मकसद खत्म कर देता है.

अगर अश्विन सही कह रहे हैं, तो जो टीमें गुप्त डील करती हैं, उन्हें नीलामी में फायदा मिल जाता है, क्योंकि वे खिलाड़ियों को उनके बाजार मूल्य से कम दाम में साइन कर लेती हैं.

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर ने की सगाई

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर के 25 वर्षीय बेटे अर्जुन तेंदुलकर ने सानिया चंडोक से सगाई कर ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह समारोह निजी तौर पर आयोजित किया गया था जिसमें केवल करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य ही मौजूद थे। सानिया मुंबई के प्रमुख उद्योगपति रवि घई की पोती हैं। उनके परिवार के पास इंटरकॉन्टिनेंटल होटल और ब्रुकलिन क्रीमरी आइसक्रीम ब्रांड सहित खाद्य और आतिथ्य क्षेत्र के कई प्रसिद्ध कारोबारी हैं। अपनी निजी जिंदगी को बनाए रखने के लिए जानी जाने वाली सानिया मुंबई के सबसे प्रतिष्ठित व्यावसायिक परिवारों में से एक से ताल्लुक रखती हैं। तेंदुलकर और उनके परिवार ने सगाई के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी किया है। यह समारोह एक निजी समारोह रहा, जो दोनों परिवारों के निजी स्वभाव को दर्शाता है। अर्जुन एक बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हैं जो वर्तमान में घरेलू क्रिकेट में गोवा के लिए खेलते हैं।

हेलमेट पर लगी गेंद, सिर पर हुआ असर, इंजरी के चलते तीसरा खिलाड़ी बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। इधर एशिया कप होना है, जिसके लिए भारतीय टीम का चुना जाना अभी बाकी है. उधर, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेली जा रही व्हाइट बॉल सीरीज से एक के बाद एक खिलाड़ियों के टीम से बाहर होने का सिलसिला जारी है. इस व्हाइट बॉल सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम से अब तक 3 खिलाड़ी बाहर हो चुके हैं. बाहर होने वाले तीसरे खिलाड़ी का नाम मिचेल ओवन है, जो कि कन्कशन का शिकार हुए हैं. कन्कशन के चलते मिचेल ओवन सिर्फ साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के डिसाइडर से ही नहीं बल्कि उसके बाद होने वाली वनडे सीरीज से भी बाहर हो चुके हैं.

मिचेल ओवन कन्कशन का शिकार हेलमेट पर गेंद लगने से हुए. उनके हेलमेट पर साउथ अफ्रीकी पेस कैगिसो रबाडा की गेंद लगी थी. हालांकि, गेंद ने उनके हेलमेट के ग्रिल को हिट किया था, उसके बावजूद उन्हें परेशानी होती दिखी है. मिचेल ओवन को 12 दिन का आराम दिया गया है, जिसके चलते उनके वनडे डेब्यू का इंतजार बढ़ गया है.

वनडे डेब्यू का बढ़ा इंतजार

मिचेल ओवन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए अब तक सिर्फ टी20 खेला है. उन्होंने अब तक खेले 7 टी20 इंटरनेशनल में 164.63 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं. साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में उनके डेब्यू करने की संभावना बन रही थी. मगर कन्कशन के चलते उन्हें अपनी बारी का इंतजार करना होगा.

ये दो खिलाड़ी भी हो चुके हैं ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर

लांस मॉरिस और मैट शॉर्ट बाकी दो खिलाड़ी हैं, जो कि इंजरी की वजह से इस दौरे पर ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम से बाहर हुए हैं. मॉरिस की पीठ में शिकायत हैं, जिसके चलते उन्हें सीरीज से बाहर होना पड़ा है. वहीं मैट शॉर्ट भी अपने साइड स्ट्रेन से अब तक उबर नहीं पाए हैं. लांस मॉरिस और मैट शॉर्ट की जगह टीम में आरोन हार्डी और मैट कुन्हेमन को मिली है.

ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच तीसरा टी20 16 अगस्त को खेला जाएगा. जबकि, वनडे सीरीज की शुरुआत 19 अगस्त से होगी.

शाहीन अफरीदी इन, बाबर-रिजवान आउट, सलमान कप्तान; एशिया कप के लिए ऐसी हो सकती है पाकिस्तान की टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 की शुरुआत 9 सितंबर से होगी और इस टूर्नामेंट का आयोजन दुबई में किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले देशों ने अभी अपनी-अपनी टीमों का ऐलान नहीं किया है जिसमें पाकिस्तान भी शामिल है। पाकिस्तान की टीम इस बार कैसी होगी इस पर भी सबकी निगाहें टिकी हुई है, लेकिन जिस तरह से हालात हैं उससे लगता है कि पाकिस्तान की टीम में बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को शायद ही जगह मिले।

बाबर-रिजवान को शायद ही मिले मौका

पिछले एशिया कप में पाकिस्तान की कप्तानी बाबर आजम के हाथों में थी, लेकिन इस बार वो इस टूर्नामेंट में बतौर खिलाड़ी भी शायद नहीं खेल पाएं। बाबर आजम का प्रदर्शन पिछले कुछ महीनों से काफी खराब रहा है और वो बेहद खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। इसके अलावा इस साल उन्होंने पाकिस्तान के लिए कोई भी टी20 मैच नहीं खेला है साथ ही साथ उन्हें टी20 टीम से लगातार ड्रॉप किया जा रहा है। ये इस बात का संकेत है कि पीसीबी उन्हें शायद टी20 की योजना में नहीं देख रही है।

शाहीन अफरीदी को टीम में मिल सकती है जगह

बाबर आजम के अलावा मोहम्मद रिजवान भी एशिया कप के लिए पाकिस्तान की टीम में शामिल किए जाएं इसकी भी संभावना कम ही लगती है क्योंकि बाबर के साथ-साथ उन्हें भी टी20 टीम से लगातार ड्रॉप किया जा रहा है। पाकिस्तान टी20 टीम की कमान इन दिनों सलमान आगा के हाथों में ही है और एशिया कप में ये टीम उनकी ही कप्तानी में खेलती नजर आ सकती है। वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 मैचों की टी20 सीरीज में तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी को टीम में शामिल किया गया था ऐसे में एक उम्मीद है कि उन्हें शायद एशिया कप के लिए टीम में जगह दी जाए।

फखर जमान के खेलने पर सस्पेंस

पाकिस्तान टीम के ओपनर बल्लेबाज फखर जमान वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मैच के दौरान चोटिल हो गए थे ऐसे में वो टीम में चुने जाते हैं या नहीं ये देखना दिलचस्प होगा। हालांकि एक उम्मीद ये जरूर है कि बाबर-रिजवान के अनुभव को देखते हुए पीसीबी शायद उन्हें एक मौका दे दे, लेकिन मौजूदा हालात में ये संभव दिखता नहीं है। वैसे बाबर-रिजवान को अगर एशिया कप की टीम में जगह नहीं मिलती है तो वो शायद ही टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खेलते हुए दिखाई दें।

सलमान आगा (कप्तान), फखर जमान, सईम अयूब, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), हसन नवाज, साहिबजादा फरहान, फहीम अशरफ, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद नवाज, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, हसन अली, सुफियान मुकीम, शाहीन अफरीदी।

विकास मनकतला ने स्पेशल ऑप्स 2 के किरदार के लिए 11 किलो वजन बढ़ाया

मनोरंजन की दुनिया में, शारीरिक बदलाव अक्सर एक अभिनेता की लगन और समर्पण का प्रमाण होते हैं। बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज़ 'स्पेशल ऑप्स 2' में अभय सिंह की भूमिका के लिए अभिनेता विकास मनकतला ने इसे एक नए स्तर तक पहुंचा दिया। अपने सामान्य दुबले-पतले शरीर से एक दमदार और मांसल लुक तक और फिर वापस पहले जैसी फिटनेस में लौटने की उनकी यात्रा ने दर्शकों और समीक्षकों को हैरान कर दिया है। अभय सिंह जैसे सख़्त और प्रभावशाली किरदार के लिए विक्कस को बड़ा शारीरिक परिवर्तन करना पड़ा। उन्होंने 11 किलो वजन बढ़ाया और शरीर को इस तरह गढ़ा कि वह किरदार की ताकत और गंभीरता को पूरी तरह दर्शा सके। यह बदलाव एक सावधानीपूर्वक तैयार डाइट और कठिन वर्कआउट रूटीन का नतीजा था। इसका परिणाम एक ऐसा दमदार लुक रहा जिसने किरदार की पर्सनालिटी को और भी प्रामाणिक और शक्तिशाली बना दिया।

उन्हें हर सम्मान मिलना चाहिए

मातृत्व के टास्क से अभिभूत हुईं कृष्णा ने जताया माँओ के प्रति सम्मान

छोरियां चली गांव के हालिया एपिसोड में एक बेहद भावुक मोड़ आया जब कृष्णा श्रॉफ को एक ऐसा टास्क दिया गया जिसने उन्हें और दर्शकों दोनों को गहराई से छू लिया। इस टास्क में सभी लड़कियों को छोटे बच्चों की देखभाल करनी थी – यानी एक मां की ज़िम्मेदारियों को निभाना। कृष्णा को एक छोटे बच्चे की जिम्मेदारी दी गई और शुरुआत में उन्होंने इस टास्क को बड़े उत्साह के साथ अपनाया। लेकिन जैसे ही बच्चा लगातार रोने लगा और उन्हें चुप कराना मुश्किल हो गया, कृष्णा खुद को असहाय महसूस करने लगीं और अंततः बच्चे को उसकी मां को लौटा दिया। यह पल कृष्णा के लिए एक गहरी सीख बन गया, बच्चों की देखभाल और पालन-पोषण के लिए मातृत्व की सच्चाई और उसकी जिम्मेदारियों का एहसास।

भावुक होते हुए उन्होंने खुलकर अपनी भावना व्यक्त की- ÷मेरे हिसाब से, माओं को सब कुछ मिलना चाहिए। उन्हें इस दुनिया का हर सम्मान, हर सराहना मिलनी चाहिए,÷ उन्होंने भारी मन से कहा। उनकी यह सच्ची और भावनात्मक प्रतिक्रिया दर्शकों को उनके एक ऐसे पक्ष से रूबरू कराती है जिसे पहले शायद ही कभी देखा गया हो – एक ऐसा पक्ष जो मातृत्व की असली चुनौतियों से विनम्र और अभिभूत है। कृष्णा ने इस भावुक अनुभव में थोड़ा हास्य भी जोड़ते हुए स्वीकार किया कि उन्होंने हमेशा अपने बच्चे की ख्वाहिश की थी, लेकिन यह अनुभव उन्हें दोबारा सोचने पर मजबूर कर गया। उन्होंने हंसते हुए कहा कि अब उन्हें यकीन नहीं कि वह वाकई इसके लिए तैयार हैं। उनके ईमानदार और दिल से किए गए इस कबूलनामे ने एपिसोड में भावनात्मक गहराई ला दी, और सभी को उस निस्वार्थ प्रेम और शक्ति की याद दिला दी जो माँएँ हर दिन इस दुनिया को संभाले हुए है।

छावा-द कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्में मैं कभी भी नहीं बनाऊंगा

जॉन अब्राहम जल्द ही फिल्म तेहरान में दिखेंगे। आजकल एक्टर फिल्म के प्रमोशन में बिजी है। इसी दौरान उन्होंने एक इंटरव्यू में 'छावा' और 'द कश्मीर फाइल्स' जैसी फिल्मों की पॉपुलैरिटी, सेंसरशिप और आजकल बनने वाली राष्ट्रवादी फिल्मों पर अपनी राय दी है।

एक इंटरव्यू में जॉन ने सेंसरशिप पर बात करते हुए कहा- हमें सेंसरशिप की जरूरत है, लेकिन जिस तरह से इसे कंट्रोल किया जा रहा है, उस पर थोड़ा सवालिया निशान है। वे हमारे साथ अच्छे रहे हैं, लेकिन मैं भी अपनी फिल्में जिस तरह से बनाता रहा हूं, उसके लिए जिम्मेदार रहा हूं। मैं राइट विंग या लेफ्ट विंग का नहीं हूं। मैं अराजनीतिक हूं। मेरे लिए चिंता की बात यह है कि दक्षिणपंथी फिल्मों को बहुत ऑडियंस मिलती है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वो छावा या द कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्में बनाने पर विचार करेंगे, तो जॉन ने खुलकर जवाब दिया। उन्होंने कहा- मैंने 'छावा' और 'द कश्मीर फाइल्स' नहीं देखी है, लेकिन मुझे पता है कि लोगों को यह पसंद आई है लेकिन मैं कभी भी ऐसी फिल्में नहीं बनाऊंगा।

अपने बेटे को कान्हा रूप में देख भावुक हो उठीं श्रेया घोषाल

जन्माष्टमी का पर्व भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में देशभर में बड़े श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस खास मौके पर कई लोग अपने बच्चों को बाल कृष्ण के रूप में सजाते हैं और फोटोशूट कराते हैं। इस कड़ी में मशहूर गायिका श्रेया घोषाल ने भी अपने बेटे देव्यान के साथ फोटोशूट कराया, साथ ही हाल ही में रिलीज हुए उनके नए भजन ओ कान्हा रे से जुड़ी बीटीएस झलक भी साझा की। श्रेया घोषाल ने इंस्टाग्राम पर कुछ फोटोज और वीडियो पोस्ट किए। इन तस्वीरों और वीडियो में श्रेया घोषाल का बेटा देव्यान नन्हे श्रीकृष्ण के रूप में नजर आ रहा है। सिर पर मोर मुकुट, हाथ में बांसुरी, और चेहरे पर बाल गोपाल जैसी मासूम मुस्कान, देव्यान का यह रूप उनके चाहने वालों को मंत्रमुग्ध कर रहा है। इस पर श्रेया ने बताया कि देव्यान को वीडियो में शामिल करने की कोई योजना नहीं थी, लेकिन उनके पति ने उन्हें कान्हा के रूप में तैयार किया। एक वीडियो में श्रेया नए भजन ओ कान्हा रे की शूटिंग कर रही हैं। इस दौरान उनका बेटा कान्हा के रूप में दौड़कर उनके पास चला आता है। इस रूप में उसे देख वह ममता से भर उठती हैं और शूट के बीच यशोदा मां की तरह अपने बेटे को दुलार करने लगती हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, मुझे लगता था कि मैं अपने बेटे के चेहरे के हर भाव को जानती हूं, लेकिन जब मैंने उसे छोटे कान्हा के रूप में देखा, तो मैं पूरी तरह से उसे देखकर चौंक गई। देव्यान की शूट में आने की कोई योजना नहीं थी, लेकिन उसके पापा ने उसे छोटे कान्हा का कपड़ा पहनाया और जब वह शूटिंग फ्लोर पर आया, तो मेरा दिल एक पल के लिए रुक गया और मेरी आंखों से खुशी के आंसू छलक आए। उन्होंने आगे कहा, उस दिन मुझे ऐसा लगा जैसे श्रीकृष्ण खुद मेरे आसपास मौजूद हैं। मेरा दिल उस पल को हमेशा के लिए सहेज कर रखेगा। श्रेया का यह फोटोशूट और वीडियो न केवल उनके लिए यादगार है, बल्कि फैंस के लिए भी बेहद खास है।

➢ यशोदा मां की तरह किया लाड

बेटिंग ऐप प्रमोशन मामला:

ईडी के सामने पेश हुई मंचू लक्ष्मी

अभिनेत्री और फिल्म निर्माता मंचू लक्ष्मी प्रसन्ना बुधवार को बेटिंग ऐप प्रमोशन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुईं। लक्ष्मी सुबह करीब 10 बजकर 30 मिनट पर हैदराबाद के बशीरबाग स्थित ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचीं। ईडी अधिकारियों ने उनसे सट्टेबाजी ऐप्स के प्रचार, उनके साइन किए अनुबंधों और प्राप्त फीस के बारे में पूछताछ की। केंद्रीय एजेंसी ने उनके बयान दर्ज किए और वित्तीय लेनदेन से संबंधित जानकारी जुटाई। मंचू लक्ष्मी इस मामले में ईडी के सामने पेश होने वाली चौथी अभिनेत्री हैं। इससे पहले अभिनेता प्रकाश राज, विजय देवरकोंडा और राणा दग्गुबाती भी ईडी के सामने पेश हो चुके हैं। इन अभिनेताओं से 4-5 घंटे तक पूछताछ की गई थी। राणा दग्गुबाती से सोमवार को करीब चार घंटे तक सवाल-जवाब हुए। ईडी ने पिछले महीने राणा दग्गुबाती, प्रकाश राज, विजय देवरकोंडा और मंचू लक्ष्मी को इस मामले में समन जारी किया था। प्रकाश राज 30 जुलाई और विजय देवरकोंडा 6 अगस्त को ईडी के सामने पेश हुए थे। यह मामला 29 हस्तियों, जिनमें अभिनेता, प्रभावशाली लोग और यूट्यूबर शामिल हैं, के खिलाफ दर्ज किया गया है। इन पर गैरकानूनी सट्टेबाजी ऐप्स को बढ़ावा देने का आरोप है, जो पब्लिक गैंबलिंग एक्ट, 1867 का उल्लंघन करता है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच शुरू की है, जो तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में दर्ज पांच एफआईआर पर आधारित है। मार्च 2024 में साइबराबाद पुलिस ने विजय देवरकोंडा, राणा दग्गुबाती, प्रकाश राज और अन्य के खिलाफ सट्टेबाजी ऐप्स को बढ़ावा देने के लिए मामला दर्ज किया था। राणा और विजय ने दावा किया कि उन्होंने केवल कानूनी ऑनलाइन स्किल-बेस्ड गेम्स का प्रचार किया। विजय देवरकोंडा ने 6 अगस्त को पूछताछ के बाद कहा कि उन्होंने एक गेमिंग ऐप का प्रचार किया था, जो सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त और लाइसेंस प्राप्त है। उन्होंने अपने खाते, कंपनी और वित्तीय लेनदेन की जानकारी दी। वहीं, प्रकाश राज ने बताया कि उन्होंने 2016 में एक गेमिंग ऐप का विज्ञापन किया था, लेकिन नैतिक कारणों से कोई भुगतान नहीं लिया और बाद में इसका प्रचार बंद कर दिया। ईडी अब इस मामले में वित्तीय लेनदेन और प्रचार गतिविधियों की गहराई से जांच कर रही है।

अनीता हसनंदानी ने दोस्त ऐश्वर्या खरे का लिया पक्ष, कहा-

मैं अपनी दोस्त के लिए लड़ूंगी

अभिनेत्री अनीता हसनंदानी इन दिनों रियलिटी शो छोरियां चाली गांव को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। शो में अभिनेत्री ने दोस्ती की मिसाल पेश की। हालिया एपिसोड में अनीता ने अपनी करीबी दोस्त ऐश्वर्या खरे की गैरमौजूदगी में उनका पक्ष लेते हुए कहा, ÷मैं अपनी दोस्त के लिए लड़ूंगी। शो के नए एपिसोड में एरिका पैकर्ड ने अपनी सबसे करीबी दोस्त ऐश्वर्या खरे को ही बाहर करने का फैसला लिया। यह फैसला सभी के लिए चौंकाने वाला था, खासकर अनीता के लिए, क्योंकि दो एपिसोड पहले ही एरिका ने ऐश्वर्या को अपनी सब कुछ बताया था। खास बात यह है कि जब एरिका ने यह फैसला तब सुनाया, जब ऐश्वर्या वहां मौजूद नहीं थीं। अनीता ने अपनी दोस्त की अनुपस्थिति में उनका पक्ष लिया और कहा, मैं अपनी दोस्त के लिए लड़ूंगी। अनीता का मानना है कि अगर ऐश्वर्या वहां होतीं, तो वह खुद अपनी बात रखतीं। अनीता के अलावा शो के होस्ट रणविजय ने भी ऐश्वर्या का समर्थन किया। इसके बाद ऐश्वर्या को अपने नामांकन के बारे में पता चला, जिस पर उन्होंने प्रतिक्रिया देते हुए कहा,÷यह जगह हर तरफ से आपकी परीक्षा लेती है। बता दें, लेटेस्ट एपिसोड में वोटिंग राउंड के दौरान ऐश्वर्या ने एरिका का नाम लिया था ताकि वो बसेरा की मालकिन बन सकें। ऐश्वर्या ने कहा, हम दोनों बहुत अच्छे दोस्त थे, एक-दूसरे का साथ देते थे। ये सब तो बस एक खेल का हिस्सा है, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा कुछ हो जाएगा। जब नोमिनेशन में एरिका ने मेरा नाम लिया, तो मुझे ये सब बदला लगा। उसके पास और भी नाम थे, लेकिन उसने फिर भी मेरा नाम चुना, जिससे पता चलता। इस बीच, एरिका ने भी अपने फैसले को सही ठहराते हुए कहा, यह गेम की एक रणनीति थी और आगे बढ़ने के लिए जरूरी भी था।

ईशा तलवार के बाद अब

अभिनव शुक्ला ने कास्टिंग डायरेक्टर की खोली पोल

बॉलीवुड और टेलीविजन की दुनिया में संघर्ष और रिजेक्शन आम बात है, लेकिन कुछ अनुभव ऐसे होते हैं जो कलाकार के आत्मबल को पूरी तरह बदल देते हैं। अभिनेता और बिग बॉस 14 फेम अभिनव शुक्ला ने हाल ही में अपनी ऑडिशन से जुड़ी एक घटना शेयर की, जो न सिर्फ उनके लिए एक सीख बनी, बल्कि हजारों उभरते कलाकारों के लिए भी प्रेरणा बन सकती है।

अभिनव शुक्ला ने शेयर किया एक्सपीरियंस

यह घटना वर्ष 2014 की है, जब अभिनव की फिल्म 'रोर' रिलीज के करीब थी। उन्होंने अपने शुभचिंतकों के कहने पर यशराज फिल्म्स की कास्टिंग डायरेक्टर से मिलने का फैसला किया। शानू शर्मा के साथ यह मुलाकात उनके करियर का मोड़ बन सकती थी, लेकिन कास्टिंग डायरेक्टर ने उन्हें यह कहकर नकार दिया कि वो अच्छे दिखते हैं, पर उनमें स्पार्क नहीं है। ये शब्द उनके आत्मविश्वास को ठेस पहुंचाने वाले थे।

संजय लीला भंसाली से हुई मुलाकात

हालांकि, अभिनव ने हार नहीं मानी। उन्होंने इस तजुर्बे का इस्तेमाल किया और अपने अंदर सुधार की कोशिशें जारी रखीं। वर्षों बाद, किस्मत उन्हें एक अलग मोड़ पर लेकर आई, जब वह दिग्गज निर्देशक संजय लीला भंसाली से मिलने पहुंचे। यहां उन्हें बिल्कुल विपरीत प्रतिक्रिया मिली। भंसाली ने न सिर्फ उनकी प्रतिभा की सराहना की, बल्कि यह भी पूछा कि उन्होंने अब तक ज्यादा काम क्यों नहीं किया।

साभार एजेंसी

फिल्म अल्फा में आलिया और शरवरी का नया होगा लुक, कोरियोग्राफर बॉस्को मार्टिस ने किया बड़ा दावा

कोरियोग्राफर बॉस्को मार्टिस यशराज फिल्म्स की अपकमिंग फिल्म अल्फा को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ एक साथ नजर आएंगी। कोरियोग्राफर का कहना है कि फिल्म में एक्शन होगा। फिल्म में स्टाइल और बेहतरीन डांस मूव्स भी हो सकते हैं।

बातचीत में बॉस्को ने फिल्म की अभिनेत्रियों द्वारा किये गए काम की तारफी की है। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि फिल्म में सभी का काम एकदम अलग होने वाला है। मुझे लगता है कि फिल्म में दोनों का काम काफी बड़ा होगा। उनका लुक बेहतरीन होगा। फिल्म में आपको आलिया और शरवरी वाघ एकदम अलग लुक में दिखेंगी। उनके लुक में जो बदलाव होगा वह एकदम नया होगा। मैं ज्यादा कुछ तो नहीं कहूंगा लेकिन इतना जरूर है कि दोनों ने फिल्म में बहुत अच्छा काम किया है। बॉस्को फिल्म वॉर, पठान और बैंग बैंग जैसी फिल्मों में अपनी जबरदस्त कोरियोग्राफी के लिए मशहूर हैं। उन्होंने इशारा किया कि फिल्म अल्फा दर्शकों को सिर्फ डांस नंबर्स से कहीं ज्यादा कुछ दिखाएगी। इसमें अभिनेत्रियों को बिल्कुल नए अंदाज में दिखाया जाएगा। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा मुझे पूरा भरोसा है कि आप फिल्म में बहुत कुछ दमदार देखने वाले हैं। फिल्म अल्फा के बारे में जानकारी अभी गुप्त रखी गई है। हालांकि इतना मालूम है कि यह फिल्म आलिया भट्ट की पहली एक्शन फिल्म होगी। शरवरी भी फिल्म में एक्शन करती हुई नजर आएंगी। बताया जाता है कि कोरियोग्राफी इस फिल्म की कहानी को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।